MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 16 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-46

पाक का सरेंडर

टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में सूर्या सेना

कोलंबो, 15 फरवरी (एजेंसियां)।
भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 से पहले पिछले कुछ हफ्तों से ड्रामा कर रहे पाकिस्तान की पूरी हेकड़ी निकाल दी। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए महामुकाबले में टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट पर 175 रन बनाए। ईशान किशन ने सबसे अधिक 77 रन की पारी खेली। यह भारत बनाम पाकिस्तान टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर था। इसके बाद उसने कमाल की गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 114 रनों पर रोक लिया, जबकि 61 रनों से जीत दर्ज की। इस तरह से उछल रहे पाकिस्तानी पूर्व क्रिकेटर्स और उसके फैंस का जोश भी पूरी तरह ठंडा हो गया। इस जीत के साथ ही सूर्यकुमार यादव की टीम सुपर-8 में पहुंच गई है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए हैं। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। अभिषेक शर्मा के रूप में भारत को पहला झटका 1 के स्कोर पर लगा। अभिषेक 4 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हो गए। ईशान किशन और तिलक वर्मा ने दूसरे विकेट के लिए 46 गेंदों में 87 रन की तेज साझेदारी की। बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे ईशान 40 गेंदों पर 3 छक्कों और 10 चौकों की मदद से 77 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए 38 रन जोड़े।

▶10 पर

करीमनगर नगर निगम

कांग्रेस और भाजपा की 'कैंप पॉलिटिक्स'

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना की राजनीति में एक बार फिर कैंप पॉलिटिक्स की वापसी हुई है। हाल ही में संपन्न हुए करीमनगर नगर निगम चुनावों के बाद, कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने अपने विजयी उम्मीदवारों को अलग-अलग रिसॉर्ट्स में स्थानांतरित कर दिया है। यह कदम नगर निकाय चुनावों के बाद अपनी स्थिति मजबूत करने और दलबदल को रोकने के लिए तेज होती राजनीतिक घेराबंदी का संकेत है! कांग्रेस पार्टी ने अपना राजनीतिक आधार लियोनियो रिसॉर्ट में स्थापित किया है, जहाँ करीमनगर के वरिष्ठ नेताओं और नवनिर्वाचित पार्षदों को एक साथ लाया गया है। यह रिसॉर्ट अब कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बन गया है, जहाँ पार्टी नगर निगम में अपने अगले कदमों की रणनीति तैयार कर रही है। महेश गौड़ और मंत्री पोन्नम प्रभाकर व्यवस्थाओं की निगरानी करने और पार्षदों के साथ संवाद करने के लिए खुद रिसॉर्ट पहुँच चुके हैं। उनकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि कांग्रेस नेतृत्व अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच एकता

बनाए रखने और प्रतिद्वंद्वी दलों द्वारा किसी भी संभावित सेंधमारी को रोकने को कितनी प्राथमिकता दे रहा है। अन्य नेताओं के पहुँचने से पहले ही मंत्री श्रीधर बाबू और तुम्मला नागेश्वर राव रिसॉर्ट में डेरा डाले हुए थे। ▶10 पर

पदेन सदस्यों के मतदान पर रोक

बिगड़ा पार्टियों का गणित

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नगर पालिकाओं के अध्यक्षों और मेयरों के अप्रत्यक्ष चुनावों से ठीक पहले, तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने पदेन सदस्यों के नियमों को कड़ा कर दिया है। आयोग के इस फैसले ने कई नगर पालिकाओं में राजनीतिक दलों के समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है, विशेषकर वहां जहां त्रिशंकु परिणाम आए थे।

कुल 116 नगर पालिकाओं और सात नगर निगमों में से 37 में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है, जिससे हर एक वोट निर्णायक हो गया है। शुक्रवार देर रात जारी एक परिपत्र में आयोग ने स्पष्ट किया कि केवल वही सांसद और विधायक पदेन सदस्य के रूप में मतदान कर सकते हैं, जिनका निर्वाचन क्षेत्र पूरी तरह या आंशिक रूप से उस नगर पालिका क्षेत्र के भीतर आता है। राज्यसभा सदस्यों और विधान परिषद सदस्यों के लिए नियम और भी कड़े हैं; वे केवल तभी मतदान कर पाएंगे जब वे संबंधित नगर पालिका की मतदाता सूची में पंजीकृत मतदाता हों। ▶10 पर

आंध्र भूमि निवेश घोटाला

मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात सिपाही सहित 8 लोगों से 2 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आंध्र प्रदेश में प्राइम लोकेशन की जमीन पर भारी मुनाफे का लालच देकर हैदराबाद में करीब 2 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में हैदराबाद की सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) पुलिस ने एक पुलिस कॉन्स्टेबल की शिकायत पर आपराधिक जांच शुरू की है। यह मामला तब और उलझ गया जब मुख्य आरोपी महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

शिकायतकर्ता 39 वर्षीय शेख वली, कुरनूल के आंध्र प्रदेश विशेष पुलिस की दूसरी बटालियन में कॉन्स्टेबल है। वली ने पुलिस को बताया कि 2017 से वह हैदराबाद में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के आवास पर सुरक्षा ड्यूटी में तैनात था। हाल ही में उसे एपी के कानून मंत्री मोहम्मद फारूक का पीएसओ (व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारी) नियुक्त किया गया था। जुलाई 2023 में उसका संपर्क आरोपी अडेपल्ली लक्ष्मी से हुआ, जो अक्सर वहां आती थी और खुद को टीडीपी कार्यकर्ता बताती थी।

लक्ष्मी ने कथित तौर पर दावा किया कि मंगलगिरी में उसकी चार एकड़ जमीन है, जिसकी कीमत 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ है। उसने विकास कार्य और अनुमतियों के लिए तत्काल धन की आवश्यकता बताते हुए 2% मासिक ब्याज पर 5 लाख रुपये की मांग की। वली ने शुरुआत में जून 2023 में 1 लाख रुपये भेजे और बाद में मुनाफे के लालच में किश्तों में कुल 29 लाख रुपये दे दिए। लक्ष्मी ने विश्वास जीतने के लिए उसे सब्जी व्यापारी एम. मलेश और कुछ फर्जी बैंक अधिकारियों से भी मिलवाया, जिन्होंने दावा किया कि महिला के पास 25 करोड़ रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट है। ▶10 पर

टिकाऊ विकास लक्ष्य

बजट विकसित भारत की नींव : मोदी

नयी दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्पादक खर्च को अपनी सरकार की पहचान बताते हुए कहा कि हाल ही में पेश किए गए केंद्रीय बजट में जानबूझकर अल्पकालिक लोकलुभावनवाद से बचा गया है। इसके बजाय, बुनियादी ढांचे में रिकॉर्ड पूंजीगत परिव्यय निवेश किया गया है ताकि रोजगार और टिकाऊ विकास को गति दी जा सके।

पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले प्रशासनों द्वारा छोड़े गए संरचनात्मक अंतरालों को भरने के लिए अपने कार्यकाल का उपयोग किया है, साहसिक सुधार किए हैं और विकसित भारत की नींव रखी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह बजट उस यात्रा के अगले स्तर का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने कहा, यह बजट हमारी शासन शैली और प्राथमिकताओं का एक अच्छा प्रतिबिंब है। यह हमारी 'सुधार एक्सप्रेस' को गति प्रदान करता है और हमारे युवाओं को तेजी से बदलती दुनिया के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उन्होंने आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए बताया कि पूंजी

संचय, श्रम औपचारिककरण और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने मिलकर भारत की संभावित विकास दर को 7 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है।

बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव और 12.2 लाख करोड़ का निवेश

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में पूंजीगत व्यय को तेजी से बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो 2013 की तुलना में 5 गुना अधिक है। पीएम मोदी ने कहा, टूटे हुए और पुराने बुनियादी ढांचे के लिए उस राष्ट्र में कोई जगह नहीं है जो विकसित भारत बनाने की आकांक्षा रखता है। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में भारत ने इतिहास का सबसे व्यापक बुनियादी ढांचा निर्माण प्रयास देखा है।

प्रधानमंत्री ने विस्तार के पैमाने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी हो गई है, मेट्रो सेवाओं वाले शहरों की संख्या चार गुना से अधिक हो गई है, और ग्रामीण सड़कों व इंटरनेट कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने विशेष रूप से साउथ हाई-स्पीड डायमंड कॉरिडोर का उल्लेख किया, जिससे कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी को महत्वपूर्ण लाभ होगा। रेलवे के लिए लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय किया गया है, जिसमें हाई-स्पीड कनेक्टिविटी और यात्री सुरक्षा पर प्राथमिकता दी गई है।

उभरते क्षेत्रों में निवेश पर चर्चा करते हुए मोदी ने कहा कि बायोफार्मा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण और दुर्लभ पृथ्वी गलियारों जैसे 'सनराइज सेक्टर' में निवेश किया जा रहा है, ▶10 पर

कांग्रेस की 'क्लीन स्वीप' की हवा निकाली!

आधिकारिक आंकड़ों ने मीडिया के दावों को झुठला दिया

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने मीडिया के उन दावों को झुठला दिया है जिनमें तेलंगाना नगर निकाय चुनावों को कांग्रेस के लिए क्लीन स्वीप बताया जा रहा था। आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस को कुल मिलाकर केवल 39 प्रतिशत वोट मिले हैं, जो राज्य भर में किसी भी तरह की एकतरफा लहर के दावे से कोसों दूर है। लगभग 61 प्रतिशत मतदाताओं ने कांग्रेस के बजाय अन्य दलों को चुना है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि क्लीन स्वीप का दावा केवल कांग्रेस समर्थित प्रचार मात्र था।

आधिकारिक आंकड़े भाजपा के मजबूत प्रदर्शन के दावों को भी खारिज करते हैं। एक विशेष मीडिया घराने ने भाजपा का वोट शेयर

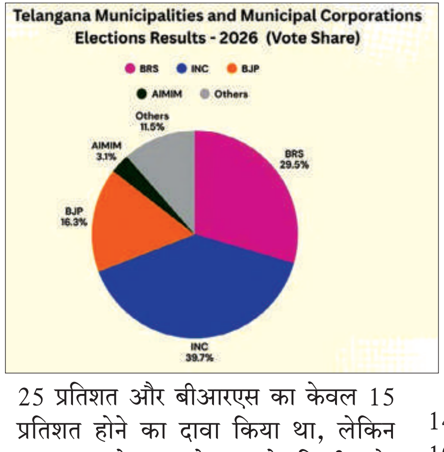

25 प्रतिशत और बीआरएस का केवल 15 प्रतिशत होने का दावा किया था, लेकिन चुनाव आयोग का डेटा इसके विपरीत है। नगर पालिकाओं और नगर निगमों को मिलाकर भाजपा का कुल वोट शेयर 16 प्रतिशत रहा, न कि 25 प्रतिशत। वहीं, बीआरएस ने 29 प्रतिशत वोट हासिल किए, जो प्रसारित किए जा रहे आंकड़ों से लगभग दोगुना है। नगर पालिकाओं में बीआरएस ने 32 प्रतिशत का मजबूत वोट शेयर बनाए रखा, जिससे साबित होता है कि मुख्य मुकाबला कांग्रेस और बीआरएस के बीच ही था और भाजपा अधिकांश क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर सिमट गई।

आंकड़ों का गणित: किस पार्टी को मिले कितने वोट?

नगर पालिकाओं और नगर निगमों के संयुक्त आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस को 14,76,746 वोट (39%) मिले। बीआरएस 10,74,518 वोटों के साथ 29 प्रतिशत पर रही, जबकि भाजपा को 5,82,279 वोट (16%) मिले। एआईएमआईएम को 1,12,817 वोट (3%) मिले, ▶10 पर

कोत्तागुडेम नगर निगम

कांग्रेस और भाकपा के बीच समझौता बराबर बांटा जाएगा मेयर का कार्यकाल

कोत्तागुडेम, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कोत्तागुडेम नगर निगम में मेयर और डिप्टी मेयर पद को लेकर जारी राजनीतिक अनिश्चितता अब समाप्त होती दिख रही है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और कांग्रेस कथित तौर पर अपने गठबंधन को जारी रखने और अगले पांच वर्षों के लिए इन पदों को समान अवधि (ढाई-ढाई साल) के लिए आपस में साझा करने पर सहमत हो गए हैं। यह महत्वपूर्ण निर्णय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और टीपीसीसी प्रमुख बी. महेश कुमार गौड़ की हैदराबाद में भाकपा नेता पल्ला वेंकट रेड्डी के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया बताया जा रहा है। बैठक के बाद, रिसॉर्ट कैंप में भेजे गए कांग्रेस पार्षदों को वापस उनके घर भेज दिया गया है।

▶10 पर

विदेशी दूल्हा बन डॉक्टर से 1.1 करोड़ की ठगी

मैट्रिमोनियल फ्रॉड

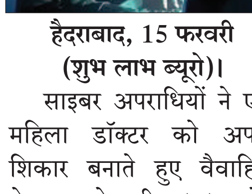

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
साइबर अपराधियों ने एक महिला डॉक्टर को अपना शिकार बनाते हुए वैवाहिक वेबसाइट के जरिए 1.1 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की है। फर्जी प्रोफाइल बनाकर विश्वास जीतने और फिर कानूनी पचड़ों का डर दिखाकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया गया।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने पिछले साल नवंबर में एक प्रसिद्ध मैट्रिमोनियल ऐप पर अपना पंजीकरण कराया था। कुछ समय बाद, व्हाट्सएप पर एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और शादी की इच्छा जताई। उसने खुद को विदेशी नागरिक बताया और डॉक्टर का भरोसा जीतने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस समेत कई फर्जी दस्तावेज और तस्वीरें साझा कीं।

संपर्क में रहने के कुछ दिनों बाद, उस व्यक्ति ने दावा किया कि वह पीड़िता से मिलने भारत आ रहा है। इसके तुरंत बाद, महिला डॉक्टर को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाली महिला ने खुद को दिल्ली एयरपोर्ट का अधिकारी बताया। उसने पीड़िता को सूचित किया कि उसका होने वाला मंगेतर अवैध रूप से विदेशी मुद्रा रखने ▶10 पर

सवाल : ना संसद और ना स्पीकर, बांग्लादेश में 17 को कैसे होगा शपथ ग्रहण समारोह

ढाका, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में सामान्य परिस्थितियों में चुनाव के बाद नए निर्वाचित सदस्यों को संसद के स्पीकर शपथ दिलाते हैं, लेकिन वर्तमान में बांग्लादेश में न तो संसद अस्तित्व में है और न ही स्पीकर का पद भरा हुआ है। यहाँ तक कि सदन के डिप्टी स्पीकर भी इस समय जेल में बंद हैं। ऐसी स्थिति में शपथ ग्रहण की प्रक्रिया को लेकर संवैधानिक विशेषज्ञों के बीच मंथन जारी है।

बांग्लादेशी संविधान के अनुच्छेद 148 के अनुसार, यदि स्पीकर उपलब्ध न हो, तो मुख्य चुनाव आयुक्त निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिला सकते हैं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रपति के पास यह अधिकार है कि वह शपथ दिलाने के लिए किसी भी व्यक्ति को मनोनीत कर दें। संभावना जताई जा रही है कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन देश के मुख्य न्यायाधीश को इस जिम्मेदारी के लिए मनोनीत कर सकते हैं। संविधान के मुताबिक, चुनाव आयोग द्वारा अंतिम नतीजों की सरकारी अधिसूचना या गजट जारी होने के तीन दिन के भीतर निर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण अनिवार्य है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार रहे मोहम्मद यूनुस के करीबियों का कहना है कि शपथ ग्रहण की पूरी प्रक्रिया संपन्न कर ली जाएगी। एक बार जब सदस्यों का शपथ ग्रहण हो जाएगा, उसके बाद राष्ट्रपति शहाबुद्दीन आधिकारिक तौर पर बहुमत वाली पार्टी बीएनपी को सरकार बनाने का न्योता देंगे। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन, जिनका कार्यकाल 2028 तक है, प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल को पद की शपथ दिलाएंगे। संविधान के अनुच्छेद 56 के तहत मंत्रिमंडल के गठन के साथ ही नई सरकार का कार्यकाल शुरू माना जाएगा। तारिक रहमान की इस जीत को बांग्लादेश की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बनी अस्थिरता की स्थिति को समाप्त करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए बीएनपी के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें भी इस सत्ता परिवर्तन और 17 फरवरी को होने वाले ऐतिहासिक समारोह पर टिकी हैं। बता दें कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद हुए आम चुनावों में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने प्रचंड बहुमत हासिल कर सत्ता के गलियारों में जोरदार वापसी की है। चुनाव परिणामों में बीएनपी ने 300 सदस्यीय संसद में 200 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की है, जो इसे दो-तिहाई बहुमत की शक्तिशाली स्थिति में खड़ा करता है। ताजा जानकारी के अनुसार, तारिक रहमान 17 फरवरी को देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। हालांकि, पिछले वर्ष हुए बड़े जनांदोलन के कारण संसद भंग होने और संवैधानिक रिक्तता की स्थिति के बीच यह शपथ ग्रहण समारोह काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकाः बर्कली में लापता भारतीय छात्र साकेत का शव बरामद, शोक में डूबा परिवार

वाशिंगटन। अमेरिका के बर्कली में पिछले छह दिनों से लापता 22 वर्षीय भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया को लेकर एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। लंबे खोज अभियान के बाद स्थानीय पुलिस ने साकेत का शव बरामद कर लिया है। वह यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया में पोस्ट ग्रेजुएशन के छात्र थे और 9 फरवरी को अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए थे। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने इस दुखद घटना की पुष्टि करते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। भारतीय मिशन ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि उन्हें पुलिस के माध्यम से साकेत की मृत्यु की सूचना मिली है। दूतावास साकेत के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है और इस कठिन समय में उनके साथ खड़ा है। मिशन ने स्पष्ट किया है कि वे स्थानीय प्रशासन के साथ निरंतर तालमेल बनाए हुए हैं ताकि साकेत के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत भेजने का प्रबंध किया जा सके। दूतावास का कार्यालय परिवार के सीधे संपर्क में है और सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने में हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। मूल रूप से कर्नाटक के रहने वाले साकेत श्रीनिवासैया एक मेधावी छात्र थे। उन्होंने आईआईटी मद्रास से अपनी बीटेक की डिग्री पूरी की थी और उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गए थे। उन्होंने साल 2025 में ही यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया में प्रवेश लिया था। जानकारी के मुताबिक, साकेत को आखिरी बार बर्कली हिल्स इलाके के अंजा लेक के पास देखा गया था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका पासपोर्ट और लैपटाप भी घटनास्थल के पास से ही बरामद किया गया है। साकेत के लापता होने के बाद उनके परिवार ने गहरा संकट व्यक्त किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए 13 फरवरी को कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की थी। पत्र में उल्लेख किया गया था कि औपचारिक शिकायत के बावजूद पुलिस को साकेत का कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है, जिससे परिवार की चिंताएं बढ़ती जा रही थीं। अब साकेत की मौत की खबर ने उनके गृह राज्य और वहां रह रहे उनके परिजनों को झकझोर कर रख दिया है ।

मुनीर ने जर्मनी में मार्को रुबियो से सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल, चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) और चीफ आफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) सैयद आसिम मुनीर ने शनिवार को 62वें म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के मौके पर जर्मनी में अमेरिका के विदेश सचिव मार्को रुबियो के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा और आतंकवादी विरोधी रणनीति पर चर्चा की। रिपोर्ट में यह जानकारी इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले से दी गई। इस बातचीत में दोनों पक्षों ने आपसी हितों पर भी चर्चा की। मुनीर ने इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए 12 से 14 फरवरी तक जर्मनी का दौरा किया। उन्होंने जर्मन, ब्राजील और लेबनान के भी सैन्य अधिकारियों से वैश्विक शांति पर बात की। पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अफसर ने जर्मनी के आंतरिक सुरक्षा मंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंड्ट, जर्मनी के चांसलर के सुरक्षा सलाहकार गुंटर साउटर और चीफ आफ डिफेंस जनरल कार्स्टन ब्रेउर से मुलाकात की।

ब्रिटिश राजशाही में तूफान, गिरफ्तारी से ठीक पहले प्रिंसेस बीट्राइस की जन्मदिन पार्टी में मौजूद था एपस्टीन

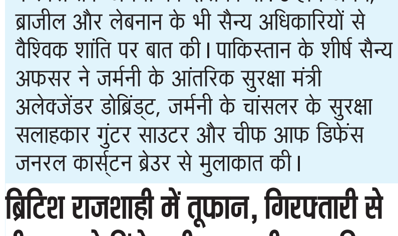

लंदन। कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेजों और मीडिया रिपोर्ट्स ने ब्रिटेन की राजशाही और वैश्विक सत्ता-तंत्र में हलचल मचा दी है। डेली मेल के अनुसार, जुलाई 2006 में एपस्टीन प्रिंसेस बीट्राइस की 18वीं जन्मदिन पार्टी में विंडसर कैसल में मौजूद था उसकी गिरफ्तारी से महज़ आठ दिन पहले।रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उस समय एपस्टीन के साथ घिसलेन मैक्सवेल और हार्वे वाइंस्टीन भी थे, जबकि नाबालिग के यौन उत्पीड़न के मामले में उसके खिलाफ दो महीने पहले ही वारंट जारी हो चुका था। इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रिंस एंड्रयू ने कथित तौर पर मिसेज़ विंडसर कोडनेम का इस्तेमाल कर एपस्टीन से जुड़ी महिलाओं को बकिंघम पैलेस में प्रवेश दिलवाया।

एपस्टीन फाइलों में खुलासा-बहुत पहले से है ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत

वाशिंगटन, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नोबेल शांति पुरस्कार के प्रति प्रेम किसी से छिपा नहीं है। हाल ही में वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो द्वारा अपना नोबेल शांति पुरस्कार ट्रंप को समर्पित करने की खबरों के बीच, अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा सार्वजनिक की गई जेफ्री एपस्टीन की फाइलों ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। इन दस्तावेजों से पता चलता है कि कुख्यात फाइनेंशर जेफ्री एपस्टीन ने नोबेल समिति के पूर्व अध्यक्ष थारबोर्न यागलैंड के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोगों के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए किया था।अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी की गई फाइलों में एक ईमेल का जिक्र है, जो एपस्टीन ने डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी स्टीव बैनन को भेजा था। 2018 के इस ईमेल में एपस्टीन ने ट्रंप की नोबेल पुरस्कार पाने की तीव्र इच्छा पर चुटकी लेते हुए लिखा था, डोनाल्ड का सिर फट जाएगा अगर उसे पता चलेगा कि तुम अब उस व्यक्ति के दोस्त हो जो सोमवार को नोबेल शांति पुरस्कार का फैसला करने वाला है। यह संदेश न केवल ट्रंप की पुरस्कार के प्रति ललक को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि एपस्टीन को नोबेल चयन प्रक्रिया और उसके अध्यक्ष तक अपनी पहुंच का कितना गुमान था।

दस्तावेजों के अनुसार, थारबोर्न यागलैंड, जो 2009 से 2015 तक नोबेल शांति पुरस्कार समिति के अध्यक्ष रहे, एपस्टीन के संपर्कों में प्रमुखता से शामिल थे। एपस्टीन ने यागलैंड से अपनी जान-पहचान का इस्तेमाल बिल गेट्स, स्टीव बैनन और लैरी समर्स जैसे प्रभावशाली व्यक्तित्वों को प्रभावित करने के लिए किया। फाइलों से पता चलता है कि 2010 में एपस्टीन ने यागलैंड को न्यूयार्क और पेरिस स्थित अपनी निजी संपत्तियों में ठहराया था। एपस्टीन ने यागलैंड के नाम का उपयोग चारे की तरह किया। उसने व्हाइट हाउस की पूर्व कानूनी सलाहकार कैथी रूमलर को मेल कर पूछा था, नोबेल शांति पुरस्कार के प्रमुख मिलने आ रहे हैं, क्या आप जुड़ना चाहेंगी इसी तरह हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष लैरी समर्स को भी इसी तरह का प्रलोभन दिया गया। यहां तक कि बिल गेट्स के साथ हुए ईमेल संवाद में भी यागलैंड की भूमिका और नोबेल समिति में उनके भविष्य को लेकर चर्चा की गई थी।

अमेरिका ने दिए संकेतः ईरान के खिलाफ लंबे समय तक सैन्य कार्रवाई करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। मध्य पूर्व में तनाव के बीच अमेरिका से एक बेहद गंभीर खबर सामने आई है। अमेरिकी सैन्य गलियारों से छनकर आ रही जानकारियों के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान के खिलाफ एक व्यापक और कई हफ्तों तक चलने वाली सैन्य कार्रवाई की योजना पर काम कर रही है। दो वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यदि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हमला करने का अंतिम आदेश देते हैं, तो सेना इस बार केवल सांकेतिक प्रहार के बजाय एक लंबे समय तक चलने वाले निरंतर अभियान के लिए खुद को तैयार रख रही है। यह नई रणनीति पिछले अनुभवों के मुकाबले कहीं अधिक आक्रामक और व्यापक मानी जा रही है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अमेरिका ने ईरान के कुछ परमाणु ठिकानों पर सीमित हवाई हमले किए थे, जो एक बार की गई त्वरित कार्रवाई थी। लेकिन मौजूदा सैन्य हलचल संकेत दे रही है कि इस बार अमेरिका की योजना ईरान के परमाणु ठिकानों के साथ-साथ उसके संपूर्ण सरकारी और सुरक्षा ढांचे को निशाना बनाने की है। पेंटागन ने अपनी रणनीति के तहत मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी को अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दिया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने दुनिया के सबसे बड़े और आधुनिक विमानवाहक पोत, यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड को क्षेत्र में तैनात करने का आदेश दिया। यह वही जंगी जहाज है जिसने हाल ही में वेनेजुएला के पास अमेरिकी सैन्य दबाव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के साथ हजारों अतिरिक्त सैनिक, उन्नत लड़ाकू विमान और मिसाइलों से लैस कई युद्धपोत भी तैनात किए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी भारी सैन्य तैनाती का स्पष्ट अर्थ है कि अमेरिका एक बड़ी और लंबी जंग की तैयारी कर रहा है। ट्रंप ने भी अपने हालिया संबोधन में सैनिकों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि ईरान के साथ समझौता करना सरल नहीं है। उन्होंने कूटनीतिक भाषा के बजाय स्पष्ट शब्दों में कहा कि कभी-कभी डर ही हालात को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका होता है। व्हाइट हाउस की ओर से भी यह स्पष्ट कर दिया गया है कि ईरान के संदर्भ में सभी सैन्य विकल्प मेज पर हैं और अंतिम फैसला राष्ट्रपति की रणनीतिक सोच पर निर्भर करेगा।

डायनासोर की नई प्रजाति ने दे दी वैज्ञानिक मानकों को चुनौती

बीजिंग, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

चीन में करीब दो सदियों से इगुआनोडोंटिया ग्रुप के डायनासोरों के बारे में अध्ययन किया जा रहा है, लेकिन पहली बार इस समूह में ऐसा डायनासोर मिला है जिसके शरीर पर नुकीले, खोखले कांटे यानी स्पाइक्स पाए गए हैं। डायनासोर की इस नई प्रजाति ने अब तक के स्थापित वैज्ञानिक मानकों को चुनौती दे दी है। इस जीवाश्म की खोज ने पालेओ-साइंस जगत को उत्साह और आश्चर्य से भर दिया है, क्योंकि इससे पहले किसी भी इगुआनोडोंटिया प्रजाति में ऐसे कांटे देखे नहीं गए थे। फ्रांस के शोध संस्थान सीएनआरएस और उनके अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की टीम ने चीन में एक छोटे आकार के इगुआनोडोन का जीवाश्म खोजा है। खास बात यह है कि इस जीवाश्म में सिर्फ हड्डियाँ ही नहीं, बल्कि शरीर की त्वचा और उस पर मौजूद कांटे भी पूरी तरह सुरक्षित मिले हैं। यह संरक्षण वैज्ञानिकों को करोड़ों साल पुराने जीवों की संरचना को समझने का दुर्लभ मौका देता है।

इस जीवाश्म के मिलने के बाद वैज्ञानिकों ने इसकी विस्तृत जांच करने के लिए एक्स-रे स्कैनिंग और हाई-रिज़ाल्यूशन हिस्टोलाजिकल तकनीक का इस्तेमाल किया। इन तकनीकों के जरिए 125 मिलियन साल, यानी लगभग 12.5 करोड़ साल पुराने स्किन सेल्स और कांटों की अंदरूनी संरचना का अध्ययन किया गया। अध्ययन से पता चला कि इस नई प्रजाति के डायनासोर का शरीर बड़े हिस्से तक खोखले और बेहद नुकीले कांटों से ढका हुआ था। वैज्ञानिकों ने इस अनोखी प्रजाति का नाम हाओलोंग डोंगी रखा है, जो चीन के प्रसिद्ध पैलियोन्टोलाजिस्ट डोंग झिमिंग को सम्मान देने के उद्देश्य से चुना गया है।

इस खोज ने स्पष्ट कर दिया है कि करोड़ों साल पहले पृथ्वी की प्रकृति कितनी विविध और जटिल थी, और जीव-जंतुओं ने अपनी सुरक्षा के लिए कितने विशिष्ट तरीके विकसित किए थे। वैज्ञानिकों का मानना है कि हाओलोंग डोंगी पूरी तरह शाकाहारी डायनासोर था। उसके जीवनकाल में छोटे मगर खतरनाक मांसाहारी डायनासोरों का दबदबा था, जिससे बचाव के लिए शरीर पर मौजूद ये कांटे बेहद उपयोगी रहे होंगे। माना जा रहा है कि ये कांटे की दुनिया में पाए जाने वाले साही के कांटों की तरह काम करते थे यानी किसी भी शिकारी को हमला करने से पहले चेतावनी देने और डराने का प्राकृतिक हथियार।

पाकिस्तान में सड़क हादसा, कम से कम 11 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के खैरपुर जिले में टंडो मस्ती के पास एक और बालू ले जा रहे ट्रेलर की टक्कर में कम से कम 11 लोग मारे गए। मृतकों में नौ यात्री और बस के ड्राइवर और कंडक्टर शामिल हैं। यह बस पंजाब से कराची जा रही थी। यह जानकारी बचाव अधिकारियों ने दी। रिपोर्ट में ईधी फाउंडेशन के हवाले से कहा गया है कि इस हादसे में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सभी का खैरपुर सिविल हास्पिटल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद सिंध के पुलिस महानिरीक्षक ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खैरपुर को तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचने और बचाव कार्यों की निगरानी करने का निर्देश दिया। इस बीच, शुक्रवार को एम-9 मोटर-वे पर कथोरे के पास कई गाड़ियों की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा एक तेल टैंकर, एक बस और कई अन्य गाड़ियों के टकराने के बाद हुआ। बचाव अधिकारियों ने पुष्टि की कि मरने वालों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। टक्कर की वजह से कई यात्री पुल से गिर गए।

सिंधु जल संधि को लेकर गीदड़भभकी दे रहा पाक.....एकतरफा समझौत से नहीं हट सकता

इस्लामाबाद, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने एक बार फिर सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के मुद्दे पर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर घेरने की कोशिश करने में जुटा है। इस्लामाबाद में विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसकी कानूनी टीम ने 2-3 फरवरी को परमानेन्ट कोर्ट आफ़ आर्बिट्रेशन, हेग में हुई सुनवाई में हिस्सा लिया, लेकिन भारत ने कार्यवाही में भाग नहीं लिया। पाकिस्तान ने चिनाब नदी पर प्रस्तावित स्वालकोट मेगा डैम प्रोजेक्ट को लेकर भी आपत्ति जताकर इस रोकने की मांग की है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि आर्बिट्रेशन कोर्ट ने भारत से उसके रन आफ द रिवर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स के डिजाइन और संचालन से जुड़े बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा था। कोर्ट ने भारत को शामिल होने के लिए बुलाया, लेकिन नई दिल्ली ने ट्रिब्यूनल की वैधता को ही स्वीकार करने से इंकार किया। भारत का कहना है कि वह इस मध्यस्थता प्रक्रिया को गैर-कानूनी मानता है, इसलिए संवेदनशील आपरेशनल डेटा साझा नहीं करेगा। पाकिस्तान ने दावा किया कि आईडब्ल्यूटी आज भी एक बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता है और कोई भी पक्ष इस समझौते को एकतरफा निलंबित या रद्द नहीं कर सकता। उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विश्व बैंक से हस्तक्षेप की अपील की है। गौरतलब है कि 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई यह संधि सिंधु प्रणाली की नदियों के जल बंटवारे को नियंत्रित करती है। पाकिस्तान ने इसके पहले कश्मीर में किशनगंगा और रातले हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजनाओं को लेकर भी आपत्ति जाहिर की थी। उसका कहना है कि इन परियोजनाओं से संधि के प्रावधानों का उल्लंघन हो सकता है। भारत का रुख है कि उसकी सभी परियोजनाएं संधि के दायरे में और वैध हैं।

बीते वर्ष 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाए, जिनमें सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला भी शामिल था। इस निर्णय से पाकिस्तान की चिंता बढ़ गई है।

दुनिया के पांच देशों में नाममात्र की है भारतीय आबादी

लंदन, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका की सिलिकान वैली से लेकर दुबई के बुर्ज खलीफा तक भारतीयों ने अपने कौशल, मेहनत और क्षमता से एक मजबूत पहचान बनाई है। इसके बाद भी कुछ ऐसे देश हैं जहां भारतीय आबादी लगभग न के बराबर है। विदेश मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार ऐसे पाँच देश खास तौर पर इस सूची में शामिल हैं।

सबसे पहले बात वैटिकन सिटी की करें तो यह दुनिया का सबसे छोटा देश है, जिसकी आबादी मुख्य रूप से कैथोलिक चर्च के अधिकारियों, पादरियों और स्विस गार्ड्स तक सीमित रहती है। यहां नागरिकता जन्म से नहीं मिलती, बल्कि सेवा और काम के आधार पर दी जाती है। भारतीय पादरी या नन धार्मिक कार्यों के लिए अस्थायी रूप से यहां आते तो हैं, लेकिन यहां कोई स्थायी भारतीय परिवार नहीं रहता। छोटे क्षेत्रफल और सख्त निवास नियमों के कारण यहां प्रवासियों की संख्या लगभग शून्य है। इसी तरह सैन मारिनो भी भारतीयों की स्थायी आबादी से लगभग खाली है। इटली के मध्य स्थित यह छोटा और ऐतिहासिक गणराज्य खूबसूरत पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। भारतीय पर्यटक यहां बड़ी संख्या में पहुंचते हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार यहां रहने वाले भारतीयों की संख्या नगण्य है। देश का छोटा आकार और कठोर निवास शर्तें भारतीय प्रवासियों के बसने में बड़ी बाधा मानी जाती हैं। प्रशांत महासागर का छोटा द्वीप देश तुवालु भी इस सूची में शामिल है। यह दुनिया के सबसे दूरस्थ और कम आबादी वाले देशों में से एक है। नौ कोरल एटोल से बना यह द्वीप इतना छोटा है कि इसका क्षेत्रफल दिल्ली के कनाट प्लेस से भी कम बताया जाता है।

भौगोलिक अलगाव, सीमित सुविधाएं और कमजोर आर्थिक ढांचा भारतीयों के स्थायी रूप से बसने में बड़ी रुकावट बने हुए हैं। यहां भारतीय पर्यटक तो कभी-कभार पहुंचते हैं, लेकिन रहने वाले भारतीयों की संख्या लगभग शून्य है। पाकिस्तान का नाम भी उन देशों में शामिल होता है जहां भारतीय प्रवासी मौजूद नहीं हैं। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्ते और सुरक्षा संबंधी दिक्कतों के चलते वहां भारतीय समुदाय का रहना लगभग असंभव हो गया है।

वर्षों से यह स्थिति यही बनी हुई है, जिसके कारण पाकिस्तान में भारतीयों की स्थायी आबादी नहीं पाई जाती। बुल्गारिया को लेकर अक्सर गलत जानकारी फैलाई जाती है कि यहां एक भी भारतीय नहीं रहता, जबकि यह पूरी तरह सही नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार बुल्गारिया में लगभग 800 से 900 भारतीय रहते हैं, जिनमें अधिकतर छात्र हैं। हालांकि यह संख्या यूरोप के अन्य देशों की तुलना में बेहद कम है, इसलिए इसे अक्सर उन देशों की सूची में डाल दिया जाता है जहां भारतीय आबादी नगण्य मानी जाती है।

मोदी सरकार में डिजिटल इंडिया गरीबों को सस्ता अनाज देने के क्षेत्र में पदार्पण कर रहा : अमित शाह

गांधीनगर,15 फरवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के गांधीनगर में देश का फर्स्ट सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी)-बेस्ड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) लॉन्च करते हुए कहा कि दुनिया के कुल डिजिटल ट्रांजेक्शन में आधे से ज्यादा हिस्सा भारत का है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि डिजिटल इंडिया शब्द का मैं जब प्रयोग करता हूं और 11 साल पहले मुड़कर देखते हैं तो कल्पना नहीं कर सकते कि 60 करोड़ लोग ऐसे थे, जिनके परिवार में बैंक अकाउंट नहीं था। आज यही 11 साल बाद पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया के आधे डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हो रहे हैं। मतलब दुनिया में 2 डिजिटल ट्रांजेक्शन होते हैं तो एक भारत में होता है। आज वही डिजिटल इंडिया गरीबों को सस्ता अनाज देने के क्षेत्र में पदार्पण कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से डीबीटी ने देश में 15 लाख करोड़ से ज्यादा घपले-घोटालों को समाप्त कर दिया, उसी तरह से खाद्य आपूर्ति मंत्रालय का यह कदम ट्रांसपेरेंट डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम सुनिश्चित करेगा और पीएम मोदी के मंत्र 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' को जमीन पर उतारेगा।गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा

कि 11 साल पहले का समय मुझे याद है। सबसे पहले भ्रष्टाचार की शुरुआत अनाज को तौलने में होती थी। उसके वेट करने वाले स्केल को डिजिटल किया गया। राशन कार्ड फर्जी होते थे, लेकिन अब ई-राशन कार्ड ला दिया गया, फिर 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' आया और अब यह जो सिस्टम शुरू हुआ है, इससे और पारदर्शिता होगी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल इंडिया के माध्यम से ढेर सारी पारदर्शिता गांवों तक पहुंचाई। कांग्रेस की सरकार में 500 गांवों तक ही कनेक्टिविटी पहुंची थी, लेकिन आज 1 लाख 7 हजार गांवों में कनेक्टिविटी पहुंची है। पीएम मोदी के उस उद्गार को, जब उन्होंने 2014 में कहा था कि 'मेरी सरकार गरीबों की, दलितों की, पिछड़ों की, आदिवासियों की सरकार है और मेरी सरकार में पहला अधिकार इनका है, उस समय हम भावुक होकर देख रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज वही चीज मुस्कराकर देखते हैं कि 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो मिल रहा है। 81 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा, यानी पूरे यूरोपियन यूनियन की आबादी से लगभग दो गुना अधिक लोगों को खाद्य सुरक्षा देने का कार्यक्रम है।उन्होंने पिछले एक दशक में किए गए कल्याणकारी कामों का भी जिक्र किया, जिसमें कहा गया कि 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत चार करोड़ घर बनाए गए हैं, 13 करोड़ घरों में नल के पानी के कनेक्शन दिए गए हैं, लगभग 13 करोड़ घरों में गैस सिलेंडर दिए गए हैं, और 12 करोड़ घरों में टॉयलेट बनाए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि 2.91 करोड़ महिलाएं 'लखपति दीदी' बन गई हैं, जो सबको साथ लेकर चलने वाले विकास की बड़ी कोशिशों को दिखाता है।

राहुल गांधी पर भड़के जीतन राम मांझी, कहा-

विपक्ष ट्रेड डील को गलत तरीके से कर रहा प्रचारित

गया,15 फरवरी (एजेंसियां) । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के भारत-अमेरिका डील को भारत के किसानों के साथ विश्वासघात बताए जाने पर केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने जोरदार निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री मांझी ने रविवार को कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी जिस डील को किसानों के लिए नुकसानदेह बता रहे हैं, वह असल में अधिकांश लोगों के हित में है और विपक्ष इसे गलत तरीके से प्रचारित कर रहा है। उन्होंने इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भड़कते हुए यहां तक कह दिया कि उनकी खोपड़ी उल्टी है।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री यहां एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस क्रम में जब उनसे मीडिया के लोगों ने राहुल गांधी द्वारा भारत-अमेरिका डील की आलोचना पर सवाल पूछा, तो जीतन राम मांझी ने कहा कि कल रात

जब वे इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे थे, तो उन्हें एहसास हुआ कि राहुल गांधी की खोपड़ी ही उल्टी है।

उन्होंने कहा कि इससे करोड़ों किसानों का भविष्य जुड़ा है। इस डील से देश के 95 प्रतिशत लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। इस डील से हम लोगों को फायदा होगा।

मांझी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि महज 5 प्रतिशत मामलों में लेन-देन से जुड़ी कुछ दिक्कतें आ सकती है। 95 प्रतिशत लाभ हो रहा हो, तो छोटे से हिस्से की कमियों को आधार बनाकर पूरे बिल को खारिज करना सही नहीं है। पांच प्रतिशत तो सहन करना पड़ेगा, यह कौन सी बड़ी बात है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इसी पांच प्रतिशत को दिखाकर 95 प्रतिशत को नजरअंदाज कर रहे हैं।

बता दें कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अमेरिका के साथ हुए डील की लगातार आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने इस डील को किसानों के साथ विश्वासघात बताया है।

शादी में शामिल होने गई महिला लापता कपड़े और सामान बरामद

बेंगलुरु,15 फरवरी (एजेंसियां) । कर्नाटक के हासन जिले में एक 29 वर्षीय महिला के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से इलाके में चिंता का माहौल है। बेलूर तालुक के काल्केरे के पास उसके कुछ निजी सामान अलग-अलग स्थानों से बरामद किए गए हैं, जिनमें कपड़े और चप्पल शामिल हैं। इस घटनाक्रम ने मामले को गंभीर बना दिया है। लापता महिला की पहचान प्रियंका के रूप में हुई है, जो तुमकुरु जिले के कुनिगल की रहने वाली है। वह एक शादी में शामिल होने के लिए अकेले चिक्कमगलुरु गई थीं।

पुलिस के अनुसार, उन्हें आ-खिरी बार 12 फरवरी की रात करीब 8 बजे हासन जिले के

बेलूर बस स्टैंड के पास देखा गया था। हासन के पुलिस अधीक्षक शुभंविता ने शनिवार को बताया कि महिला की गुमशुदगी के संबंध में पहले बेलूर पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसे बाद में अरेहल्ली पुलिस स्टेशन स्थानांतरित कर नियमित एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि आज सुबह लापता महिला के कपड़े, चप्पल और बैग बरामद किए गए हैं। उसका कुर्ता और अन्य सामान तीन अलग-अलग स्थानों से मिला है। जांच जारी है और हम तकनीकी साक्ष्य एकत्रित कर रहे हैं। महिला का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रियंका के लापता होने के समय उनके पास लगभग 30 लाख रुपए मूल्य के सोने के गहने होने की आशंका है। इसी आधार पर संदेह जताया जा रहा है कि गहनों के लिए उनका अपहरण हो सकता है और उनके साथ हिंसा की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। परिजनों के मुताबिक, प्रियंका ने उसी शाम करीब 7:30 बजे फोन कर बताया था कि वह किसी के साथ है और इसके तुरंत बाद कॉल कट गया।

ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे रेल आवागमन की सुविधा वाली दुनिया की दूसरी अंडरवाटर टनल बनेगी : हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी,15 फरवरी (एजेंसियां) । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि ब्रह्मपुत्र के नीचे नुमालीगढ़ टनल दुनिया की दूसरी अंडरवाटर टनल होगी, जो रेल आवागमन को आसान बनाने में सक्षम होगी। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी और रणनीतिक लॉजिस्टिक्स के लिए गेम-चेंजर बताया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि गोहपुर-नुमालीगढ़ टनल, जिसकी अनुमानित लागत 18,622 करोड़ रुपए है, ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे बनाई जाएगी और इसे सड़क व रेल दोनों तरह के ट्रैफिक के लिए डिजाइन किया जाएगा। प्रोजेक्ट पूरा हो जाने पर, इससे उत्तरी और ऊपरी असम के बीच यात्रा का समय बहुत कम हो जाएगा, साथ ही पूरे इलाके में रक्षा और माल ढुलाई भी मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेल परिचालन को सपोर्ट करने की टनल की क्षमता इसे दुनिया भर में ऐसे बहुत छोटे प्रोजेक्ट्स के ग्रुप में शामिल करती है, जो इसकी तकनीकी और रणनीतिक महत्व को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह टनल बाढ़ के दौरान भी साल भर कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी व आपातकाल और

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी मूवमेंट में अहम भूमिका निभाएगी।

दूसरे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के बारे में बताते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने घोषणा की कि कामाख्या में एक रोपवे प्रोजेक्ट बनाया जाएगा, जो कामाख्या स्टेशन से शुरू होगा, ताकि भीड़ कम हो सके और पवित्र मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए पहुंच आसान हो सके। इस प्रोजेक्ट से गुवाहाटी में धार्मिक पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि गुवाहाटी एयरपोर्ट को जालुकबारी से जोड़ने वाली एक रिंग रोड की योजना बनाई गई है, जिसकी अनुमानित लागत 1,500 करोड़ रुपए है। इस सड़क से शहर के अंदर ट्रैफिक कम होगा और एयरपोर्ट तक पहुंच तेज व आसान होगी।हिमंत बिस्वा सरमा ने आगे बैहाटा चरियाली से तेजपुर तक चार लेन का हाईवे बनाने की घोषणा की, जिसमें लगभग 14,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा, जिससे मिडिल असम में एक महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे के साथ कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

सीएम हिमंत ने जानकारी दी कि डिब्रूगढ़ मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के लिए 600 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट तैयार किए गए हैं, ताकि सुविधाओं को अपग्रेड किया जा सके और एडवांस्ड इलाज सेवाओं को बढ़ाया जा सके।मुख्यमंत्री ने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स का स्केल केंद्र के मजबूत समर्थन के साथ असम के तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित विकास को दिखाता है, जिससे राज्य पूर्वोत्तर के लिए एक अहम कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स हब बन गया है।

टॉलीगंज में लग्जरी रेजिडेंशियल बिल्डिंग में आग, कई फिल्मी सितारे सड़क पर उतरे

कोलकाता,15 फरवरी (एजेंसियां) । दक्षिण कोलकाता के टॉलीगंज इलाके में रविवार दोपहर को एक आलीशान घर में आग लग गई, जिससे वहां रहने वाले बंगाल फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े लोग नीचे सड़क पर आ गए। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, जिससे मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग काले धुएं से ढक गई। आग डायमंड सिटी रेजिडेंस के टावर 2 में लगी, जहां फिल्म कपल यश और नुसरत, एक्ट्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक सायंतिका बनर्जी समेत कई स्टार्स के फ्लैट हैं।

पता चला है कि यश और नुसरत घबराकर अपने बच्चों के साथ नीचे आ गए। वहां रहने वालों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया है। खबर मिलने के बाद फायर की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि आग पांचवीं मंजिल पर लगी थी। हालांकि, जिस कमरे में आग लगी, वहां कोई नहीं था। शुरुआती अंदाजे से लगता है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी। पुलिस और फायर ब्रिगेड को तुरंत इन्फॉर्म किया गया और हालात पर काबू पा लिया गया।

हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन

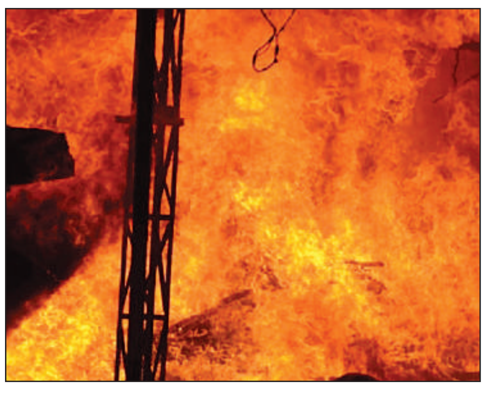

प्रॉपर्टी के बड़े नुकसान का डर है। डर है कि अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह फैल सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था। इस घटना से लोकल लोगों में दहशत फैल गई है।

जब बनर्जी से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा, मैंने रेजिडेंशियल बिल्डिंग में आग लगने के बारे में सुना। हालांकि, मैं उस समय वहां नहीं था। मैं बारानगर में कैंप में आ गया हूं। मैं ठीक हूं।

डायरेक्टर शुभ्राजीत मित्रा, जो उसी बिल्डिंग में रहते हैं, ने घटना के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा, मैंने सुना कि पांचवीं मंजिल पर रहने वाले एक व्यक्ति के मंदिर में शिवरात्रि की पूजा हो रही थी। उन्होंने एक दीया जलाया और आरती की। दीया बुझाए बिना, वे यह कहकर नीचे आ गए कि वे घर के मंदिर में शिव पूजा करेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में, शायद घर में रखे दीये से आग लग गई।

मित्रा ने आगे कहा, मैं 18वीं मंजिल पर रहता हूं। मेरी मां घर पर बीमार हैं। मुझे उनके साथ नीचे आने में थोड़ा समय लगा क्योंकि लिफ्ट बंद थी। उस समय, मैंने बिल्डिंग के बाकी लोगों को सीढ़ियों से नीचे भागते देखा।

एक्टर कपल यश और नुसरत का फ्लैट उस फ्लोर से ऊपर है जहां आग लगी थी। अपनी जान को खतरा महसूस करते हुए, वे तुरंत अपने दो बच्चों के साथ नीचे आ गए।

दो दिन पहले, साल्ट लेक सेक्टर फाइव में ग्लोबसाइन क्रिस्टल बिल्डिंग में आग लग गई थी। एक मल्टीनेशनल कंपनी की महिला कर्मचारी धुएं के कारण बीमार पड़ गई। उसे बचाया गया और अस्पताल भेजा गया।

शंकराचार्य विवाद पर अखिलेश यादव का सीएम योगी पर निशाना, व्यवहार पर उठाए सवाल

लखनऊ,15 फरवरी (एजेंसियां) । समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा सीएम योगी को लेकर दिए गए बयान से मैं सहमत हूं। राजधानी लखनऊ में पार्टी ऑफिस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कोई मुख्यमंत्री, जो अपने आप को योगी कह रहे हों, पूजनीय शंकराचार्य को लेकर ऐसा कह सकते हैं क्या? इतना व्यवहार खराब हो सकता है? अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि हम शंकराचार्य से 100 प्रतिशत सहमत हैं।रविवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले नसीमुद्दीन सिद्दीकी समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल हो गए। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सिद्दीकी को सपा की सदस्यता ग्रहण कराई। उनके साथ उनकी पत्नी और 7 अन्य नेताओं ने भी रविवार को समाजवादी पार्टी का दामन थामा।नसीमुद्दीन सिद्दीकी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। मायावती का साथ छोड़ने के बाद उन्होंने कांग्रेस ज्वाइन की थी। पिछले महीने उन्होंने कांग्रेस से भी इस्तीफा दे दिया था।सिद्दीकी ने अखिलेश यादव की मौजूदगी में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि मैं अलग-अलग दलों में रहते हुए भी हमेशा मुलायम सिंह यादव से प्रभावित रहा।

रामविलास को बेचारा कहने पर भड़के लोजपा (आर) के कार्यकर्ता, तेजस्वी यादव का पुतला फूंका

पटना,15 फरवरी (एजेंसियां) । राजद के एक नेता द्वारा लोजपा के संस्थापक और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान को 'बेचारा' कहे जाने को लेकर लोजपा (रामविलास) समर्थक गुस्से में हैं। पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं ने रविवार को पटना के कारगिल चौक पर जमकर प्रदर्शन किया और राजद नेता व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का पुतला भी जलाया। लोजपा (आर) के नेताओं का आरोप है कि बिहार विधानसभा में राजद के विधायक ने स्वर्गीय रामविलास पासवान का अपमान किया है। इसी के विरोध में आज हम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मौके पर मौजूद सांसद और प्रदेश संगठन प्रभारी अरुण भारती ने कहा कि बिहार विधानसभा में राजद के विधायक ने हमारे नेता स्वर्गीय रामविलास पासवान को लेकर जो बयान दिया है, वह कहीं से सही नहीं है। राजद के लोग लगातार दलितों और गरीबों का अपमान करते हैं।

उन्होंने कहा कि इसको लेकर जब तक सदन के अंदर तेजस्वी यादव माफी नहीं मांगेंगे, तब तक हम लोगों का विरोध जारी रहेगा।

इधर, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि ऐसे ही राजद के नेताओं के बयान के कारण पार्टी आज हाशिये पर आ गई है। हमारी पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता अपने नेता का अपमान नहीं सह सकता है। रामविलास पासवान ने समाज के हर वर्ग के लिए काम किया और उन्हें इस तरह के अपमानजनक शब्दों से संबोधित करना उचित नहीं है।

बता दें कि विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राजद के विधायक कुमार सर्वजीत ने रामविलास पासवान के लिए 'बेचारा' शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसे लेकर पार्टी के नेता आपत्ति जता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी शनिवार को इस बयान को लेकर राजद को निशाने पर लिया था और कहा था कि ऐसे बयानों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

शशिकला ने शुरू किया बैठकों का दौर, जयललिता की जयंती पर कर सकती हैं बड़ी घोषणा

चेन्नई,15 फरवरी (एजेंसियां) । तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 से पहले अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) की अंतरिम महासचिव और दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला ने राज्य भर में अपने सदस्यों के साथ गहन विचार-विमर्श शुरू किया है। शशिकला के करीबी सूत्रों का कहना है कि वह राजनीतिक माहौल और अपने गुट की संगठनात्मक ताकत का आकलन करने के लिए पूर्व विधायकों, जिला स्तरीय पदाधिकारियों और लंबे समय से समर्थकों के साथ बातचीत कर रही हैं।

परामर्श प्रक्रिया 18 फरवरी तक जारी रहने वाली है और उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में अंतिम निर्णय 24 फरवरी को जयललिता की जयंती से पहले आने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार यह तारीख एआईएडीएमके कार्यकर्ताओं के लिए भावनात्मक और प्रतीकात्मक महत्व रखती है।

हालांकि शशिकला के पास वर्तमान में एआईएडीएमके में कोई औपचारिक पद नहीं है, फिर भी वह इस बात पर जोर देती हैं कि वह इसकी सही महासचिव हैं। उनके समर्थकों का तर्क है कि अब समय आ गया है कि उनका समूह चुनावी राजनीति में फिर से सक्रिय हो जाए, न कि हाशिए पर रहे, जैसा कि 2021 के विधानसभा चुनावों में हुआ था।

उनके खेमे के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि इन मुलाकातों का उद्देश्य शशिकला को यह समझाना है कि उनके समूह को चुनावी मैदान में उतरना चाहिए और अपनी उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए।

हालांकि, भ्रष्टाचार के एक मामले में 2017 में दोषी ठहराए जाने के बाद से शशिकला की अयोग्यता जारी रहने के कारण वह स्वयं 2026 के चुनावों में चुनाव नहीं लड़ पाएंगी। उनकी अयोग्यता की अवधि अगले साल की शुरुआत में ही समाप्त होने वाली है।

उनके भतीजे टीटीवी दिनाकरन ने 2018 में अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कझगम (एएमएमके) की शुरुआत की थी और शुरुआत में उन्होंने शशिकला को महासचिव बनाया था, जब वह बेंगलुरु में अपनी सजा काट रही थीं। इसके बाद में उन्होंने यह पद संभाला और तब से स्वतंत्र राजनीतिक रुख अपनाए हुए हैं।

इस बीच, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने शशिकला या पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम को पार्टी में शामिल करने की संभावना से इनकार कर दिया है।

मृणाल ठाकुर ने रिलेशनशिप को लेकर तोड़ी चुप्पी

अक्षय कुमार के गेम शो में दी अपनी सिंगल होने की अपडेट

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगे। यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो यह सिखाती है कि हर वक्त परफेक्ट होना जरूरी नहीं है। फिल्म की टीम इन दिनों प्रमोशन के लिए कर रही है। अक्षय कुमार के गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के आने वाले एपिसोड में फिल्म की टीम नजर आएगी, जिसमें मृणाल ठाकुर, सिद्धांत चतुर्वेदी और डायरेक्टर रवि उदयावर नजर आएंगे। इस एपिसोड में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह फिलहाल किसी रिलेशनशिप में नहीं है। अक्षय कुमार इस एपिसोड में मृणाल की टांग खींचते हुए पूछते हैं, मृणाल, सोशल मीडिया पर आपके बारे में काफी चर्चा चल रही है। आपका अभी रिलेशनशिप स्टेट्स क्या है? यह सवाल सुनकर मृणाल ने बिना झिझक के जवाब दिया, मैं अभी सिंगल हूं और मिंगल होने के लिए तैयार हूं।

अक्षय ने इस पल को जाने नहीं दिया और दर्शकों में से एक आदमी को उठने के लिए कहा। उस आदमी ने तुरंत जवाब दिया कि वह शादीशुदा है। अक्षय ने उसे देखकर मजेदार जवाब देते हुए कहा, मैं मिंगल करने के लिए नहीं बुला रहा था।

बता दें कि कुछ समय से सोशल मीडिया पर मृणाल और साउथ एक्टर धनुष के रिश्ते और शादी के बारे में काफी अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने इस जवाब से अफवाहों पर विराम लगा दिया है। रवि उदयावर द्वारा निर्देशित, यह एक आधुनिक, यथार्थवादी प्रेम कहानी है। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में ईला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, विराज गेहलानी, संदीपा धर, दीपराज राणा, मोना अम्बेगांवकर, अचिंत कौर और नवीन कौशिक भी नजर आएंगे। फिल्म के कुछ गाने रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें लोगों की तरफ से काफी प्यार मिल रहा है। वहीं, सोशल मीडिया पर भी फिल्म को लेकर काफी क्रेज देखा जा रहा है। अब देखना होगा कि फिल्म को दर्शक कितना प्यार देते हैं।

संजय लीला भंसाली के भंसाली प्रोडक्शंस और जी स्टूडियोज के बैनर तले बनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने शहर में' 20 फरवरी को रिलीज होगी।

गरीबी से शोहरत तक: हालातों से लड़कर कामयाबी की मिसाल बनीं मधुबाला

हिंदी सिनेमा के इतिहास में मधुबाला पर्दे पर भले ही प्यार और नजाकत की पहचान बनीं, लेकिन उनकी निजी जिंदगी में संघर्ष, जिम्मेदारियां और कठिन हालात रहे। इन सबसे जूझते हुए उन्होंने एक लंबा सफर तय किया और कामयाबी हासिल की। मधुबाला का जन्म 14 फरवरी, 1933 को दिल्ली में एक पश्तून मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनका असली नाम मुमताज जहां बेगम देहलवी था। घर की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि बचपन में ही उन्हें परिवार की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। बहुत कम लोग जानते हैं कि मधुबाला ने अभिनय का रास्ता शौक से नहीं, बल्कि मजबूरी में चुना था। महज नौ साल की उम्र में उन्होंने फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया, ताकि घर का खर्च चल सके। उस दौर में किसी बच्ची के लिए कैमरे का सामना करना आसान नहीं था, लेकिन मधुबाला ने हालातों से लड़ने के लिए यह किया।

1942 में आई फिल्म 'बसंत' से उनके करियर को दिशा मिली। इसी फिल्म के बाद उनका नाम मुमताज से बदलकर मधुबाला रखा गया। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया और बहुत कम समय में अपनी पहचान बनाई। वह निर्माता की पहली पसंद बन गई और उनके पास फिल्मों के ऑफर आने लगे। 1950 का दशक मधुबाला के करियर का सुनहरा दौर माना जाता है। 'महल', 'तराना', 'हावड़ा ब्रिज', 'चलती का नाम गाड़ी',' और 'हाफ टिकट' जैसी फिल्मों ने उन्हें स्टार बना दिया। रोमांटिक हो या कॉमेडी, वह अपने हर एक किरदार को खूबसूरती के साथ निभाती थी। उस दौर में अभिनेत्रियों को सीमित भूमिकाएं मिलती थीं, लेकिन मधुबाला ने अपनी शर्तों पर काम किया और अपनी फीस भी खुद तय की।मधुबाला की कामयाबी की सबसे बड़ी पहचान फिल्म 'मुगल-ए-आजम' बनी। यह फिल्म हिंदी सिनेमा की ऐतिहासिक फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान वह गंभीर दिल की बीमारी से जूझ रही थीं, इसके बावजूद उन्होंने शूट पूरे किए। कई बार सेट पर उनकी तबीयत बिगड़ जाती थी, लेकिन उन्होंने कभी अपने काम को बीच में नहीं छोड़ा।कामयाबी के शिखर पर पहुंचने के बावजूद मधुबाला की जिंदगी आसान नहीं थी। बीमारी ने धीरे-धीरे उनके करियर को सीमित कर दिया, लेकिन उन्होंने कभी अपनी कमजोरी को आड़े नहीं आने दिया। 23 फरवरी 1969 को महज 36 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। आज भी मधुबाला को हिंदी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में गिना जाता है, जिन्होंने हालातों से लड़कर अपनी पहचान बनाई।

हर दिन को जीना चाहिए: हिना खान

कैंसर सर्वाइवर टीवी एक्ट्रेस हिना खान हाल ही में सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल द्वारा आयोजित ऑन्कोलॉजी लीडरशिप टाउनहॉल 'इलुमिनेट 3.0 में पहुंची। अभिनेत्री ने कैंसर के बारे में लोगों को जागरूक किया और बताया कि कैंसर होने का मतलब सीधा मौत नहीं है; अगर समय पर स्क्रीनिंग और जांच हो जाए तो इस बीमारी से भी लड़ा जा सकता है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि पूरी जर्नी के दौरान और आज भी उनके पति रॉकी और उनके पूरे परिवार ने कैसे उनका साथ दिया है। इवेंट में पहुंची हिना खान ने मंच से कहा, मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम में आने का अवसर मिला है। डॉक्टरों के सहयोग से ही मैं आज यहां खड़ी हूं, और मेरे परिवार के प्यार और मेरे पति रॉकी की हिम्मत की वजह से ही मैं आज ठीक हूं। शादी के बाद भी हमारे रिश्ते में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं आया, वे आज भी पहले की तरह ही देखभाल करते हैं।

अपनी कैंसर जर्नी पर बात करते हुए हिना ने कहा, मैं काफी समय से इस जर्नी से गुजर रही हूं और आज भी रिकवर करने की कोशिश कर रही हूं। लोग मुझसे सवाल करते हैं कि आपने क्या किया, लेकिन ये जरूरी नहीं कि जो मैंने किया, वो हर किसी पर कारगर साबित हो क्योंकि सबकी बॉडी अलग होती है। मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि लोगों को आज में जीना चाहिए। किसी भी हालत में खुश रहना चाहिए क्योंकि नहीं पता कब क्या हो जाए। जो लोग हेल्दी हैं, वो भी अचानक से बड़ी बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं, तो हर पल को खुलकर जीना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, मैं वो हर चीज कर रही हूं जो मुझे करनी है। मैंने डॉक्टर से कहा कि मुझे आइसलैंड जाना है और बर्फ के पानी में बाथ लेना है और दुनिया की अलग-अलग जगहों पर ट्रैवल करना है। आज मेरा जो मन करता है, वो मैं खाती हूं; जहां जाना है, वहां जाती हूं। मैंने कभी खुद को मरीज की तरह फील नहीं किया, और न ही मेरे डॉक्टर ने करवाया।

मैं तो हमेशा से ही बहुत मूडी रही हूं, हाहा... : श्रुति हासन

अभिनेत्री श्रुति हासन अपने शानदार अभिनय से न सिर्फ साउथ सिनेमा, बल्कि बॉलीवुड में भी राज करती हैं। उन्होंने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और नॉस्टेल्जिक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उनके बचपन से लेकर अब तक की तस्वीरें शामिल हैं। वहीं, श्रुति ने वीडियो में लिखा, किसी लड़की के बचपन की तस्वीरों से उसके स्वभाव और व्यक्तित्व की झलक साफ दिखाई देती है। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, मैं तो हमेशा से ही बहुत मूडी रही हूं, हाहा। श्रुति का यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। कई यूजर्स उनके कमेंट सेक्शन पर शानदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। श्रुति सिर्फ अभिनेत्री होने के साथ-साथ गायिका और संगीतकार भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करवाई। इस बात से बहुत कम लोग वाकिफ हैं, लेकिन श्रुति ने अपने करियर की शुरुआत अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि गायिका और संगीतकार के रूप में की थी। उन्होंने महज छह साल की उम्र में ही अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाया था।

अभिनेत्री जल्द ही फिल्म निर्देशक पवन सादिनेनी की फिल्म 'आकासमलो ओका तारा' में नजर आएंगी। फिल्म में अभिनेत्री के साथ दुलकर सलमान और सत्विका वीरवल्ली अहम भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म को गीता आर्ट्स और स्वप्ना सिनेमा ने प्रस्तुत किया है। इसके प्रोड्यूसर संदीप गुन्नम और रम्या गुन्नम हैं। यह एक एडवेंचर-ड्रामा फिल्म है। श्रुति के जन्मदिन पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया था।

फिल्म को पैन-इंडिया में रिलीज होने की उम्मीदें जताई जा रही हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई साफ तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। इसी के साथ ही श्रुति ने एसएस राजामौली की मेगा बजट फिल्म 'वाराणसी' के लिए म्यूजिक कंपोजर एमएम कीरवानी के साथ मिलकर गाने को आवाज दी है।

आध्यात्मिक यात्रा पर निकले कीकू शारदा

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में लंबे समय से काम कर रहे कमीडियन कीकू शारदा दर्शकों को हंसाने का काम करते आए हैं। मंच पर अपनी हाजिरजवाबी, चुलबुले अंदाज और हल्के-फुल्के मजाक से दर्शकों को ठहाके लगाने पर मजबूर करने वाले कीकू, निजी जीवन में बिल्कुल अलग व्यक्तित्व रखते हैं। जहां स्क्रीन पर उनका रूप चंचल और मस्ती भरा दिखाई देता है, वहीं वास्तविक जीवन में वे अध्यात्म की ओर गहरी आस्था रखते हैं। उनका कहना है कि मंदिरों में उन्हें जिस प्रकार की मानसिक शांति और आत्मिक सुकून का अनुभव होता है, वैसा अहसास उन्हें कहीं और नहीं मिलता। अब महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर उन्होंने अयोध्या भ्रमण की मंत्रमुग्ध कर देने वाली यात्रा शेयर की है। कीकू शारदा को अयोध्या के धार्मिक स्थलों का भ्रमण करते हुए देखा गया, जहां राम मंदिर और हनुमानगढ़ी मंदिर की ऊर्जा ने उन्हें सुकून और शांति दोनों दी। अपने इंस्टाग्राम पर कीकू ने यात्रा से जुड़ी फोटो और अनुभव दोनों शेयर किए हैं और अपनी धार्मिक यात्रा के दौरान महसूस हुई आंतरिक शांति को शब्दों में पिरोने की कोशिश की है।

अपनी पत्नी के साथ फोटो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, अयोध्या के राम मंदिर की हमारी यात्रा आस्था, भावनाओं और गहरे आध्यात्मिक जुड़ाव का अनुभव थी। राम मंदिर की भव्यता ने हमें मंत्रमुग्ध कर दिया। इसकी जटिल नक्काशी और दिव्य आभा सदियों की भक्ति और आस्था को प्रतिबिंबित कर रही थी। राम लल्ला के सामने खड़े होकर हमारे भीतर एक गहरी शांति का अनुभव हुआ, कृतज्ञता, आशा और समर्पण की मौन प्रार्थना।

उन्होंने आगे लिखा, वहां से हम हनुमानगढ़ी की पवित्र सीढ़ियों पर चढ़े। ऊर्जा, शक्ति और सुरक्षा का भरपूर अनुभव हुआ। भगवान हनुमान का मंदिर शक्तिशाली होते हुए भी सुकून देने वाला था, मानो हमें याद दिला रहा हो कि आस्था कोमल और साहसी दोनों होती है। ऊपर से अयोध्या का मनोरम दृश्य उस क्षण की शांति को और बढ़ा रहा था।

कीकू शारदा आज भी कपिल शर्मा शो का हिस्सा हैं और सुनील ग्रोवर व कृष्णा अभिषेक के साथ अलग-अलग किरदार में कॉमेडी करते दिखते हैं। अपकमिंग एपिसोड में कीकू अम्मा जी बने हैं और सुनील ग्रोवर उनकी बहू। 'ओ रोमियो' का प्रमोशन करने आए शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी कीकू और सुनील दोनों की कॉमेडी से लोटपोट होने वाले हैं।

37 साल बाद कुंभ राशि में लग रहा है सूर्यग्रहण

कल साल का पहला सूर्य ग्रहण

चैत्र अमावस्या पर लगेगा साल का पहला सूर्य ग्रहण, भारत में नहीं दिखेगा 17 फरवरी का सूर्य ग्रहण

साल 2026 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। वर्ष 2026 में कुल दो चंद्र ग्रहण लगने वाले हैं। साल 2026 का पहला सूर्य ग्रहण फरवरी में तो चन्द्र ग्रहण मार्च में लगेगा । दूसरा सूर्य व चन्द्र ग्रहण अगस्त में लगेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि साल 2026 का पहला सूर्यग्रहण 17 फरवरी को लगने वाला है। यह सूर्यग्रहण कुंभ राशि में धनिष्ठा नक्षत्र में लगेगा। यानी सूर्य इस समय कुंभ राशि में गोचर करेंगे सूर्य के साथ कुंभ राशि में राहु भी मौजूद रहेंगे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 37 साल बाद कुंभ राशि में फिर से ऐसा सूर्यग्रहण लग रहा है जब ग्रहण के दौरान सूर्य के साथ राहु, बुध, शुक्र और चंद्रमा भी मौजूद रहेंगे। 7 मार्च 1989 में जब सूर्यग्रहण लगा था। उस समय भी ग्रहों की ऐसी ही स्थिति थी। अब साल 2026 में जब सूर्यग्रहण लगेगा उस समय भी यह सभी ग्रह कुंभ राशि में गोचर करेंगे। सूर्य और राहु की युति कुंभ राशि में बनने से ग्रहण योग भी प्रभावी होगा।

साल का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी को लगेगा। यह एक कंकण सूर्य ग्रहण होगा। हालांकि यह सूर्य ग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देगा लेकिन जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका, जाम्बिया, मोजम्बीक, मॉरीशस, अंटार्कटिका सहित तन्जानिया और दक्षिण अमेरिकी देशों में दिखाई देगा। साल का दूसरा सूर्य ग्रहण 12 अगस्त, 2026 को लगेगा। श्रावण मास की हरियाली अमावस्या को यह ग्रहण लगेगा। भारत को छोड़कर उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, यूरोप आर्कटिक, ग्रीनलैंड, आइसलैंड, स्पेन में दिखाई देगा। साल का दूसरा सूर्य ग्रहण 12 अगस्त, 2026 को लगेगा। श्रावण मास की हरियाली अमावस्या को यह ग्रहण लगेगा। भारत को छोड़कर उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, यूरोप आर्कटिक, ग्रीनलैंड, आइसलैंड, स्पेन में दिखाई देगा।

17 फरवरी 2026 को पहला सूर्य ग्रहण

पहला सूर्य ग्रहण साल 2026 का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी को लगने जा रहा है। यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। 17 फरवरी को लगने वाले सूर्य ग्रहण को अटार्कटिका, अर्जेंटीना, बोत्सवाना, ब्रिटिश इंडियन ओशन क्षेत्र, चिली, कोमोरोस, इस्वातिनी (स्वाजीलैंड), फ्रांसीसी दक्षिणी क्षेत्र, लेस-ोथो, मेडागास्कर, मलावी, मॉरीशस, मायोटे, मोजाम्बिक, नामीबिया, रियूनियन आईलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिणी जॉर्जिया/सैंडविच आईलैंड्स, तंजानिया, जाम्बिया और जिम्बॉब्वे में देखा जा सकता

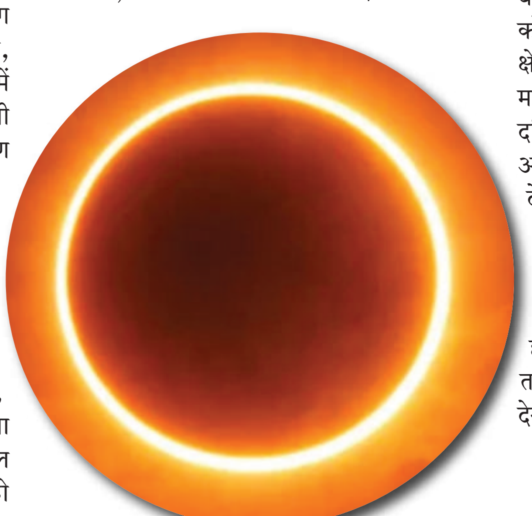

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

है। हालांकि, यह सूर्य ग्रहण भारत में नजर नहीं आएगा।

भारत में दिखाई नहीं देगा सूर्य ग्रहण

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि यह सूर्य ग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। चूंकि यह खगोलीय घटना भारतीय समयानुसार घटित नहीं होगी, इसलिए भारत में इस ग्रहण का कोई धार्मिक या ज्योतिषीय प्रभाव नहीं माना जाएगा। यही कारण है कि भारत में इस ग्रहण के लिए सूतक काल मान्य नहीं होगा।

कहां नजर आएगा साल का पहला सूर्यग्रहण

साल का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी को फाल्गुन अमावस्या के दिन लगेगा। ये वलयाकार सूर्य ग्रहण होगा जो मुख्य रूप से अटार्कटिका, अर्जेंटीना, बोत्सवाना, ब्रिटिश इंडियन ओशन क्षेत्र, चिली, कोमोरोस, इस्वातिनी (स्वाजीलैंड), फ्रांसीसी दक्षिणी क्षेत्र, लेसोथो, मेडागास्कर, मलावी, मॉरीशस, मायोटे, मोजाम्बिक, नामीबिया, रियूनियन आईलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिणी जॉर्जिया/सैंडविच आईलैंड्स, तंजानिया, जाम्बिया और जिम्बॉब्वे में देखा जा सकता है।

ग्रहण का समय और अवधि

इस सूर्य ग्रहण का भारतीय समयानुसार 3:27 बजे पर आरंभ होगा और 6:06 बजे पर समाप्त होगा। यह ग्रहण कुल 4 घंटे 31 मिनट की अवधि तक रहेगा। हालांकि, यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा और ना ही इसका सूतक काल मान्य होगा।

प्राकृतिक आपदाओं की आशंका

सूर्य ग्रहण की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। इसमें भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान दुर्घटनाएं का संकेत मिल रहे हैं। प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम ही होने की संभावना है। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

सूर्य ग्रहण के दिन करें पांच चीजों का दान कुंडली में सुधरेगी ग्रहों के राजा की स्थिति

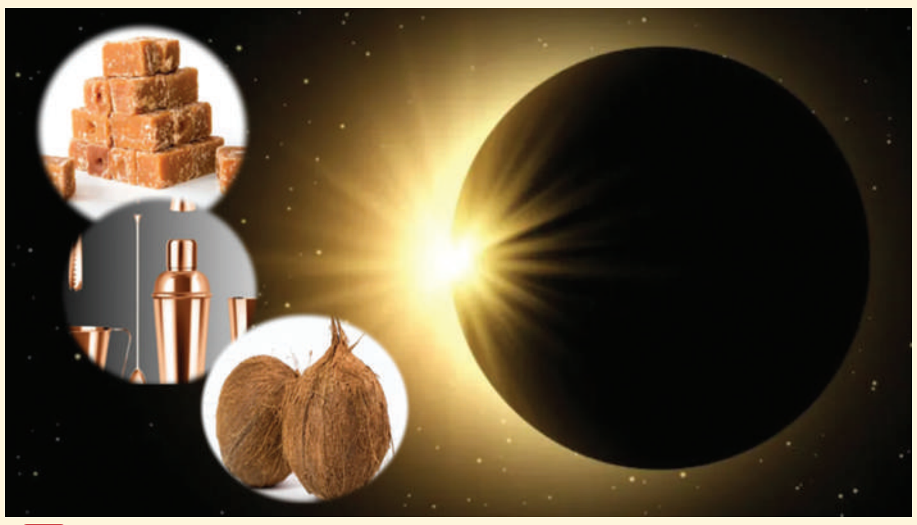

सूर्य ग्रहण 17 फरवरी 2026 को है। इस दिन सूर्य ग्रह के मंत्रों का जप और सूर्य से संबंधित चीजों का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन किन चीजों का दान करने से कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत हो सकती है, आइए जानते हैं इन चीजों के बारे में।सूर्य ग्रहण के दिन आपको गुड़ का दान अवश्य करना चाहिए। गुड़ का दान करने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और साथ करियर के क्षेत्र में भी आप लाभ पाते हैं।

सूर्य ग्रहण के दिन तांबे से बनी चीजों का दान करना भी बेहद शुभ माना गया है। तांबे का दान सूर्य ग्रहण के दिन पर करने से कुंडली में सूर्य का बुरा प्रभाव दूर होने लगता है और शुभ फलों की प्राप्ति आपको होती है।

सूर्य ग्रहण के दिन अन्न का दान करना भी बेहद शुभ माना जाता है। खासकर गेहूं का दान इस दिन करना चाहिए क्योंकि गेहूं का संबंध सूर्य देव से माना जाता है। गेहूं के साथ ही आप चावल, दाल आदि का दान भी इस दिन कर सकते हैं।

सूर्य ग्रह के दिन पर नारियल और काले तिल का दान करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन काले तिल और नारियल का दान करने से सूर्य देव के साथ ही पितरों का आशीर्वाद आपको प्राप्त होता है।

37 साल बाद लगने जा रहे सूर्यग्रहण पर ग्रहों का अद्भूत संयोग, जानें इस सूर्यग्रहण की पांच प्रमुख बातें

इस साल का पहला सूर्यग्रहण लगने जा रहा है। 17 फरवरी को लगने वाला सूर्यग्रहण कई मायनों में बहुत ही खास होगा। दरअसल, इस बार सूर्यग्रहण जब सूर्यग्रहण लगेगा तो सूर्य के साथ चार और ग्रह भी कुंभ राशि में गोचर करेंगे।

ग्रहों का ऐसा योग संयोग करीब 37 साल बाद बना है। ग्रहों के इस योग संयोग का जो बहुत ही दुर्लभ और कई साल बाद बना है।

सूर्यग्रहण से जुड़ी 5 बड़ी अपडेट

* 17 फरवरी को लगने वाला सूर्यग्रहण कुंभ राशि में धनिष्ठा नक्षत्र में लगेगा। यानी सूर्य इस समय कुंभ राशि में रहेंगे और धनिष्ठा नक्षत्र के चौथे चरण में प्रवेश कर जाएंगे।
* सूर्यग्रहण के दौरान सूर्य के साथ कुंभ राशि में राहु, बुध, शुक्र और चंद्रमा मौजूद रहेंगे। इससे पहले ऐसा योग 7 मार्च वर्ष 1989 में बना था। यानी उस समय कुंभ राशि में एक साथ ये सारे ग्रह मौजूद थे।
* वहीं, राहु और सूर्य एक साथ कुंभ राशि में बैठकर ग्रहण योग भी बनाएंगे। जिसे ज्योतिषीय दृष्टि से बिल्कुल भी शुभ नहीं माना गया है।
* सूर्यग्रहण 17 फरवरी को भारतीय समय अनुसार, दोपहर में 3 बजकर 26 मिनट पर लग जाएगा और शाम में 7 बजकर 57 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। बता दें कि सूर्यग्रहण से ठीक 12 घंटे पहले यानी मध्य रात्रि 3 बजकर 26 मिनट पर सूतक काल आरंभ हो जाएगा।
* सूर्यग्रहण की कुल अवधि 4 घंटे 32 मिनट की रहेगी। बता दें कि यह सूर्यग्रहण कंकण सूर्यग्रहण होगा। भारत के अलावा यह ग्रहण साउथ अफ्रीका, मॉरीशस, बोत्सवाना, मोजाम्बिक,जिम्बाब्वे, जाम्बिया, तंजानिया, नामिबीया, और अमेरिका के दक्षिण देशों में दिखाई देगा।

साल का दूसरा सूर्यग्रहण कब लगेगा

बता दें कि साल 2026 का दूसरा सूर्यग्रहण अगस्त महीने में लगेगा। 12 अगस्त 2026 को इस साल का दूसरा सूर्यग्रहण लगेगा जो पूर्ण सूर्यग्रहण होगा हालांकि, यह सूर्यग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देगा। वहीं, साल 2026 का पहला चंद्रग्रहण 3 मार्च को लगने जा रहा है।

काशी विश्वनाथ मंदिर के 11 रहस्य: अनसुनी मान्यताएं और दिव्यता से जुड़े अद्भुत तथ्य

वाराणसी में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर केवल एक प्रसिद्ध तीर्थ नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की जीवित चेतना माना जाता है। यह भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख स्थान रखता है और सदियों से मोक्ष की नगरी के केंद्र के रूप में जाना जाता है। यहां आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु केवल दर्शन नहीं करता, बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभव से होकर गुजरता है। काशी विश्वनाथ से जुड़े कई ऐसे रहस्य और मान्यताएं हैं, जो इसे सामान्य मंदिरों से अलग और अद्वितीय बनाती हैं। शिव और शक्ति का विलक्षण एकत्व

काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग का स्वरूप शिव और शक्ति के अद्भुत समन्वय का प्रतीक माना जाता है। यहां शिवलिंग के एक ओर शक्ति स्वरूपा मां भगवती का वास माना जाता है, जबकि दूसरी ओर भगवान शिव स्वयं प्रतिष्ठित हैं। यह एकता दर्शाती है कि सृजन और संहार दोनों शक्तियां यहां संतुलन में हैं। इसी कारण काशी को मुक्ति क्षेत्र कहा गया है, जहां आत्मा को अंतिम शांति प्राप्त होती है।

मां भगवती की दाहिनी स्थिति और मोक्ष का मार्ग

मान्यता है कि मां भगवती का दाहिनी ओर स्थित होना काशी को विशेष बनाता है। कहा जाता है कि केवल यहीं मृत्यु मोक्ष का द्वार बन जाती है। विश्वास है कि अंतिम समय में स्वयं भगवान शिव भक्त के कान में तारक मंत्र का उपदेश देते हैं, जिससे आत्मा जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाती है। यही कारण है कि काशी को मृत्यु का नहीं, मुक्ति का नगर कहा जाता है।

शृंगार काल में पश्चिमाभिमुख स्वरूप

काशी विश्वनाथ मंदिर में शृंगार के समय देव स्वरूपों की दिशा विशेष मानी जाती है। इस काल में पश्चिमाभिमुख स्वरूप के दर्शन होते हैं, जब शिव और शक्ति की संयुक्त उपस्थिति का अनुभव भक्तों को होता है। एक ही गर्भगृह में शिव और शक्ति की उपासना का यह स्वरूप काशी को तांत्रिक और भक्तिमार्ग-दोनों दृष्टियों से सिद्ध स्थल बनाता है।

गर्भगृह के ऊपर स्थित श्री यंत्र

मंदिर के गर्भगृह के ऊपर श्री यंत्र की स्थापना काशी की तांत्रिक महत्ता को दर्शाती है। श्री यंत्र को शक्ति साधना और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। शिवलिंग के ऊपर इसका होना यह संकेत देता है कि काशी में भक्ति के साथ-साथ गूढ़ साधना का मार्ग भी खुला है। साधकों के लिए यह स्थान विशेष फलदायी माना जाता है।

चार द्वार और चेतना के चार आयाम

बाबा विश्वनाथ के धाम में चार प्रमुख द्वारों का उल्लेख मिलता है, जिन्हें चेतना के विभिन्न स्तरों से जोड़ा जाता है। ये द्वार केवल प्रवेश के साधन नहीं, बल्कि जीवन के चार पुरुषार्थों की ओर संकेत करते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां से गुजरते हुए भक्त आध्यात्मिक रूप से आगे बढ़ता है।

ईशान कोण में स्थित ज्योतिर्लिंग

काशी विश्वनाथ का ज्योतिर्लिंग गर्भगृह में ईशान कोण की ओर स्थित माना जाता है। वास्तु और दिशा शास्त्र के अनुसार ईशान कोण ज्ञान, साधना और ब्रह्मज्ञान का प्रतीक है। इस दिशा में शिव का वास यह दर्शाता है कि काशी विद्या और तंत्र दोनों का केंद्र है, जहां से दिव्य ऊर्जा प्रवाहित होती है।

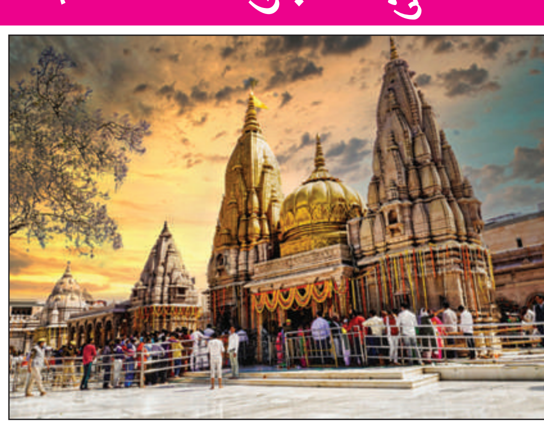

दक्षिणमुखी प्रवेश और अघोर दर्शन

मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार दक्षिण दिशा की ओर माना जाता है, जबकि बाबा का मुख उत्तर यानी अघोर दिशा की ओर बताया जाता है। जैसे ही श्रद्धालु प्रवेश करता है, उसे शिव के अघोर स्वरूप के दर्शन होते हैं। यह स्वरूप भय का नहीं, बल्कि बंधनों से मुक्ति और आंतरिक शुद्धि का प्रतीक माना जाता है।

त्रिशूल आकृति में बसी काशी

लोक मान्यताओं के अनुसार काशी नगरी त्रिशूल की आकृति पर स्थित है। ज्ञानवापी इसका मध्य भाग माना जाता है, जबकि आसपास के क्षेत्र इसकी धाराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। कहा जाता है कि इसी कारण काशी प्रलय से भी सुरक्षित रहती है, क्योंकि भगवान शिव स्वयं इसे अपने त्रिशूल पर धारण किए हुए हैं।

गुरु और राजा दोनों स्वरूप

काशी में बाबा विश्वनाथ को गुरु और राजा-दोनों रूपों में पूजने की परंपरा है। दिन में वे गुरु स्वरूप में मार्गदर्शन करते हैं, जबकि रात्रि शृंगार आरती के समय वे राजसी वेश में दर्शन देते हैं। इसी कारण उन्हें राजराजेश्वर भी कहा जाता है।

अन्नपूर्णा और तारक मंत्र की प्रतिज्ञा

मान्यता है कि काशी में मां भगवती अन्नपूर्णा स्वरूप में प्रत्येक जीव के पोषण की जिम्मेदारी निभाती हैं, वहीं बाबा विश्वनाथ मृत्यु के बाद आत्मा को तारक मंत्र देकर मोक्ष प्रदान करते हैं। यह प्रतिज्ञाबद्ध शिव-शक्ति का दुर्लभ संयोग काशी को पूर्णता का प्रतीक बनाता है।

अघोर दर्शन और समभाव का संदेश

अघोर दर्शन का तात्पर्य है समस्त भेदभाव से परे शिव का स्वरूप। मान्यता है कि विशेष अवसरों पर शिव अपने औघड़ रूप में नगर में विचरण करते हैं, जहां हर प्रकार की चेतना एक साथ उपस्थित मानी जाती है। यह संदेश देता है कि शिव प्रत्येक प्राणी में समान रूप से व्याप्त हैं।काशी विश्वनाथ मंदिर केवल पूजा या दर्शन का स्थान नहीं, बल्कि आत्मा की यात्रा का अंतिम पड़ाव माना जाता है। इन ग्यारह रहस्यों से स्पष्ट होता है कि काशी केवल एक नगर नहीं, बल्कि सनातन चेतना का जीवंत ऊर्जा क्षेत्र है, जहां जीवन, मृत्यु और मोक्ष-तीनों का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

राम नाम की शक्ति और त्रिवेणी का आशीर्वाद बदल देता है भाग्य असंभव भी हो जाता है संभव

इतिहास और लोक परंपरा गवाह है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी राम नाम ने असंभव को संभव किया है। वनवास, युद्ध, त्याग और परीक्षा, राम कथा स्वयं इस बात का प्रमाण है कि नाम की शक्ति व्यक्ति को इतना समर्थ बना देती है कि परिस्थिति स्वयं झुक जाती है। आज के तनावग्रस्त, अनिश्चित और भयग्रस्त समाज में राम नाम एक ऐसा आध्यात्मिक आश्रय है, जो व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाता है। राम नाम महामंत्र के उच्चारण और लेखन से चेतना का स्पंदन होता है, जो भाग्य बदलने की असीम शक्ति रखता है। जब यह दिव्य नाम गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी शक्ति से जुड़ता है, तब व्यक्ति के कर्म, विचार और भाग्य, तीनों में परिवर्तन दिखाई देने लगता है।

राम नाम महाशक्ति मंत्र है, तुलसीदास जी ने स्पष्ट कहा, राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार, अर्थात राम नाम वह दीपक है जो जीवन के अंधकार को स्वयं प्रकाशित कर देता है। ज्योतिष शास्त्र का भी उद्देश्य एक दीपक जैसा है जो जीवन के कठिन समय यानि अंधकार में व्यक्ति को सफलता का मार्गदर्शन दिखाता है। अगर देखा जाए तो राम नाम का लेखन ग्रहों के अशुभ प्रभावों को शांत करता है, क्योंकि राम नाम मन को स्थिर कर देता है और स्थिर मन पर कोई ग्रह भारी नहीं पड़ता।

राम नाम बैंक में राम नाम का खाता

राम नाम की शक्ति त्रिवेणी का आशीर्वाद बनकर जीवन में उतरती है, और वहीं से दुर्भाग्य की धारा मुड़कर सौभाग्य की ओर बहने लगती है। इसलिए प्रतिवर्ष माघ मेले में लाखों-करोड़ों श्रद्धालु संगम तट पर स्थित प्रयागराज के राम नाम बैंक में राम नाम का खाता खुलवाकर एक माह निरन्तर गंगा स्नान के पश्चात् राम नाम लिखते हैं। जो व्यक्ति नियमित रूप से राम नाम का जप करता है, उसके जीवन में सही समय पर सही व्यक्ति, सही अवसर और सही निर्णय अपने आप आने लगते हैं। जब कर्म सुधरते हैं, तो भाग्य को सुधरने के लिए अलग से प्रयत्न नहीं करना पड़ता।

संपादकीय

बांग्ला जनादेश के मायने

बांग्लादेश ने तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी को प्रचंड जनादेश दिया है। बेशक यह अभूतपूर्व, अप्रत्याशित और ऐतिहासिक जनादेश है। संसद की कुल 300 सीटों में से 212 सीटों पर बीएनपी के उम्मीदवार जीते हैं। जिस शख्स ने निर्वासन के 17 लंबे साल लंदन में काटे हों, अचानक वक्त और परिस्थितियां बदल गईं और आज उसका प्रधानमंत्री बनना महज औपचारिकता भर है। बांग्ला लोगों ने एक लोकतांत्रिक, समावेशी, प्रगतिशील, महिला सशक्तिकरण वाले और विकासशील देश के लिए जनादेश दिया है, लिहाजा तारिक रहमान की यही सबसे गंभीर चुनौती है। जिन इस्लामवादी ताकतों ने ऐलान किया था कि अब बांग्लादेश एक मुस्लिम देश होगा और अल्लाह के कानून, यानी शरिया, से देश चलेगा। 'कठपुतली' यूनुस इन्हीं कट्टरपंथियों की हुकूमत का हिमायती था। जनता ने उन जेहादी किस्म की कट्टरपंथी और भारत-हिंदू-विरोधी ताकतों को लगभग खारिज कर दिया है। जमात-ए-इस्लामी के 11 दलों के गठबंधन को 74 सीटें ही नसीब हुई हैं। पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई, जनरल मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज का 'इस्लामिक एजेंडा' और 'मुस्लिम ब्रदरहुड' धरे-धराए रह गए हैं, क्योंकि बीएनपी भी पाकिस्तान को फासले पर रखने की पक्षधर रही है। यह जनादेश छात्रों, युवाओं की बगावत की आड़ में कट्टरपंथी ताकतों के आंदोलन के 18 माह बाद सामने आया है। तब 'जुलाई चार्टर' तय किया गया था और शेख हसीना को देश छोड़ कर भागने को विवश किया गया था, इसके पक्ष में भी 70 फीसदी से अधिक लोगों ने मतदान किया है। तख्तापलट प्रधानमंत्री शेख हसीना के बाद एक लोकतांत्रिक सरकार 'नया बांग्लादेश' बनाएगी और भारत उस देश के साथ खड़ा रहना चाहता है, प्रधानमंत्री मोदी ने तारिक रहमान को बधाई देते हुए यह अपेक्षा की है और भरोसा दिया है। यह गौरतलब है कि करीब 20 साल बाद बीएनपी बांग्लादेश की सत्ता में लौटी है। यकीनन यह चुनाव आसान नहीं था। मतदान के दौरान 14 इलाकों में जमकर हिंसा हुई, लाठियां चलीं, बूथ पर बम धमाके किए गए, बूथ छापे गए, आधी रात में फर्जी मतदान के वीडियो ने सब कुछ बेनकाब कर दिया। इसके अलावा, अल्पसंख्यक हिंदुओं पर 4000 से अधिक हमले किए गए, उनके मंदिर, देवी-देवताओं की प्रतिमाएं खंडित की गईं, फिर भी एक करोड़ से अधिक हिंदुओं ने, लोकतंत्र और बंगाली देश की खातिर, मतदान किए। उन्होंने 'अवामी लीग' पर पाबंदी के बावजूद बीएनपी को वोट दिए और 'मुस्लिम देश' बनाने की साजिशों की बाजी ही पलट दी। भारी संख्या में महिलाओं ने भी बीएनपी को जनादेश दिया, जो पार्टी सत्ता में रही है और कमोबेश उनकी सोच संकीर्ण और जेहादी नहीं है। बहरहाल खूंरेजी, कत्लेआम, लूटमार, ढहती अर्थव्यवस्था का वह दौर खत्म हो रहा है। अब तारिक रहमान की बीएनपी को बंपर बहुमत हासिल हुआ है, लिहाजा वह ताकतवर नेता के तौर पर उभरे हैं। वह दो बार प्रधानमंत्री रहीं खालिदा जिया के बेटे हैं। उनके हालिया इंतकाल से भी बीएनपी के पक्ष में सहानुभूति वोट आए होंगे! तारिक के पिता जियाउर्रहमान देश के राष्ट्रपति थे। चुनौती और प्राथमिकता अब यह होनी चाहिए कि भारत के साथ रिश्ते किस तरह मधुर, सकारात्मक और सहयोगपूर्ण हो सकते हैं, क्योंकि दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा और अहम कारोबारी साझेदार है। हमारा चिंतित सरोकार है कि हिंदुओं और उनके मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। कट्टरपंथी ताकतों पर नियंत्रण रखा जाए, सडक़-रेल-जलमार्ग की परियोजनाएं, जिनमें भारत का मोटा निवेश है, फिलहाल दांव पर हैं। भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट' नीति में बांग्लादेश एक अहम देश है। भारत उम्मीद कर रहा है कि कनेक्टिविटी योजनाओं में आपसी सहयोग बढ़ेगा। सवाल यह भी है कि ढाका में पाकिस्तान का दखल अब भी कितना रहता है? चीन बांग्लादेश में कितना दिलचस्प है? सबसे अहम यह होगा कि अब तारिक रहमान कितना भारत-समर्थक होते हैं, क्योंकि उनके नेतृत्व में ही बांग्लादेश में 'इंडिया आउट अभियान' चलाया गया था।

बांग्ला लोगों ने एक लोकतांत्रिक, समावेशी, प्रगतिशील, महिला सशक्तिकरण वाले और विकासशील देश के लिए जनादेश दिया है, लिहाजा तारिक रहमान की यही सबसे गंभीर चुनौती है। जिन इस्लामवादी ताकतों ने ऐलान किया था कि अब बांग्लादेश एक मुस्लिम देश होगा और अल्लाह के कानून, यानी शरिया, से देश चलेगा। 'कठपुतली' यूनुस इन्हीं कट्टरपंथियों की हुकूमत का हिमायती था। जनता ने उन जेहादी किस्म की कट्टरपंथी और भारत-हिंदू-विरोधी ताकतों को लगभग खारिज कर दिया है। जमात-ए-इस्लामी के 11 दलों के गठबंधन को 74 सीटें ही नसीब हुई हैं। पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई, जनरल मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज का 'इस्लामिक एजेंडा' और 'मुस्लिम ब्रदरहुड' धरे-धराए रह गए हैं, क्योंकि बीएनपी भी पाकिस्तान को फासले पर रखने की पक्षधर रही है। यह जनादेश छात्रों, युवाओं की बगावत की आड़ में कट्टरपंथी ताकतों के आंदोलन के 18 माह बाद सामने आया है। तब 'जुलाई चार्टर' तय किया गया था और शेख हसीना को देश छोड़ कर भागने को विवश किया गया था, इसके पक्ष में भी 70 फीसदी से अधिक लोगों ने मतदान किया है। तख्तापलट प्रधानमंत्री शेख हसीना के बाद एक लोकतांत्रिक सरकार 'नया बांग्लादेश' बनाएगी और भारत उस देश के साथ खड़ा रहना चाहता है, प्रधानमंत्री मोदी ने तारिक रहमान को बधाई देते हुए यह अपेक्षा की है और भरोसा दिया है।

कुछ अलग

सच्ची अनुभूति

एक बार गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर हिमालय की यात्रा पर थे। केदारनाथ के सौंदर्य से अभिभूत होकर वह बार-बार कुछ गाने लगते थे। चलते-चलते जब वे थक गए, तो एक ढाबे जैसी जगह पर रुके। उनके साथ सहायकों की टोली थी। गुरुदेव को खिचड़ी बहुत पसंद है, यह सभी जानते थे। लेकिन इस स्थान पर केवल भुने हुए आलू और हरे नमक ही खाने के लिए मिले। गुरुदेव को यह एक हरे पत्ते में परोसा गया। गुरुदेव इतने चाव से इसका रसास्वादन करने लगे, मानो बचपन से ही उन्हें यही आहार पसंद हो। सहयोगी टोली खामोश रही, क्योंकि इस समय कुछ कहना या टोकना किसी ने भी उचित नहीं समझा। कुछ समय बाद, जब फिर से चलने का क्रम आरंभ हुआ, तो बातों ही बातों में एक ने पूछ लिया, 'गुरुदेव, आपको वह भुना आलू इतना स्वादिष्ट लगा, क्या सच है?' गुरुदेव ने संतोषपूर्ण भाव से जवाब दिया, 'स्वाद और जायके का कोई अलग या विशिष्ट रूप नहीं होता। जब किसी खाद्य पदार्थ की रसानुभूति उस माहौल में सबसे अधिक अच्छी लगे, जिह्वा के साथ मन को तृप्त कर दे, तो वही सर्वोत्तम आहार है।'

प्रस्तुत पत्र के साथ मेरा लेख डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

ललित गर्ग

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है। पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है। नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की गंभीरता को समझ रही है। डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई ही नुकसान को सीमित कर सकती है। परंतु यह भी सच है कि इतनी कम समय सीमा में सामग्री की सत्यता की जांच करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत जटिल कार्य है। इससे प्लेटफॉर्मों पर निगरानी तंत्र को अत्यधिक सुदृढ़ करना पड़ेगा, जो लागत और संचालन दोनों के स्तर पर चुनौतीपूर्ण होगा। यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि "आपत्तिजनक" या "भ्रामक" सामग्री की परिभाषा कौन और किस आधार पर तय करेगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलाधिकार है। यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएँ जन्म लेंगी। अतीत में भी यह देखा गया है कि जब-जब सोशल मीडिया पर नियंत्रण के प्रयास हुए, तब कुछ वर्गों ने इसे सरकारी अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत किया। इसलिए नियमन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का प्रयोग असहमति को दबाने के लिए नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से दुष्प्रचार और अपराध को रोकने के लिए हो। इस दिशा में स्वतंत्र निगरानी तंत्र, न्यायिक समीक्षा और पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य घटक हो सकते हैं। वैश्विक परिदृश्य भी इसी संकट की ओर संकेत करता है। ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग की न्यूनतम आयु निर्धारित करने जैसे कदम उठाए हैं। अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए ऐतिहासिक मुकदमे चल रहे हैं। वहाँ की बड़ी तकनीकी कंपनियों पर युवाओं को लत लगाने वाली संरचनाएँ विकसित करने के आरोप लगे हैं। विशेषज्ञों का मत है कि कई युवा जब अपने फोन से दूर किए जाते हैं तो वे मनोवैज्ञानिक ही नहीं, शारीरिक असहजता भी अनुभव करते हैं। यह स्थिति केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं, भारत सहित विकासशील देशों में भी सोशल मीडिया का अनियंत्रित विस्तार सामाजिक और मानसिक संकट का कारण बन रहा है। एआई उद्योग स्वयं भी एक नैतिक दुविधा के दौर से गुजर रहा है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में कंपनियाँ तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ में लगी हैं। इस दौड़ में सुरक्षा और नैतिकता के प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाते हैं। हाल ही में एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता द्वारा विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति पर असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना इस तनाव का संकेत है। तकनीक की प्रगति जितनी तेज होगी, नियामक ढाँचे उतनी ही तेजी से अप्रासंगिक होते जाएँगे, यदि उन्हें समयानुकूल अद्यतन न किया जाए। इसलिए नियमन को केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और सहभागी होना चाहिए। भारत के संदर्भ में यह विषय और भी संवेदनशील है। यहाँ डिजिटल क्रांति ने अभूतपूर्व विस्तार पाया है। करोड़ों नए उपयोगकर्ता प्रतिवर्ष ऑनलाइन आ रहे हैं। ऐसे में यदि असली और नकली के बीच का फर्क स्पष्ट न रहे तो लोकतांत्रिक विमर्श ही संदिग्ध हो जाएगा। चुनावी प्रक्रिया, सामाजिक सद्भाव, आर्थिक लेन-देन और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा-सभी पर डीपफेक का खतरा मंडरा सकता है। इसलिए एआई जनित सामग्री पर लेबलिंग का प्रावधान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सूचना साक्षरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि लेबलिंग तभी प्रभावी होगी जब आम उपयोगकर्ता डिजिटल साक्षर हो। अन्यथा वह लेबल को समझे बिना ही सामग्री साझा करता रहेगा। आगामी ई-समिट और भारत के 'इंडिया एआई मिशन' के संदर्भ में यह और भी प्रासंगिक हो जाता है कि तकनीक का विकास पारदर्शिता, शुद्धता और प्रमाणिकता के मूल्यों के साथ हो। यदि भारत वैश्विक एआई नेतृत्व का दावा करना चाहता है, तो उसे नैतिक मानकों की स्थापना में भी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। केवल स्टार्टअप्स और नवाचार की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि एआई मानव गरिमा, गोपनीयता और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करे। नियमन का उद्देश्य तकनीकी प्रगति को रोकना नहीं, बल्कि उसे उत्तरदायी बनाना होना चाहिए। अंततः यह समझना होगा कि डीपफेक और एआई का संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। कानून आवश्यक है, परंतु पर्याप्त नहीं। डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही, सरकार की पारदर्शिता, न्यायपालिका की सतर्कता और नागरिकों की जागरूकता-इन सबका समन्वय ही इस चुनौती का स्थायी समाधान दे सकता है। यदि नियमन संतुलित और निष्पक्ष होगा तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने के बजाय उसे सुरक्षित करेगा, क्योंकि स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह सत्य और जिम्मेदारी के साथ जुड़ी हो। झूठ को सच में बदलने की तकनीकी क्षमता जितनी बढ़ रही है, उतनी ही दृढ़ता से सत्य की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प भी आवश्यक है। यही डिजिटल युग की सबसे बड़ी नैतिक परीक्षा है, और यही लोकतांत्रिक समाज की अगली कसौटी भी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है। पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है।

देश दुनिया से

सत्य को उजागर करने वाले ठाकुर राम सिंह

ठाकुर राम सिंह का जन्म हमीरपुर जिला में झण्डवीं गांव में एक किसान परिवार में 15 फरवरी 1915 को हुआ था। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा झण्डवीं में प्राप्त करने के पश्चात उच्च शिक्षा हेतु लाहौर गए, जहां वह 1942 में इतिहास विषय में एमए करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्पर्क में आए। एमए इतिहास में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा उसी महाविद्यालय में आचार्य पद पर नियुक्ति प्रदान की गई, किन्तु उन्होंने इस पद को अस्वीकार करके अपना सम्पूर्ण जीवन समाज कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रचारक बनकर समर्पित कर दिया। ठाकुर राम सिंह ने 1942 से 1988 तक संघ के प्रचारक के रूप में अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों पर काम किया तथा सन 1988 में उन्हें अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना का कार्य सौंपा गया। उन्होंने अनवरत परिश्रम कर देशभर के प्रत्येक जिला में इतिहास संकलन योजना की कार्यकारिणी का गठन किया और इतिहास के विद्वानों को भारतीय इतिहास परंपरा का ज्ञान करवाया। वह 1992 से 2000 तक इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष और तत्पश्चात 2003 तक मार्गदर्शक का दायित्व निर्वहन करते रहे। ठाकुर राम सिंह इतिहास शोध संस्थान की स्थापना हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिला केन्द्र से पश्चिम दिशा में स्थित नेरी गांव में 7 अक्तूबर, 2002 को उनके मार्गदर्शन में इतिहास एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के क्षेत्र में स्थायी कार्य हेतु हुई। ठाकुर राम सिंह का जीवन केवल एक व्यक्ति की जीवनी नहीं है, बल्कि वह उस चेतना का प्रतिनिधित्व करता है जो किसी भी समाज को भीतर से जागृत करती है। उनका व्यक्तित्व हमें यह सिखाता है कि परिस्थितियां चाहे जितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, चरित्र दृढ़ हो और कर्म निःस्वार्थ हो, तो साधारण मनुष्य भी असाधारण भूमिका निभा सकता है। आज जब युवा पीढ़ी त्वरित सफलता, व्यक्तिगत लाभ और बाहरी चमक की ओर आकृष्ट दिखाई देती है, ऐसे समय में ठाकुर राम सिंह का जीवन एक सशक्त वैचारिक प्रकाशस्तंभ के रूप में सामने आता है। उनका जन्म ऐसे कालखंड में हुआ जब देश राजनीतिक पराधीनता, सामाजिक विषमता और सांस्कृतिक आत्मविस्मृति के दौर से गुजर रहा था। औपनिवेशिक शासन ने न केवल भारत की आर्थिक संरचना को कमजोर किया, बल्कि उसकी सांस्कृतिक चेतना और आत्मगौरव पर भी गहरा प्रहार किया। ऐसे समय में राष्ट्रसेवा का मार्ग चुनना केवल साहस का कार्य नहीं था, बल्कि यह आत्मत्याग और दीर्घकालिक संकल्प की मांग करता था। ठाकुर राम सिंह ने इसी मार्ग को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रभक्ति केवल नारों या आंदोलनों तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह निरंतर, मौन और रचनात्मक कर्मों में प्रकट होती है। उन्होंने समाज को संगठित करने, युवाओं को दिशा देने और इतिहास-बोध को जीवित रखने के लिए जिस प्रकार कार्य किया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उनका विश्वास था कि कोई भी राष्ट्र तब तक सशक्त नहीं हो सकता, जब तक उसकी युवा शक्ति अपने अतीत से परिचित न हो और वर्तमान के प्रति उत्तरदायी न बने। उनका विशेष योगदान यह रहा कि उन्होंने इतिहास को केवल पुस्तकों का विषय नहीं माना, बल्कि उसे सामाजिक चेतना का आधार बनाया। वे मानते थे कि जिस समाज को अपने पूर्वजों के संघर्ष, त्याग और सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान नहीं होता, वह दिशाहीन हो जाता है। इसी दृष्टि से उन्होंने इतिहास शोध, दस्तावेजों के संरक्षण और सांस्कृतिक स्मृति को सहेजने का कार्य किया। यह प्रयास दिखाता है कि सच्चा राष्ट्रनिर्माण केवल राजनीतिक सत्ता से नहीं, बल्कि बौद्धिक और सांस्कृतिक परिश्रम से होता है। युवा पीढ़ी के लिए ठाकुर राम सिंह का जीवन इसलिए भी प्रेरणास्पद है क्योंकि उन्होंने कभी तात्कालिक लाभ या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा को अपने कार्यों का लक्ष्य नहीं बनाया। उनका जीवन सादगी, अनुशासन और सेवा भाव का उदाहरण है। आज के समय में जब सफलता को केवल धन, पद और प्रसिद्धि से आंका जाता है, वह यह सिखाते हैं कि वास्तविक सफलता समाज के लिए उपयोगी बनने में है। उन्होंने संगठनात्मक कार्यों को केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी के रूप में नहीं देखा, बल्कि उन्हें सामाजिक संस्कार के माध्यम के रूप में विकसित किया। उनका मानना था कि संगठन वही टिकाऊ होता है, जो व्यक्ति के चरित्र को गढ़े और उसे राष्ट्र के व्यापक हितों से जोड़े। इसी कारण उनके द्वारा प्रेरित और प्रशिक्षित लोग केवल कार्यकर्ता नहीं बने, बल्कि विचारवान नागरिक के रूप में विकसित हुए। ठाकुर राम सिंह की सोच में शिक्षा का स्थान अत्यंत महत्त्वपूर्ण था। उनके लिए शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का साधन नहीं थी, बल्कि वह व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया थी। वे मानते थे कि यदि शिक्षा व्यक्ति को समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी नहीं बनाती, तो वह अधूरी है। यह दृष्टिकोण आज के युवाओं के लिए विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है, जो अक्सर शिक्षा को केवल रोजगार से जोडक़र देखते हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि नेतृत्व पद से नहीं, आचरण से जन्म लेता है। उन्होंने कभी स्वयं को प्रचारित नहीं किया, न ही अपने कार्यों का श्रेय लेने की चिंता की। उनका प्रभाव उनके मौन कर्मों, स्पष्ट विचारों और अडिग प्रतिबद्धता से उत्पन्न हुआ। यही कारण है कि उनका व्यक्तित्व आज भी लोगों को प्रेरित करता है, भले ही वे भौतिक रूप से हमारे बीच न हों। आज का युवा वर्ग यदि अपने जीवन में उद्देश्य की तलाश कर रहा है, तो ठाकुर राम सिंह जी का जीवन उसे यह संदेश देता है कि उद्देश्य बाहर नहीं, भीतर से जन्म लेता है। समाज और राष्ट्र के लिए कुछ करने की भावना जब व्यक्ति के मन में जागृत होती है, तब उसका जीवन स्वयं अर्थपूर्ण हो जाता है। उन्होंने यह भी दिखाया कि परिवर्तन की शुरुआत हमेशा छोटे प्रयासों से होती है, बशर्ते उनमें निरंतरता और ईमानदारी हो। ठाकुर राम सिंह का जीवन संघर्षों से मुक्त नहीं था। उन्होंने अनेक बाधाओं, संसाधनों की कमी और उपेक्षा का सामना किया, लेकिन कभी अपने पथ से विचलित नहीं हुए। उनकी जयंती पर राष्ट्र उन्हें नमन करेगा।

झण्डवीं गांव में एक किसान परिवार में 15 फरवरी 1915 को हुआ था। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा झण्डवीं में प्राप्त करने के पश्चात उच्च शिक्षा हेतु लाहौर गए, जहां वह 1942 में इतिहास विषय में एमए करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्पर्क में आए। एमए इतिहास में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा उसी महाविद्यालय में आचार्य पद पर नियुक्ति प्रदान की गई, किन्तु उन्होंने इस पद को अस्वीकार करके अपना सम्पूर्ण जीवन समाज कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रचारक बनकर समर्पित कर दिया।

आप का नज़रिया

गुमशुदाओं की तलाश

पिछले दिनों दिल्ली में अप्रत्याशित रूप से लोगों की गुमशुदगी की घटनाओं ने नीति-नियंताओं व अदालतों समेत पूरे देश का ध्यान खींचा। इस मामले में संज्ञान लेते हुए देश की शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को इस बात की जांच करने के निर्देश दिए कि देश के विभिन्न इलाकों में बच्चों की लगातार लापता होने की घटनाओं में कहीं किसी देशव्यापी गिरोहों का हाथ तो नहीं है? संकट कितना बड़ा है यह इस बात से पता चलता है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में सारे देश से करीब आठ लाख लोग लापता हुए हैं, जिनमें अधिकांशतः बच्चे, महिलाएं और लड़कियां शामिल रही हैं। जाहिर तौर पर लापता लोगों का बढ़ता आंकड़ा कहीं न कहीं तंत्र की लापरवाही को ही उजागर करता है, जिसके चलते अपराधी-तत्व अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। इसी साल जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ दिल्ली से आठ सौ लोगों के लापता होने की खबरों ने देशवासियों की चिंताओं को बढ़ाया है। देशवासियों में इस बात को लेकर भी चिंता और नाराजगी है कि इस गंभीर आपराधिक संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समन्वय से कोई व्यापक अभियान क्यों नहीं चलाया जाता। विडंबना यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जिससे यह पता चल सके कि राज्यवार कितने लोग वापस लौटे हैं और कितने लोग अभी भी गायब हैं। निश्चित रूप से इस संकट से निपटने के लिए एकीकृत राज्यवार ब्योरा उपलब्ध कराने की जरूरत है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि ने सुप्रीम कोर्ट में इस बात को स्वीकार किया है कि राज्यों से लापता बच्चों और उनसे जुड़े अभियोजन के अंतिम आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, यह पहली बार नहीं है कि शीर्ष अदालत ने लापता बच्चों के आंकड़े जुटाने को कहा हो। कोर्ट ने बीते साल दिसंबर में भी केंद्र सरकार से लापता बच्चों से जुड़े पिछले छह साल के देशव्यापी आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा था। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत राज्य के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके प्रामाणिक जानकारी जुटाने को कहा था। इतना ही नहीं, गुमशुदा बच्चों की तलाश के मामले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के भी निर्देश दिए गए थे। इस दिशा में अपेक्षित प्रगति का न होना हमारे तंत्र की व्यवस्थागत कमियों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से सारे देश से यदि लाखों लोगों के लापता होने के आंकड़े सामने आ रहे हैं, तो बहुत संभव है कि इसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा होगा। साथ ही यह भी पता लगाने की जरूरत है कि लापता लोगों के मामले में अपराधियों की कारगुजारियों में कहीं एकरूपता तो नहीं है। विगत में मानव तस्करी के मामले गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं, जिसमें लड़कियों को देह व्यापार के धंधे में धकेलने के भी आरोप लगते रहे हैं। लेकिन इस संकट का समाधान तभी संभव होगा जब देश के सभी राज्यों से प्रामाणिक आंकड़े जुटाए जाएंगे। उनके व्यापक अध्ययन से अपराध करने की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी। इसके साथ ही जरूरी है कि राज्य सरकारें भी अपने दायित्व को गंभीरता से निभाएं। इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त न की जाए। इसके अलावा निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। देश की कानून-व्यवस्था में भरोसा कायम करने के लिए इन घटनाओं को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से लिया जाना भी जरूरी है। यहां इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय की तरफ से राज्यों में बच्चों की गुमशुदगी के आंकड़े दर्ज करने के लिए जो पोर्टल बनाया गया है, उसमें नियमित रूप से आंकड़े क्यों नहीं दर्ज किए जाते हैं। यह विडंबना है कि सरकारों को जिस दायित्व को अपने स्तर पर ईमानदारी से निभाने की जरूरत होती है, उसके लिये देश की शीर्ष अदालत को बार-बार याद दिलाना पड़ता है। नागरिकों को जागरूक करने के लिए भी सुरक्षा गाइड लाइन्स जारी करने की जरूरत है, जिससे लोग बच्चों की सुरक्षा के लिए सजग व सतर्क रह सकें।

केंद्र सरकार को इस बात की जांच करने के निर्देश दिए कि देश के विभिन्न इलाकों में बच्चों की लगातार लापता होने की घटनाओं में कहीं किसी देशव्यापी गिरोहों का हाथ तो नहीं है? संकट कितना बड़ा है यह इस बात से पता चलता है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में सारे देश से करीब आठ लाख लोग लापता हुए हैं, जिनमें अधिकांशत: बच्चे, महिलाएं और लड़कियां शामिल रही हैं। जाहिर तौर पर लापता लोगों का बढ़ता आंकड़ा कहीं न कहीं तंत्र की लापरवाही को ही उजागर करता है, जिसके चलते अपराधी-तत्व अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। इसी साल जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ दिल्ली से आठ सौ लोगों के लापता होने की खबरों ने देशवासियों की चिंताओं को बढ़ाया है। देशवासियों में इस बात को लेकर भी चिंता और नाराजगी है कि इस गंभीर आपराधिक संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समन्वय से कोई व्यापक अभियान क्यों नहीं चलाया जाता। विडंबना यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जिससे यह पता चल सके कि राज्यवार कितने लोग वापस लौटे हैं और कितने लोग अभी भी गायब हैं। निश्चित रूप से इस संकट से निपटने के लिए एकीकृत राज्यवार ब्योरा उपलब्ध कराने की जरूरत है।

दृष्टि कोण

पेड़ों को ज़िंदा रखने की हरी-भरी तकनीक

बेशक हरियाली खुदा की सबसे बड़ी नेमतों में से एक है। इसी से जीवन में आशा, उमंग और ताज़गी जैसे भाव जागते हैं। सड़क चौड़ीकरण, हाईवे निर्माण या विकास की किसी दूसरी परियोजनाओं के लिए जब पेड़ रुकावट बन जाते हैं तो उन्हें काटने का दर्द अब हर नागरिक को समझ में आने लगा है। तमिलनाडु के कोयंबटूर शहर के लोगों को तब बहुत दुख हुआ जब सड़क चौड़ीकरण की वजह से 7,600 पेड़ों को खत्म कर दिया था। यह दुख इतना गहरा था कि वहां की कोयंबटूर की जनता ने तय कर लिया कि जब भी कोई ऐसी विकास परियोजना लागू होगी तो जद में आ रहे सारे पेड़ों को स्कूल, पार्क, मंदिर परिसर या किसी ग्रीन बफर ज़ोन में स्थानांतरित किया जाएगा। फलतः कुछ ही सालों में 5,000 पेड़ स्थानांतरित किए गए। सुखद परिणाम यह आया कि इनमें 85 फीसद पेड़ लहलहा रहे हैं यानी पेड़ों को नई जगह रास आ गई है। एक स्वचेतना अभियान यह भी सफल हो रहा कि लोगों ने अपने लिए एक नियम बनाया कि हर कटने वाले पेड़ के बदले लोग दस पौधे लगा रहे तथा उसकी देखभाल का जिम्मा भी खुद ही ले रहे। इसी तरह पेड़ों को बचाने के कई छोटे-छोटे ही सही अभियान में लोगों की रुचि बढ़ती जा रही। पेड़ों के कटने से दुखी हैदराबाद के रामचंद्र अप्पारी ने भी ट्री ट्रांसलोकेटिंग तकनीक का इस्तेमाल किया तथा इसी तकनीक से वे हैदराबाद के करीब पांच हजार पेड़ों को नई जगह दे चुके हैं। उनकी कंपनी ग्रीन मॉर्निंग हॉर्टिकल्चर सन् 2010 से काम कर रही है। वे कहते हैं वर्ष 2008 में हैदराबाद की सड़कों को चौड़ी करने के लिए पेड़ कटने लगे तब उन्हें बहुत दुख हुआ। तब ऑस्ट्रेलिया में रह रहे अपने दोस्त से पेड़ों को स्थानांतरित किए जाने के उपायों पर पूछा। बस तभी से अब अपनी कंपनी के मार्फत सात हजार से ज्यादा पेड़ों को नया जीवन दे चुके हैं। दरअसल, एक पेड़ को शिफ्ट करने की लागत दस

हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक आती है। वर्ष 2010 में स्थापित उनकी कंपनी ग्रीन मॉर्निंग हॉर्टिकल्चर का टर्न ओवर लगातार बढ़ रहा है। वे कहते हैं हर शहर में प्रशासन को पेड़ों को स्थानांतरित करने के टेंडर निकालने चाहिए तथा इस तकनीक को बढ़ाना चाहिए। कम होते पेड़ों के लिए यह तकनीक वरदान साबित होगी। हैदराबाद के ही वट फाउंडेशन के प्रमुख पेडि रेड्डी वर्ष 2010 से पेड़ बचाने का काम कर रहे हैं। पेड़ों के प्रति इतना लगाव है कि अब तक करीब 2200 पेड़ों को नया जीवन दे चुके हैं। नेचर जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार मानव सभ्यता की शुरुआत से मौजूदा पेड़ों की संख्या में अब तक 46 फ़ीसदी की कमी आ चुकी है। दुनियाभर में हर साल दस अरब पेड़ काटे जा रहे हैं जबकि हर साल सिर्फ पांच अरब पेड़ ही लगाए जा रहे है। चिंता की बात यह भी है कि हर दो सेकंड में एक फुटबॉल के मैदान जितना जंगल काटा जा रहा है। अकेले भारत में दस लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले जंगल कट रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा प्रदूषण की मार झेलते शहरों के लिए पेड़ों की कमी भी जिम्मेदार है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा गया है कि एक पेड़ लगाना सौ गायों का दान देने के समान है। पद्मपुराण में जिक्र है कि जलाशय के निकट पीपल का पेड़ लगाने से व्यक्ति को सैकड़ों यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि पेड़ों की कतार धूल मिट्टी को 75 फीसद तक कम कर देती है और 50 फीसदी तक शोर को कम करती है।

राजस्थान की जीडीपी में पर्यटन का योगदान 10 प्रतिशत पार ले जाने का लक्ष्य : शेखावत

नाथद्वारा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हमारा लक्ष्य राजस्थान की स्टेट जीडीपी में पर्यटन के योगदान को 10 प्रतिशत से अधिक तक ले जाना है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ स्पिरिचुअल (आध्यात्मिक) और एक्सपीरियंशियल (अनुभवात्मक) टूरिज्म पर विशेष ध्यान दे रही है।

रविवार को श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि भारत सरकार राजस्थान के प्रमुख आस्था केंद्रों को वैश्विक स्तर पर विकसित कर रही है। 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत खाटू श्याम जी, देशनोक की करणी माता, जैसलमेर के तनोट माता मंदिर जैसे पवित्र स्थानों पर बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को न केवल सुगम दर्शन उपलब्ध कराना है, बल्कि इन क्षेत्रों में 'टेंपल टूरिज्म' के माध्यम से स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित करना है।

कुम्भलगढ़ में आयोजित समीक्षा बैठक का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चित्तौड़गढ़ और कुम्भलगढ़ जैसे 'वर्ल्ड हेरिटेज मोन्यूमेंट्स' को पर्यटकों के लिए अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनाया जा रहा है। हम चाहते हैं कि इन ऐतिहासिक किलों में पर्यटक केवल घूमने न आएं, बल्कि वहां एक नया अनुभव प्राप्त करें। इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जिला प्रशासन और राज्य पर्यटन विभाग के अधिकारी मिलकर एक साथ काम कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि पर्यटन की सफलता केवल संख्या में नहीं, बल्कि पर्यटकों की संतुष्टि में है। हमारा प्रयास पर्यटकों के अनुभव के स्तर को इतना ऊंचा उठाना है कि यहां आने वाला हर व्यक्ति ऐसी सुखद स्मृति लेकर जाए जो उसे पुनः राजस्थान लौटने के लिए प्रेरित करे। राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के बजट में पर्यटन के लिए की गई घोषणाओं की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन की महत्ता को समझते हुए निरंतर काम कर रही है। केंद्र और राज्य के साझा प्रयासों से राजस्थान जल्द ही वैश्विक पर्यटन के मानचित्र पर एक नए स्वरूप में उभरेगा।

उदयपुर के श्री अमरख महादेव मंदिर पहुंचीं रेखा गुप्ता

दिल्लीवासियों के लिए मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

उदयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर राजस्थान में उदयपुर के अम्बेरी स्थित प्राचीन श्री अमरख महादेव मंदिर में महादेव की पूजा-अर्चना की। उनके साथ उनके मंत्रिमंडल के सदस्य भी मौजूद रहे। सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उदयपुर के अम्बेरी स्थित प्राचीन श्री अमरख महादेव मंदिर में देवाधिदेव महादेव की पूजा-अर्चना का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह धाम शताब्दियों से तप, वैराग्य और शिव चेतना का जीवंत केंद्र रहा है। महाशिवरात्रि का यह पावन पर्व आत्मा के भीतर शिवत्व के जागरण का अवसर है। शिव ही शून्य हैं, शिव ही अनंत हैं और शिव ही वह आधार हैं जहां से सृजन, संतुलन और परिवर्तन का प्रवाह प्रारंभ होता है। उन्होंने आगे लिखा कि देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना है कि उनका आशीर्वाद दिल्ली और समस्त देशवासियों पर बना रहे, और हम सभी को सेवा और लोक कल्याण के मार्ग पर अडिग रहने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी आशीष सूद, रविन्द्र इन्द्राज, विधायक अनिल शर्मा और राजस्थान भाजपा के कई नेता मौजूद रहे।

इसके बाद, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नाथद्वारा धाम में श्रीनाथजी के दर्शन किए। यह वही पावन भूमि है, जहां भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धनधारी स्वरूप ने धर्म, करुणा और संरक्षण का सनातन संदेश दिया। शताब्दियों से यह धाम भक्ति और समर्पण की अखंड ज्योति का केंद्र रहा है।उन्होंने लिखा, 'महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर भगवान शिव का स्मरण इस अनुभूति को और दिव्य बना देता है। श्रीकृष्ण का करुणा स्वरूप और महादेव का तप स्वरूप, दोनों मिलकर सनातन की पूर्णता का मार्ग प्रशस्त करते हैं।'

सीएम रेखा गुप्ता ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, 'समस्त दिल्लीवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की अनंत शुभकामनाएं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सम्यक की धार्मिक यात्रा सम्पन्न

तीर्थ वंदना से जागृत हुआ आध्यात्मिक भाव

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सम्यक द्वारा आयोजित धार्मिक यात्रा श्रद्धा, संयम और आध्यात्मिक अनुशासन के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस पावन यात्रा के अंतर्गत ग्रुप के सदस्य 6 फरवरी को जयपुर से मधुबन के लिए रवाना हुए, जहां से जैन धर्म के प्रमुख और पवित्र तीर्थ स्थलों की वंदना का क्रम आरंभ हुआ। यात्रा का उद्देश्य जैन आस्था के केंद्रों में दर्शन, पूजन और आत्मिक शांति की अनुभूति प्राप्त करना रहा।

7 फरवरी को पारसनाथ होते हुए सभी यात्री मधुबन पहुंचे, जहां तलेटी स्थित मंदिरों में दर्शन किए गए। अगले दिन 8 फरवरी को प्रातः 2 बजे सभी श्रद्धालु सम्मेद शिखर के लिए रवाना हुए और वहां स्थित सभी टोंकों की विधिपूर्वक वंदना की। 9 फरवरी को सम्मेद शिखर पर्वत की परिक्रमा करते हुए मार्ग में आने वाले विभिन्न जिनालयों के दर्शन किए गए, जिससे पूरे वातावरण में भक्ति और साधना का भाव व्याप्त रहा।

10 फरवरी को समूह सम्मेद शिखर से प्रस्थान कर मंदारगिरि तीर्थ पहुंचा, जहां श्रद्धापूर्वक वंदना की गई। इसके बाद पावापुरी तीर्थ क्षेत्र में दर्शन कर रात्रि विश्राम वासुपूज्य भगवान की निर्वाण स्थली चंपापुर में किया गया। अगले दिन प्रातः ग्रुप के पुरुष सदस्यों द्वारा अभिषेक एवं शांति धारा का आयोजन किया गया, जिसके पश्चात भगवान महावीर के निर्वाण स्थल पावापुरी के लिए प्रस्थान किया गया।

पावापुरी में जल मंदिर सहित अन्य जिनालयों के दर्शन के बाद यात्रा कुंडलपुर पहुंची, जहां रात्रि विश्राम किया गया। कुंडलपुर को भगवान महावीर की जन्म एवं दीक्षा स्थली के रूप में विशेष महत्व प्राप्त है। यहां प्रातःकाल भगवान महावीर की दिव्य प्रतिमा का अभिषेक एवं शांति धारा की गई। इसके पश्चात समूह राजगिरि के लिए रवाना हुआ और मार्ग में नालंदा विश्वविद्यालय की प्राचीन धरोहर का अवलोकन किया।

राजगिरि स्थित सभी जिनालयों की वंदना के उपरांत समूह गया पहुंचा, जहां जैन धर्मशाला में विश्राम किया गया। धर्मशाला के समीप स्थित प्राचीन एवं अनुपम जिनालय के दर्शन के साथ इस आध्यात्मिक यात्रा को पूर्णता मिली। रात्रि विश्राम के बाद प्रातः गया रेलवे स्टेशन से सभी यात्री जयपुर के लिए रवाना हुए। इस धार्मिक यात्रा में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सम्यक के संस्थापक अध्यक्ष महावीर लक्ष्मी बोहरा, अध्यक्ष इन्द्र कुमार - स्नेह लता जैन, संगठन सचिव सुनील - सीमा ठोलिया, सदस्य विजय - सीमा सोनी एवं अक्षिता बोहरा ने सहभागिता की। सभी सदस्यों ने यात्रा को आध्यात्मिक ऊर्जा, अनुशासन और समर्पण के साथ संपन्न किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भगवान शिव का किया जलाभिषेक

जयपुर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सपत्नीक महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राजराजेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं प्रगति की कामना की। शर्मा ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा कर आरती उतारी। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास पर नियोजित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रूपवास तहसील कार्यालय में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग

रूपवास (भरतपुर), 15 फरवरी (एजेंसियां)। कस्बे के तहसील कार्यालय स्थित एलआरसी शाखा में रविवार को शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। इस हादसे में शाखा में रखा महत्वपूर्ण राजस्व रिकॉर्ड जलकर राख हो गया। हालांकि, दमकल की मुस्तैदी से एक बड़े हिस्से को जलने से बचा लिया गया, लेकिन तहसील परिसर में सुरक्षा इंतजामों की पोल जरूर खुल गई। शौचालय गए थे पटवारी, पीछे से भड़की आग घटना के समय तहसील में कार्यरत पटवारी शिवराज कंप्यूटर कक्ष में काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जैसे ही वह कुछ देर के लिए शौचालय की ओर गए, अचानक कंप्यूटर शाखा से धुआं निकलता दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत मामले की जानकारी तहसीलदार अमित शर्मा और नगरपालिका की दमकल टीम को दी।

घटना के दौरान तहसील कार्यालय की बड़ी लापरवाही भी सामने आई। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि तहसील परिसर में आग बुझाने के लिए अग्निशमन उपकरण तो लगे हुए थे, लेकिन वे लंबे समय से इस्तेमाल न होने के कारण एक्सपायर हो चुके थे। आपात स्थिति में इन उपकरणों के काम न करने से कर्मचारियों में रोष देखा गया।

सूचना मिलते ही दमकलकर्मी यतेन्द्र योगी, दीपक शर्मा, धर्मेंद्र चौधरी और आजाद दमकल वाहन के साथ मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल के पहुंचने तक कुछ महत्वपूर्ण फाइलें और रिकॉर्ड जल चुके थे, लेकिन समय रहते आग बुझाने से आसपास के कमरों तक लपटें नहीं फैलीं।तहसील प्रशासन अब जले हुए रिकॉर्ड का आकलन कर रहा है ताकि पता लगाया जा सके कि कौन-कौन से महत्वपूर्ण दस्तावेज इस आग की भेंट चढ़े हैं।

महाशिवरात्रि पर भव्य श्री शिव-शक्ति रथयात्रा श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न

अंबाला कैंट, 15 फरवरी (एजेंसियां)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आज श्री शिव-शक्ति ओंकार दरबार, हाउसिंग रोड, आर्मी एरिया, अंबाला कैंट से निकली भव्य 'श्री शिव-शक्ति रथयात्रा' श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हो गई। निराकार परब्रह्म ओंकार स्वरूप 1008 शिवलिंगों की स्थापना के भूमि-पूजन के उपलक्ष्य में आयोजित इस ऐतिहासिक यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर वातावरण को पूर्णत: शिवमय बना दिया। इस मौके पर रूद्रावतार संत महर्षि दुर्वासा-आत्मा कुरड़ी वाले महाराज श्री जी की पीठ पर विराजमान संदीप ओंकार ने अपने आशीर्वचन में कहा कि शिव ही सत्य हैं और शिव ही कल्याण का मार्ग हैं। जब समाज एकजुट होकर ईश्वर आराधना करता है, तो वहां से सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत होती है।

हरियाणा में किसानों पर बढ़ता कर्ज चिंताजनक : कुमारी सैलजा

सिरसा, 15 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि खेती-किसानी हरियाणा की तरक्की और खुशहाली की पहचान रही है, लेकिन भाजपा सरकार की नीतियों के कारण प्रदेश के किसान लगातार कर्ज के दलदल में फंसते जा रहे हैं। मीडिया को आज जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़े स्वयं इस बात की पुष्टि करते हैं कि हरियाणा के हर किसान परिवार पर औसतन 1.83 लाख रुपये से अधिक का कर्ज हो चुका है। केंद्र सरकार के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा संसद में दी गई जानकारी और हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री नायब सैनी के लिखित जवाब के अनुसार 30 सितंबर 2025 तक प्रदेश के 25,67,467 किसानों पर कुल 60,816 करोड़ रुपये का कर्ज बकाया है। कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा के डबल इंजन शासन में खेती की इनपुट लागत लगातार बढ़ रही है, एमएसपी के नाम पर किसानों को पूरा लाभ नहीं मिल रहा, प्राकृतिक आपदाओं में पर्याप्त मुआवजा नहीं दिया जा रहा और भूमिहीन किसानों की स्थिति बेहद दयनीय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों ने खेती को लाभकारी पेशे की बजाय संकट का कारण बना दिया है। उन्होंने कहा कि किसान और नौजवान हरियाणा की असली ताकत हैं, लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियों ने किसानों को कर्ज में और युवाओं को बेरोजगारी, नशाखोरी व पलायन की ओर धकेल दिया है।कुमारी सैलजा ने राज्य सरकार से मांग की कि किसानों की कर्ज राहत के लिए ठोस योजना बनाई जाए, सभी फसलों पर प्रभावी एमएसपी सुनिश्चित की जाए, प्राकृतिक आपदा पर समयबद्ध मुआवजा दिया जाए तथा छोटे और भूमिहीन किसानों के लिए विशेष पैकेज घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों और युवाओं के हितों की लड़ाई आगे भी मजबूती से लड़ती रहेगी।

राष्ट्र की प्रगति हमारी संस्कृति के बिना संभव नहीं : हरविन्द्र कल्याण

करनाल, 15 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने स्वामी दयानंद सरस्वती को नमन करते हुए कहा कि स्वामी जी के विचार हमें विपरीत परिस्थितियों में भी सही राह पर चलने की ऊर्जा प्रदान करते हैं। राष्ट्र की प्रगति हमारी संस्कृति के बिना संभव नहीं है। आर्य समाज जिस प्रकार हमारी अगली पीढ़ी को अपनी जड़ों और गौरवशाली संस्कृति से जोड़ने का प्रयास कर रहा है, वह वास्तव में एक पावन कार्य है।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण रविवार को आर्य समाज द्वारा आयोजित महर्षि दयानंद सरस्वती जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अपने निजी कोष से सभा को 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने उस दौर में अपनी संस्कृति, धर्म और देश के लिए संघर्ष किया जब परिस्थितियां अत्यंत विपरीत थीं। गुलामी के लंबे कालखंड के बाद स्वतंत्रता तो मिली, लेकिन आज भी हमारे सामने कई चुनौतियां मौजूद हैं। देश को पुनः उन ऊँचाइयों पर ले जाने की कल्पना हर नागरिक के सहयोग के बिना संभव नहीं है।

विकसित राष्ट्र के संकल्प को सिद्ध करने के लिए हमारा आत्मनिर्भर होना अनिवार्य है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में हर नागरिक की भूमिका अहम है। इसके लिए केवल नई टेक्नोलॉजी और आत्मनिर्भरता ही काफी नहीं है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी का उन संस्कारों से जुड़ना अनिवार्य है, जिनमें स्वयं की उन्नति के साथ समाज की भलाई का भाव भी समाहित होना चाहिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नल्हड़ेश्वर मंदिर नूंह में किया जलाभिषेक

नूंह, 15 फरवरी (एजेंसियां)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नूंह स्थित नल्हड़ेश्वर मंदिर में पहुंचकर भगवान शिव के शिवलिंग पर विधि-विधान से जलाभिषेक किया तथा प्रदेशवासियों की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की बधाई भी दी और मंदिर परिसर में प्रसाद भी ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है। भगवान शिव का आशीर्वाद प्रदेश पर बना रहे और हरियाणा निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो, यही उनकी प्रार्थना है। उन्होंने प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए समाज में भाईचारे, सद्भाव और एकता बनाए रखने का संदेश भी दिया।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के मुद्दे पर बोलने वाले लोग पहले अपने गिरेबां में झांके : सैनी

तावड़ू, 15 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अरावली की गोद में बसा तावडू क्षेत्र अपने मेहनती, स्वाभिमानी और संघर्षशील लोगों के लिए पूरे प्रदेश में जाना जाता है। मेवात की धरती ने सदैव साहस, बलिदान और स्वाभिमान की परंपरा को आगे बढ़ाया है। सन् 1857 की आजादी की प्रथम लड़ाई से लेकर आजादी मिलने तक के संघर्ष में यहां के लोगों ने जो भूमिका निभाई, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। मुख्यमंत्री रविवार को सोहना विधानसभा के तावडू की अनाज मंडी में विकसित सोहना-तावडू विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान उपस्थित जनसमूह को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की बधाई भी दी और कहा कि यह पावन पर्व है हमें लॉर्ड शिवा के दर्शन करने, उनके जीवन दर्शन से जुड़ने का एक अवसर प्रदान करता है। महाशिवरात्रि हमें यह सिखाती है कि जब जीवन में अंधकार बढ़े तब आत्म चिंतन का दीप जलाओ। उन्होंने कहा कि यह शिवरात्रि सभी के जीवन में स्वास्थ्य, शांति, साहस और सफलता प्रदान करे, साथ ही आपके हर प्रयास में ऊर्जा हो और निर्णय में विवेक हो, हर दिन में आशा का उजाला हो।

मुख्यमंत्री ने इससे पहले 47 करोड़ 36 लाख रुपये लागत की 16 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किए। इनमें 21 करोड़ 77 लाख 25 हजार रुपये लागत के 11 उद्घाटन और 25 करोड़ 58 लाख 58 हजार रुपये की लागत के 5 शिलान्यास शामिल हैं। सैनी ने कहा कि तावड़ू सोहना विकास रैली में उमड़ा जनसमूह इस बात का प्रमाण है कि आपका भाजपा सरकार की नीयत, नीति और जन-कल्याणकारी योजनाओं में गहरा विश्वास है। इसी विश्वास के बल पर हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को लगातार तीसरी बार जनसेवा का अवसर मिला है, उन्होंने कहा कि वह पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि क्षेत्र के विकास में किसी भी तरह की कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी।

उन्होंने कहा कि सोहना हलके के विकास को गति देने के लिए 11 वर्षों के कार्यकाल में 62 सीएम अनाउंसमेंट हुई। इनमें से 49 का काम पूरा हो चुका और 13 का काम प्रगति पर है। उन्होंने सोहना विधानसभा क्षेत्र में करवाये गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने इस हलके में विकास कार्यों पर पिछले 11 वर्षों में 1 हजार 515 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। जबकि, कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में मात्र 222 करोड़ रुपये खर्च किये गये थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 3 सड़कों की विशेष मरम्मत के लिए 12 करोड़ 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। तावडू खण्ड के 54 गांवों में 40 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल के भूमिगत जलाश्यों के निर्माण एवं उनको पाईप लाईन से जोड़ने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संकल्प पत्र- 2024 का जिक्र करते हुए कहा कि हम जो कहते हैं, उसे करते भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि हमने पिछले विधानसभा चुनावों के अपने संकल्प-पत्र के 217 में से 60 वादों को एक साल में ही पूरा कर दिखाया है। यही नहीं, 157 वादों पर काम प्रगति पर है।

उन्होंने कहा कि आगामी 20 फरवरी से हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने जा रहा है। सरकार ने प्रदेश का बजट आम आदमी का बजट बनाने के लिए सभी हितधारकों से परामर्श किया है। परामर्श के आधार पर ही सरकार नया बजट तैयार कर रही है।

कागजनगर और बेल्लमपल्ली नगरपालिकाओं में पदेन मतदान : राजनीतिक विवाद को जन्म दिया!

मंचेरियाल, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिन नगरपालिकाओं में त्रिशंकु मत रहा, वहां अध्यक्षों के प्रत्यक्ष चुनाव में निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी विवाद का रूप ले रही है। सिरपुर (टी) के पूर्व विधायक कोनेरू कोनाप्पा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एमएलसी दांडे विट्टल कागजनगर नगर निगम की मतदाता सूची में अपना नाम अवैध रूप से शामिल करवाकर पदेन सदस्य के रूप में मतदान करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि विट्ठल का नाम हाल ही में संशोधित मतदाता सूची में नहीं था और पिछले 10-15 दिनों में नए मतदाताओं का पंजीकरण किया गया था। कोनाप्पा ने कहा कि विट्ठल का अध्यक्षीय चुनाव में भाग लेने का प्रयास नियमों के विरुद्ध है और उन्होंने कलेक्टर के. हरिता और चुनाव अधिकारियों से इस मामले की व्यापक जांच करने का आग्रह किया। उन्होंने मांग की कि सरकार सोमवार को होने वाले अध्यक्षीय चुनाव में एमएलसी को पदेन सदस्य के रूप में मतदान करने से रोके।

कागजनगर में त्रिशंकु स्थिति, निर्दलीय और एमआईएम निर्णायक

हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों में 30 सदस्यीय कागजनगर नगर पालिका में कोई भी पार्टी वांछित बहुमत हासिल नहीं कर पाई। बीआरएस 11 वार्डों के साथ सबसे

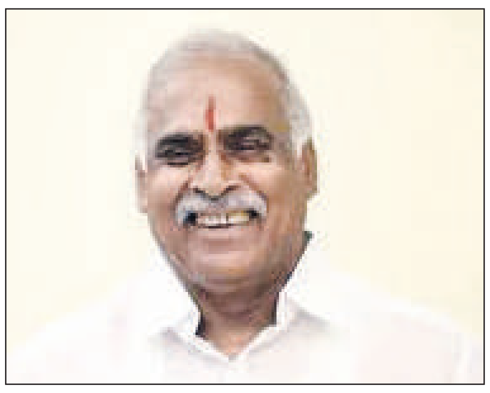

बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि कांग्रेस और भाजपा ने क्रमशः नौ और पांच वार्ड जीते। निर्दलीय उम्मीदवारों ने चार वार्ड जीते और एआईएमआईएम ने एक वार्ड जीता, जिससे वे निर्णायक भूमिका में आ गए हैं। बीआरएस निर्दलीय उम्मीदवारों और एआईएमआईएम के समर्थन से नगर निकाय पर कब्जा करने के प्रयास कर रही है।

बेल्लमपल्ली में भी पदेन मतदान पर विवाद

इसी तरह बेल्लमपल्ली के विधायक जी विनोद को बेल्लमपल्ली नगरपालिका के अध्यक्ष के चुनाव में अपना वोट डालने की कोशिश करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। बीआरएस नेताओं का आरोप है कि विनोद हैदराबाद में मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं और उन्होंने बेल्लमपल्ली विधानसभा क्षेत्र में कभी वोट नहीं डाला है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि उन्हें नगरपालिका में पदेन सदस्य के रूप में पंजीकृत होने से रोका जाए।34 सदस्यीय बेल्लमपल्ली नगरपालिका में बीआरएस और कांग्रेस दोनों के पास 14-14 वार्डों में बराबरी है, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों ने पांच वार्ड जीतकर किंगमेकर की भूमिका निभाई है। हालांकि रविवार को निर्दलीय शंकर सिंह और एक कांग्रेस पार्षद के बीआरएस में शामिल होने के बाद बीआरएस की स्थिति और मजबूत हो गई। 34वें वार्ड से भाजपा पार्षद राममूर्ति ने भी बीआरएस को बिना शर्त समर्थन दिया, जिससे कांग्रेस को झटका लगा।

नियमों के अनुसार पदेन सदस्यों की पात्रता

निर्वाचित जन प्रतिनिधि नगरपालिकाओं के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों के चुनाव में पदेन सदस्य के रूप में भाग लेने के पात्र हैं, यदि उनके दलों को पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए समर्थन की आवश्यकता होती है।

यह विवाद दोनों नगरपालिकाओं में राजनीतिक तनाव को बढ़ा रहा है और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहा है।

असिफाबाद नगरपालिका अध्यक्ष पद पर कांग्रेस की कोशिशों पर फैक्शन लड़ाई का असर!

कुमरमभीम/असिफाबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भीतर चल रही गुटबाजी की लड़ाई ने नवगठित असिफाबाद नगरपालिका के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों को हासिल करने के लिए पार्टी के प्रयासों को प्रभावित किया है।

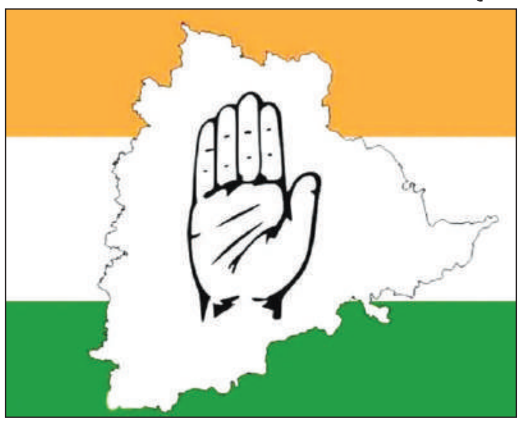

बीआरएस अग्रस्थ, कांग्रेस दूसरे स्थान पर

20 सदस्यीय असिफाबाद नगर निकाय में जहां भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने नौ वार्डों के साथ बढ़त बनाई, वहीं कांग्रेस ने सात वार्डों में जीत दर्ज करते हुए दूसरी बड़ी ताकत के रूप में उभरी। हालांकि, चार वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने विजय प्राप्त की।

इस बात को लेकर संदेह का माहौल बना हुआ है कि क्या ये निर्दलीय बीआरएस या कांग्रेस का समर्थन करेंगे।

दो गुटों के बीच तनातनी

जहां एक गुट पूर्व एमएलसी पुरनम सतीश के नेतृत्व में है, वहीं दूसरा गुट पूर्व डीसीसी अध्यक्ष के विश्वप्रसाद राव के नेतृत्व में काम कर रहा है। ये दोनों गुट चार निर्दलीयों को अपने पाले में करके नगरपालिका के अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाने के लिए आमने-सामने हैं। सतीश गुट से जुड़े श्याम नायक की गिनती के दिन कथित तौर पर एक निर्दलीय का अपहरण करने की कोशिश करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा।

निर्दलीयों की शर्त, अब किसकी जीत?

चारों निर्दलीयों ने कांग्रेस का समर्थन करने की अपनी इच्छा जताई है, लेकिन उन्होंने सतीश के समर्थन वाले अब्दुल्ला को अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाए जाने का विरोध किया है। अब देखना यह है कि सतीश या विश्वप्रसाद राव में से कौन विजयी होता है।

बड़ा शक्करगा के महादेव मंदिर में लिंग स्थापना एवं कलशारोहण समारोह सम्पन्न

मदनूर, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के बड़ा शक्करगा गांव में स्थानीय जनता के सहयोग से महादेव मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने की ओर अग्रसर है। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को स्थानीय भक्तों ने बड़ी श्रद्धा के साथ लिंग स्थापना एवं कलशारोहण का भव्य समारोह आयोजित किया।

इस अवसर पर सद्गुरु 108 मलिकार्जुन स्वामीजी के कर-कमलों द्वारा, पुरोहितों के मंत्रोच्चारण एवं विधि-विधान के साथ शिवलिंग की स्थापना एवं कलशारोहन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गांववासी एवं आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आगामी 17 फरवरी 2026 को लिंग की प्राण प्रतिष्ठा एवं कलश पूजन का विशेष आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में मंदिर परिसर में अखंड शिवनाम सप्ताह का भी शुभारंभ किया गया है, जिसमें निरंतर शिव नाम जाप एवं भजन-कीर्तन का कार्यक्रम चलेगा।

सिद्दीपेट में घूम रहे बाघ को बेहोश करने की योजना बने रहे वन अधिकारी

सिद्दीपेट, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिद्दीपेट जिले के गांवों में एक सप्ताह से अधिक समय से घूम रहे बाघ के कारण दहशत फैली हुई है और जानवर की सुरक्षा भी खतरे में है, इसे देखते हुए वन विभाग ने बाघ को बेहोश करके उसे वन में स्थानांतरित करने का फैसला किया है।

पशु चिकित्सक और वन्यजीव विशेषज्ञ, वन अधिकारियों के साथ मिलकर वन में बाघ को बेहोश करने के प्रयास कर रहे हैं। पिछले सप्ताह में दो बार, वन अधिकारियों और पशु चिकित्सकों ने जाल बिछाकर बाघ के आने का इंतजार किया। फिर भी, यह बड़ी बिल्ली नहीं आई।

एक अधिकारी ने कहा कि फिर से, हम आज इसे एक बार और प्रयास करेंगे। आरक्षित वन में एक स्थान पर लाइव कैमरा जाल लगाए गए हैं। टीमें बाघ के इंतजार में छिपी हुई हैं।

रासायनिक अचेतन में पशु की गति को प्रतिबंधित करने के लिए ड्रग्स का उपयोग करना शामिल है, जिससे बेहोशी की स्थिति पैदा होती है और जानबूझकर तथा समन्वित गति रुक जाती है। यह तकनीक मसंघर्ष में बाघोंफ के लिए उपयुक्त मानी जाती है, क्योंकि यह चुनिंदा व्यक्तियों को पकड़ने की अनुमति देती है, पकड़ने के समय का चयन सक्षम बनाती है, और जानवर को न्यूनतम तनाव पहुंचाती है।

आमतौर पर, एनेस्थीसिया देना कोई समस्या नहीं है। पूरी योजना विशेषज्ञों द्वारा की जाती है, जिसमें एक

जीवविज्ञानी, एक वन्यजीव प्रबंधक और पशु चिकित्सक शामिल हैं, ऑपरेशन से पहले, वन्यजीव जीवविज्ञानी इमरान सिद्दीकी ने कहा।

ऑपरेशन के लिए, संयुक्त टीमों को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा इस उद्देश्य के लिए निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करना होगा। दिशानिर्देशों में बाघ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया, बाघ का पता लगाने और पकड़ने के लिए तैनात टीम की संरचना, रासायनिक अचेतन के मामले में जानवर को बेहोश करने के लिए उपयोग की जाने वाली दवाओं और डार्ट्स, ऑपरेशन में शामिल टीम के सुरक्षा पहलुओं और रेडियो कॉलर लगाने के बाद बाघ को वन में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया का उल्लेख है।

ऑपरेशन से पहले, जानवर की शारीरिक और भावनात्मक स्थिति, प्रक्रिया की अवधि, पर्यावरणीय परिस्थितियां, इलाका/भागने का आश्रय, उपकरण उपलब्धता, दवा की उपयुक्तता, और सबसे महत्वपूर्ण, ऑपरेटर/टीम की सुरक्षा जैसे पहलुओं पर विचार किया जाना है।

बाघ को पकड़ने के बाद, उसे रेडियो कॉलर लगाकर वन में छोड़ा जाना है। इसलिए जानवर को बेहोश करना अनिवार्य है; यह अब एक आम प्रथा है,ङ्कङ्क इमरान ने जोड़ा।

वन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धाराओं 11 और 12 के तहत, वन अधिकारियों के अनुसार, मानव जीवन या संपत्ति को सिद्ध खतरा होने पर ही बेहोश करना, पकड़ना, या स्थानांतरित करना जैसे हस्तक्षेप किए जा सकते हैं। यदाद्रि भुवनगिरी, सिद्दीपेट और जंगांओ में घूम रहे बाघ के मामले में, कई जगहों पर पिंजरे लगाए गए थे; बाघ को पकड़ा नहीं जा सका। यह मवेशियों को मार रहा है और मनुष्यों के लिए खतरा है और बाघ के लिए भी जोखिम है क्योंकि यह जीवित बिजली आपूर्ति लाइनों वाले खेतों में घूम रहा है। इसलिए, हम इसे बेहोश करके एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने का प्रयास कर रहे हैं ।

बाघ को स्थानांतरित करना एक और चुनौती है क्योंकि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि इसे किसी अन्य बाघ के क्षेत्र में न छोड़ा जाए, जो फिर से बाघ-बाघ संघर्ष का कारण बन सकता है।

मंचेरियाल में कम अंतर से कई उम्मीदवारों को मिली जीत

मंचेरियाल, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल नगर निगम (एमएमसी) के हालिया चुनावों में कई उम्मीदवारों ने मामूली अंतर से जीत हासिल की, जिनकी मतगणना शुक्रवार को हुई। नवगठित एमएमसी में कई वार्डों में जीत का अंतर इतना कम रहा कि प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में रोमांच और तनाव दोनों देखने को मिला।

डिवीजन 57 में भाजपा उम्मीदवार को मात्र 12 वोटों से मिली जीत

डिवीजन 57 से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे गजुला मुकेश गौड़ को उम्मीद थी कि चुनाव में उनकी जीत आसान होगी। उन्होंने जमकर प्रचार भी किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी प्रचार किया और मुकेश गौड़ की उम्मीदवारी का समर्थन करते हुए कहा कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो उन्हें महापौर चुना जाएगा। हालांकि मुकेश ने मात्र नौ वोटों के मामूली अंतर से जीत हासिल की। उनके प्रतिद्वंदी ने वोटों की दोबारा गिनती की मांग की, लेकिन मुकेश को तीन और वोट मिल गए, जिससे उनकी जीत का अंतर 12 वोटों तक पहुंच गया। उन्हें 948 वोट मिले जबकि उनके

प्रतिद्वंदी को 936 वोट मिले। मुकेश 2020 से 2024 के बीच मंचेरियाल नगरपालिका के उपाध्यक्ष थे, इससे पहले कि 2025 में कांग्रेस ने इस नगर निकाय पर कब्जा कर लिया।

इसी तरह कांग्रेस द्वारा मंडल संख्या 56 से मैदान में उतारे गए मंचेरियाल नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष नल्ला शंकर को भाजपा के वेंगाला कोमुरैया पर 62 वोटों के मामूली अंतर से ही संतोष करना पड़ा। कोमुरैया के अनुरोध पर वोटों की पुनर्गणना एक बार नहीं बल्कि दो बार की गई। शंकर को 1,062 वोट मिले जबकि कोमुरैया को 1,002 वोट प्राप्त हुए।

क्याथानापल्ली नगरपालिका में बीआरएस को बेहद संकरे अंतर से जीत

क्याथानापल्ली नगरपालिका के वार्ड नंबर 11 से बीआरएस के उम्मीदवार बोम्मा भूमैया गौड़ ने महज तीन वोटों के अंतर से जीत हासिल करके राहत की सांस ली। भूमैया को 384 वोट मिले जबकि कांग्रेस के बुरकाला विक्रम को 381 वोट मिले, जिससे कई लोग आश्चर्यचकित रह गए। इसी तरह वार्ड नंबर 14 से चुनाव लड़ रहे बीआरएस के एक अन्य उम्मीदवार कोप्पी राजशेखर ने मात्र चार वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

ये संकरे अंतर वाली जीतें दर्शाती हैं कि मंचेरियाल और आसपास के क्षेत्रों में स्थानीय चुनाव कितने कड़े और प्रतिस्पर्धी रहे। प्रत्याशियों और दलों के लिए यह नतीजे न केवल जीत का जश्न मनाने का मौका हैं, बल्कि भविष्य की रणनीतियों पर भी गहरा प्रभाव डालेंगे।

मंचेरियाल कवाल टाइगर रिजर्व में पांच साल बाद दिखा पृथ्वी पर सबसे तेज दौड़ने वाला पक्षी पेरेग्रीन फाल्कन

मंचेरियाल, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । पांच साल के अंतराल के बाद हाल ही में कावल टाइगर रिजर्व में आयोजित एशियाई जलपक्षी सर्वेक्षण के दौरान एक वन्यजीव शोधकर्ता ने एक पेरेग्रीन फाल्कन (फाल्को पेरेग्रीनस) को देखा और उसकी तस्वीर खींची।

शोधकर्ता डॉ. वेंकट अनागंधुला, जो हैदराबाद टाइगर कंजर्वेशन सोसाइटी के समन्वयक भी हैं, ने दावा किया कि सर्वेक्षण के दौरान उन्होंने पक्षी को कावल के अंतर्गत जनाराम रेंज में किस्तापुर झील के पास एक मोबाइल टावर पर बैठे देखा था। उन्होंने बताया कि इस पक्षी को आखिरी बार 2021 में इस अभ्यारण्य में देखा गया था, यानी लगभग पांच साल बाद।

शोधकर्ता के अनुसार पेरेग्रीन फाल्कन दुनिया के सबसे खूबसूरत और शक्तिशाली शिकारी पक्षियों में से एक है। यह अपने मजबूत पंखों और मांसल पैरों के लिए जाना जाता है, जो इसे बहुत अधिक ऊंचाई पर उड़ने और प्रवास के दौरान लंबी दूरी तय करने में सक्षम बनाते हैं। शिकार करते समय यह 320 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति प्राप्त कर सकता है।

पेरेग्रीन फाल्कन अंटार्कटिका को छोड़कर सभी महाद्वीपों पर पाए जाते हैं। अपने व्यापक वितरण और अद्भुत गति के कारण इन्हें अक्सर दुनिया का सबसे तेज़ पक्षी कहा जाता है। ये सर्दियों के मौसम में प्रवास करते हैं और दुनिया के उत्तरी भागों से गर्म दक्षिणी क्षेत्रों की ओर यात्रा करते हैं। अक्टूबर

और नवंबर के बीच इनमें से कई पक्षी भारत, पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका जैसे देशों में चले जाते हैं। वे ठंड के महीनों में इन क्षेत्रों में रहते हैं और मार्च और अप्रैल में तापमान बढ़ने पर अपने मूल प्रजनन क्षेत्रों में लौट आते हैं। वे मुख्य रूप से उत्तर की कठोर सर्दियों से बचने के लिए प्रवास करते हैं।

डॉ. वेंकट अनागंधुला ने इस दुर्लभ दर्शन को कावल टाइगर रिजर्व की जैव-विविधता के लिए सकारात्मक संकेत बताया है, जो बताता है कि अभ्यारण्य अभी भी प्रवासी पक्षियों के लिए आकर्षक बना हुआ है।

यह खोज एशियाई जलपक्षी सर्वेक्षण के दौरान हुई, जिसमें कावल में 70 से अधिक पक्षी प्रजातियों का रिकॉर्ड किया गया है।

यह घटना वन्यजीव प्रेमियों और संरक्षणकर्ताओं के लिए उत्साहजनक है, क्योंकि पेरेग्रीन फाल्कन जैसी प्रजाति का पुनः आगमन पर्यावरणीय संतुलन और अभ्यारण्य की स्वस्थ स्थिति को दर्शाता है।

मेले में भीख मंगवाए जा रहे छह मासूमों को कराया गया मुक्त

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

कागजनगर के पास ईसगाँव गाँव में स्थित प्राचीन श्री शिवमल्लन्ना स्वामी देवस्थानम में आयोजित मेले से रविवार को छह बच्चों को रेस्क्यू किया गया, जिन्हें वहां भीख माँगने के लिए मजबूर किया गया था।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी बुर्ला महेश ने एक बयान में बताया कि महात्मा गांधी की वेशभूषा में सजे इन छह बच्चों से मेले में जबरन भीख मंगवाई जा रही थी। बाल हेल्पलाइन के सदस्यों, पुलिस और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की मदद से किए गए निरीक्षण के दौरान इन बच्चों को सुरक्षित बचाया गया। रेस्क्यू के बाद बच्चों और उनके माता-पिता की काउंसलिंग की गई और उन्हें शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

अधिकारी महेश ने स्पष्ट रूप से कहा कि बच्चों का उपयोग भीख माँगने या काम के लिए करना उनके मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन है।

उन्होंने चेतावनी दी कि जो माता-पिता या अभिभावक बच्चों को भीख माँगने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, उनके खिलाफ किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत मामले दर्ज किए जाएंगे। ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस विशेष निरीक्षण अभियान में ईसगाँव के उप-निरीक्षक कल्याण, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के जिला सचिव वी. श्याम राव, स्काउट मास्टर एम. मल्लेश, बाल हेल्पलाइन पर्यवेक्षक झांसी, केस वर्कर वेंकटेश्वरलू, नेशनल कैडेट कोर के स्वयंसेवकों और बाल कल्याण विभाग के कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जगित्याल में अज्ञात हमलावरों ने की युवक की बेरहमी से हत्या

जगित्याल, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगित्याल बाईपास रोड पर रविवार को अज्ञात व्यक्तियों ने 30 वर्षीय युवक, बोले विश्वनाथ की हत्या कर दी। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

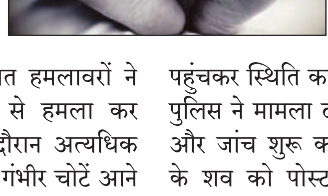

जगित्याल मंडल के पोरंदला गांव का निवासी विश्वनाथ जब बाईपास रोड पर था, तब दो अज्ञात हमलावरों ने उस पर लाठियों से हमला कर दिया। हमले के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होने और गंभीर चोटें आने के कारण विश्वनाथ की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुछ समय पहले हुए व्यक्तिगत विवाद और पुरानी रंजिश को इस हत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस इस कोण से मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जगित्याल के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने जल्द ही दोषियों को पकड़ने का आश्वासन दिया है।

मंचेरियाल में शिव मंदिर की पहाड़ी पर चढ़ाई करते समय श्रद्धालु की हृदयाघात से मृत्यु

मंचेरियाल, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वार्षिक महाशिवरात्रि उत्सव के अवसर पर रविवार को जयपुर मंडल के वेलाला गांव में स्थित श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में दर्शन के लिए पहाड़ी पर चढ़ाई करते समय एक 45 वर्षीय श्रद्धालु की हृदयाघात से मृत्यु हो गई।पुलिस के अनुसार, नासपुर मंडल मुख्यालय निवासी बिंगी राजेंद्र को चढ़ाई के दौरान अचानक सीने में तेज दर्द हुआ और वे बेहोश होकर गिर पड़े। परिजनों और अन्य श्रद्धालुओं की सहायता से उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।बताया गया कि घटना के समय वे अपने परिवार के साथ पहाड़ी की चोटी पर स्थित श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे।वेलाला स्थित यह मंदिर मंचेरियाल जिले में भगवान शिव का एक प्रमुख आस्था केंद्र है। महाशिवरात्रि के अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा पड़ोसी पेद्दापल्ली जिले और महाराष्ट्र से भी हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

1 ओवर में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय बैटर में ईशान शामिल

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की ओर से टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की प्रतिष्ठित सूची में अब ईशान किशन का नाम भी जुड़ गया है। नामीबिया के खिलाफ एक ओवर में उनके चार शानदार छक्कों ने उन्हें उन भारतीय खिलाड़ियों की कतार में खड़ा कर दिया है, जिनके नाम टी20 में एक ओवर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड दर्ज है।

इस सूची में सबसे ऊपर हैं दिग्गज बल्लेबाज युवराज सिंह, जिन्होंने साल 2007 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही ओवर में 6 छक्के लगाकर इतिहास रच दिया था। यह रिकार्ड आज तक कोई भारतीय बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है और यह कारनामा विश्व क्रिकेट की सबसे यादगार उपलब्धियों में से एक माना जाता है। दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से तीन भारतीय बल्लेबाज हैं रोहित शर्मा, रिन्कु सिंह और संजय सैमसन।

रोहित और रिंकू ने अफगानिस्तान के खिलाफ एक ओवर में 5 छक्के उड़ाए थे, जबकि संजू सैमसन ने बांग्लादेश के खिलाफ 2024 में 5 गेंदों पर 5 छक्के जड़कर इस रिकार्ड की बराबरी की थी। चार छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची भी काफी दिलचस्प है। इस ग्रुप में सूर्यकुमार यादव, जिसने हांगकांग के खिलाफ एक ओवर में चार छक्के जड़े, और अक्षर पटेल तथा सूर्यकुमार की श्रीलंका के खिलाफ साझेदारी वाली पारी भी शामिल है। रोहित शर्मा का नाम भी इस श्रेणी में दोबारा आता है, जिन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ एक ओवर में चार छक्के ठोक दिए थे।

अब इसी प्रतिष्ठित सूची में ईशान किशन भी शामिल हो गए हैं। नामीबिया के खिलाफ उनके चार छक्कों वाली पारी ने न केवल भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई बल्कि उन्हें टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक खास उपलब्धि भी दिला दी। ईशान का यह प्रदर्शन बताता है कि वह टीम इंडिया के लिए कितने आक्रामक और मैच विनिंग खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। भारत के इन बल्लेबाजों की यह उपलब्धियां दर्शाती हैं कि टीम के पास कितने विस्फोटक हिटर मौजूद हैं, जो किसी भी समय मैच का रुख पलट सकते हैं।

एक ओवर में सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले भारचीय बल्लेबाज

- 6 – युवराज बनाम इंग्लैंड (666666)
- 5 – रोहित/रिंकू(मिलकर) बनाम अफगानिस्तान (46नोबाल61666)
- 5 – सैमसन बनाम बांग्लादेश (066666)
- 4 – सूर्या बनाम हांगकांग (666062)
- 4 – अक्षर/सूर्या (मिलकर) बनाम श्रीलंका (666161)
- 4 – रोहित बनाम श्रीलंका (106व्हाईट66 6)
- 4 – रोहित बनाम आस्ट्रेलिया (664606)
- 4 – ईशान बनाम नामीबिया (0 6 6 6 6 4)हैं।

न्यूज ब्रीफ

23 साल की उम्र में मिली कप्तानी थी सबसे कठिन परीक्षा : जेसन होल्डर, अब टी20 विश्व कप 2026 में चमक रहे हैं

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के अनुभवी आलराउंडर जेसन होल्डर ने खुलासा किया है कि महज 23 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी संभालना उनके करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव था। होल्डर ने कहा कि उन्हें उस समय पता ही नहीं था कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसके साथ चयन प्रक्रियाएं, प्रशासनिक मुद्दे और मैदान के बाहर अनेक दबाव भी जुड़े होते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अगर पहले जान पाते कि कप्तानी कितनी बड़ी जिम्मेदारी है, तो शायद इतनी जल्दी यह भूमिका नहीं निभाते। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन कठिन परिस्थितियों ने ही उन्हें मजबूत बनाया और उसी अनुभव ने उन्हें आज का इंसान बनाया है। होल्डर ने बताया कि शुरुआत में वह कप्तानी को सरल मानकर चले थे, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, उन्हें समझ आया कि वास्तविक चुनौतियां पिच के बाहर ज्यादा होती हैं। खिलाड़ियों को साथ लेकर चलना, टीम के चयन पर बातचीत, बोर्ड की अपेक्षाओं को संभालना और लगातार आलोचनाओं से जूझना उनके लिए मानसिक रूप से बेहद कठिन रहा। इसके बावजूद उन्होंने भरोसा नहीं खोया और जिम्मेदारी निभाते हुए टीम में अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखने की कोशिश की।

राउरकेला में बेल्जियम ने भारत को 4-2 से हराया, पेनल्टी कार्नर बने निर्णायक

राउरकेला। एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में भारत को बेल्जियम के खिलाफ रीमैच में 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले में बेल्जियम ने पहले हाफ में आक्रामक खेल दिखाते हुए बढ़त बना ली, जिसे भारत दूसरे हाफ में पूरी तरह पाट नहीं सका। बेल्जियम की पुरुष हाकी टीम ने शुरुआत से दबाव बनाया और पेनल्टी कार्नर का बेहतरीन उपयोग किया। 11वें मिनट में ह्यूगो लाबुचेरे ने पेनल्टी कार्नर पर गोल कर खाता खोला। इसके बाद अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 14वें और 17वें मिनट में दो ड्रैग-फ्लिक गोल कर बढ़त 3-0 कर दी। पहले क्वार्टर के अंत में आर्थर डी स्लोवर ने एक और गोल जोड़कर स्कोर 4-0 कर दिया। चार गोल से पिछड़ने के बाद भारतीय हाकी टीम ने वापसी की कोशिश की। 24वें मिनट में आदित्य लालगे ने रीबाउंड पर गोल कर अंतर कम किया। तीसरे क्वार्टर में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर स्कोर 4-2 कर दिया। भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने कई अहम बचाव किए, जबकि बेल्जियम के गोलकीपरलोइक वैन डोरेन ने भी बढ़त को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई। अंतिम क्वार्टर में भारत ने तेज खेल दिखाया, लेकिन बेल्जियम की सुदृढ़ रक्षा पंक्ति ने कोई और मौका नहीं दिया। यह मुकाबला एफआईएच पुरुष प्रो लीग के तहत बिरसा मुंडा हाकी स्टेडियम में खेला गया। इस जीत के साथ बेल्जियम ने राउरकेला चरण में भारत पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

प्रमोद भगत ने रचा नया इतिहास, मनामा में जीता करियर का छठा विश्व खिताब

नई दिल्ली। भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने मनामा में आयोजित प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ पैरा

बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में एक बार फिर कमाल करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया और इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। 37 वर्षीय भगत ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान को 21-12, 21-18 से हराकर लगातार चौथा और कुल छठा विश्व खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे सफल एकल खिलाड़ी बन गए हैं। एसएल3 वर्ग में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। प्रमोद भगत पांच वर्ष की उम्र में पोलियो से प्रभावित हुए थे, लेकिन उन्होंने इस कमजोरी को अपनी ताकत में बदलकर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में पहले ही स्वर्ण जीत चुके भगत का यह नया खिताब उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है। यह जीत इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि प्रमोद हाल ही में डोपिंग रोधी नियमों के वेयरअबाउट्स उल्लंघन के कारण 18 महीने के निलंबन से लौटे हैं। इस निलंबन की वजह से वह 2024 पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा नहीं ले पाए थे।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

वेस्ट इंडीज ने नेपाल को नौ विकेट से हराया

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप में वेस्ट इंडीज ने जेसन होल्डर की घातक गेंदबाजी और शाई होप के शानदार अर्धशतक की बदौलत नेपाल को 9 विकेट से रौंद दिया। इस प्रभावशाली जीत के साथ, वेस्ट इंडीज सुपर एट चरण में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई, जबकि नेपाल की उम्मीदें समाप्त हो गईं।जेसन होल्डर के चार विकेट और कप्तान शाई होप की 44 गेंदों पर 61 रनों की पारी की बदौलत वेस्ट इंडीज ने रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 25वें मैच में नेपाल को नौ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही कैरेबियन टीम सुपर एट में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। नेपाल आधिकारिक तौर पर सुपर एट की दौड़ से बाहर हो गया है। शाई होप की अगुवाई वाली वेस्ट इंडीज ने 134 रनों के मामूली लक्ष्य को महज 15.2 ओवरों में हासिल कर एशियाई टीम पर आसान जीत दर्ज की।

ब्रैंडन किंग (17 गेंदों पर 22 रन) और होप (44 गेंदों पर 61 रन नाबाद) ने पहले विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। इसके बाद शिमरोन हेटमायर (32 गेंदों पर 46 रन नाबाद) होप के साथ जुड़े और वेस्ट इंडीज को जीत की ओर ले गए। इससे पहले, टॉस जीतकर वेस्ट इंडीज ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और स्पिनर अकील हुसैन से गेंदबाजी की शुरुआत की। कुशल भुरटेल और आसिफ शेख ने नेपाल की ओर से पारी की शुरुआत की। नेपाल के लिए शुरुआत बेहद खराब रही क्योंकि मैच के पहले ही ओवर की पांचवीं गेंद पर हुसैन ने कुशल भुरटेल को एक रन पर आउट कर दिया।कप्तान रोहित पौडेल चौथे ओवर में मात्र पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जब मैथ्यू फोर्डे की गेंद पर पैड पर गेंद लगने से वे एलबीडब्ल्यू हो गए। पावरप्ले में ही नेपाल ने अपना तीसरा विकेट जेसन होल्डर के हाथों गंवा दिया। आसिफ शेख (11) ने शुरुआत में दो चौके लगाए। नेपाल पावरप्ले के अंत तक तीन महत्वपूर्ण विकेट खोकर 22 रन पर ढेर हो गया।

पावरप्ले के बाद, शानदार फॉर्म में चल रहे गेंदबाज जेसन होल्डर ने आरिफ शेख को दो रन पर आउट कर दिया।

लोकेश बाम के 13 रन पर शमर जोसेफ द्वारा आउट होने के बाद, नेपाल का स्कोर 11वें ओवर में 46-5 था। छठे विकेट के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी और गुलसन झा के बीच 23 रनों की छोटी साझेदारी हुई, जिसके बाद गुलसन 11 रन बनाकर रोस्टन चेस के हाथों क्लीन बोल्ड हो गए। नेपाल की पारी में दीपेंद्र ही एकमात्र सकारात्मक खिलाड़ी रहे। उन्होंने सोमपाल कामी के साथ सातवें विकेट के लिए 54 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी में अहम भूमिका निभाई। यह साझेदारी तब समाप्त हुई जब दीपेंद्र 47 गेंदों में 58 रन बनाकर होल्डर की गेंद पर आउट हो गए। नेपाल ने अपनी पारी 133/8 के स्कोर पर समाप्त की।

कपिल देव ने अभिषेक शर्मा की आक्रामक बल्लेबाजी की तारीफ की, लेकिन दी महत्वपूर्ण चेतावनी

नई दिल्ली

भारत के पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की धमाकेदार बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की है। नई दिल्ली स्थित कुतुब गोल्फ कोर्स में आयोजित डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैम्पियनशिप 2026 के दौरान मीडिया से बातचीत में कपिल देव ने कहा कि पहली ही गेंद पर बड़ा शाट खेलने की क्षमता हर खिलाड़ी में नहीं होती और अभिषेक इस कौशल के साथ अलग पहचान रखते हैं। कपिल ने कहा, अगर कोई पहली गेंद पर छक्का मार सकता है तो क्यों नहीं यह असाधारण क्षमता है। यदि वह अगले दो-तीन साल तक इसी तरह प्रदर्शन करता रहा, तो उसे महान खिलाड़ियों की सूची में रखा जाएगा। हालांकि कपिल देव ने उनकी बल्लेबाजी की प्रशंसा के साथ एक महत्वपूर्ण चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि प्रतिभा शुरुआत में मदद करती है, लेकिन लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टिकने के लिए निरंतर सुधार जरूरी है। उनके मुताबिक, पहले साल खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के दम पर चलता है, दूसरे साल भी काम चल जाता है, लेकिन तीसरे साल तक गेंदबाज उसकी कमजोरियों को पहचान लेते हैं। ऐसे में खिलाड़ी को अपने खेल में लगातार नई चीजें जोड़नी पड़ती हैं, वरना प्रदर्शन गिर सकता है।अभिषेक शर्मा के आंकड़े भी उनके प्रभाव को साबित करते हैं। 2024 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले अभिषेक अब तक 39 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिनमें उन्होंने 1,297 रन बनाए हैं। उनका औसत 36 और स्ट्राइक रेट 136 है। उन्होंने 123 चौके और 88 छक्के लगाकर भारत को तेज शुरुआत देने वाले महत्वपूर्ण बल्लेबाज के रूप में खुद को स्थापित किया है। कपिल देव ने क्रिकेट के साथ अन्य खेलों को प्रोत्साहन देने की भी बात कही। प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया (पीजीटीआई) के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कहा कि क्रिकेट देश में बहुत आगे बढ़ चुका है, लेकिन बाकी खेलों को भी समान समर्थन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है, लेकिन हमें अन्य खेलों की जिम्मेदारी भी खुद उठानी होगी। हर बात के लिए सरकार की ओर देखना सही नहीं है। कपिल देव के शब्द युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा भी हैं और चेतावनी भी कि निरंतर सुधार ही सफलता की असली कुंजी है।

तारिक एक सामान्य ऑफ-स्पिनर गेंदबाज : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि उस्मान तारिक एक सामान्य आफ-स्पिनर गेंदबाज हैं। गांगुली के अनसुार वह थोड़ा ब्रेक लेने के बाद ही गेंद छोड़ते हैं पर इसके बाद भी उन्हें खेलना मुश्किल नहीं है। तारिक ने अब तक सिर्फ चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11 विकेट लिए हैं जिससे उन्हें खतरनाक गेंदबाज मान लिया गया है। उन्होंने कहा, तारिकएक आफ-स्पिनर है और वह बस रुक-रुक कर गेंदबाजी करता है। उसे खेलने में किसी को परेशानी नहीं आने चाहिये। साथ ही कहा कि पाक टीम अब पहले जैसी नहीं रही। एक समय इंजमाम उल हक, सईद अनवर, मोहम्मद यूसुफ, वसीम अकरम, वकार यूनिस) जैसे खिलाड़ी जब टीम में थे तब बात अलग थी। तारिका की गेंदबाजी पर काफी सवाल उठे हैं। विश्वप कप से पहले आस्ट्रेलियाई टीम ने भी उसपर सवाल उठाये थे हालांकि आईसीसी ने अभी इस मामले में कोई फैसला नहीं लिया है।

बीसीसीआई के नियम का उल्लंघन कर रहे पांड्या

टी20 विश्वकप के दौरान गर्लफ्रेंड महिका के साथ नजर आये

कोलंबो, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के आलराउंडर हार्दिक पांड्या टी20 विश्कवप के लिए अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ कोलंबो पहुंच हैं। जिसके कारण वह निशाने पर आ गये हैं। इसका कारण है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने क्रिकेटरों को अपने परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं दी है। भारतीय टीम यहां पाकिस्तान के साथ मुकाबले के लिए जब पहुंची तो महिला भी हार्दिक के साथ थी। पांड्या महिका का हाथ पकड़कर एयरपोर्ट से बाहर आये।

ऐसे में अब बोर्ड के परिवार को साथ नहीं रखे जाने नियम पर भी सवाल उठे हैं। इससे पहले नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद दिल्ली में हार्दिक और महिका को होटल में एक साथ देखा गया था। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर ये भी कहा जाने लगा कि हार्दिक बोर्ड के नियम का खुलेआम उल्लंघन करते हैं। बीसीसीआई के परिवार को बनाये नियम के अनुसार 45 दिनों से ज्यादा लंबे टूर पर ही खिलाड़ी अपने साथ अपने परिवार को रख सकते हैं। केवल इतना ही नहीं, इस 45 दिनों के टूर में भी खिलाड़ी अधिक से अधिक 14 दिन ही परिवार को साथ रख सकेंगे। आईसीसी टी20 विश्व कप 45 दिनों त नहीं चलने वाला है। ऐसे में यहां बीसीसीआई का नियम सख्ती से लागू नहीं किया जा सकता है पर खिलाड़ियों के जो भी परिजन पहुंचने हैं। उनके लिए व्यवस्था बोर्ड नहीं करता बल्कि उन्हें अपना इंतजान स्वयं करना होता है। उन्हें टीम होटल में साथ रुकने की अनुमति नहीं है। ये नियम इसलिए बनाया गया है जिससे खिलाड़ी का ध्यान अपने खेल पर ही रहे। वहीं हार्दिक बोर्ड के नियम के खिलाफ जाकर अपनी गर्लफ्रेंड के साथ होटल में पहुंचे। टीम इंडिया के कोलंबो पहुंचने का वीडियो सामने आया है, इसमें देखा गया है कि कोच गौतम गंभीर सहयोगी स्टाफ के साथ ही किसी उतरे पर पांड्या महिका के साथ दिखे जबकि नियम ये है कि परिवार या किसी करीबी के पहुंचने पर उसका इंतजाम कहीं और किया जाये।

युजवेंद्र चहल के नए ऐड पर बवाल, शुगर डैडी रेफरेंस से भड़के लोग

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह मैदान पर उनकी गेंदबाज़ी नहीं, बल्कि एक नया विज्ञापन है जो सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा कर चुका है। चहल की निजी जिंदगी पिछले कई महीनों से सुर्खियों में रही है। पिछले साल उन्होंने अपनी पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक लिया था। तलाक की अंतिम सुनवाई के दिन वह शुगर डैडी लिखी टी-शर्ट पहनकर पहुंचे थे, जिसने सोशल मीडिया पर खूब हलचल मचाई थी। अब उसी संदर्भ का इस्तेमाल उन्होंने एक नए ऐड में किया है, जिसे लेकर लोग नाराज़ हैं। माइक्रो-ड्रामा प्लेटफ़ार्म स्टोरी टीवी के साथ एक प्रमोशनल कैंपेन में चहल को चीफ स्टोरी आफिसर के रूप में दिखाया गया है। ऐड के एक सीन में वह अपने आफिस में प्रवेश करते हुए नजर आते हैं और पीछे दीवार पर लिखा होता है जीरो शुगर (डैडी) डाइट। एक अन्य सीन में वह एक सेलेब्रिटी कपल के गंदे तलाक और गुजारा

भत्ते पर चर्चा करते दिखते हैं। दर्शकों ने तुरंत इसे चहल की अपनी निजी जिंदगी पर तंज के रूप में जोड़ा। सोशल मीडिया पर इसे घटिया , असंवेदनशील और बिलो द लाइन कहा जा रहा है। कई यूजर्स का कहना है कि चहल जानबूझकर अपने तलाक को मार्केटिंग एंगल के रूप में उपयोग कर रहे हैं। रेडिट और एक्स (ट्विटर) पर शेयर किए गए स्क्रीनशाट्स में लोग चहल पर भड़के नजर आए। एक यूजर ने लिखा, शुगर डैडी वाला रेफरेंस किसी ऐड में डालना बेहद लो-क्लास है। दूसरे ने चहल पर आरोप लगाया कि वे केवल अपनी नेटवर्थ को चर्चा का केंद्र बनाकर लो सेल्फ-एस्टीम दिखा रहे हैं। वहीं एक यूजर ने तंज कसते हुए कहा, क्रिकेट में अब ज्यादा कुछ बचा नहीं, इसलिए वह तलाक को ज्यादा से ज्यादा भुना रहे हैं। यह विवाद उस घटना से जुड़ा है जब चहल ने बी योर ओन शुगर डैडी टी-शर्ट पहनकर अदालत में एंट्री मारी थी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर धनश्री को गोल्ड-डिगर तक कहा गया था। धनश्री ने बाद में इसे पब्लिक स्पेक्टेकल और दर्दनाक बताते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी थी। चहल और धनश्री ने दिसंबर 2020 में शादी की थी। 2022 से दोनों अलग रह रहे थे और 2024 में दोनों ने आपसी सहमति से तलाक ले लिया। तलाक की वजह सार्वजनिक नहीं की गई, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी के बाद रहने की जगह और करियर प्राथमिकताओं को लेकर मतभेद उभर आए थे।

जिम्बाब्वे से हारने के बाद आसान नहीं आस्ट्रेलिया की राह

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर ग्रुप बी में देखने को मिला, जब जिम्बाब्वे ने पूर्व चैंपियन आस्ट्रेलिया को 23 रन से हराकर सबको चौंका दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने दो विकेट के नुकसान पर 169 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में आस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी लाइन-अप केवल 146 रन पर ही आल आउट हो गई, जो 19.3 ओवर में पूरी हुई। इस अप्रत्याशित हार के बाद ग्रुप बी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। सह-मेजबान श्रीलंका ने अपने दोनों मैच जीतकर चार पाइंट और 3.12 के शानदार नेट रन रेट के साथ टाप पर जगह बनाई है। जिम्बाब्वे भी दोनों मैच जीतकर 1.98 के नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर है। 2007 में भी जिम्बाब्वे ने आस्ट्रेलिया को हराकर टूर्नामेंट में सनसनी फैलाई थी, और इस बार भी इतिहास दोहराया गया। तीसरे स्थान पर मौजूद आस्ट्रेलिया के लिए अब सुपर-8 में जगह पक्की करना आसान नहीं रहेगा। दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ टीम का नेट रन रेट 1.10 है। सुपर-8 में पहुंचने के लिए आस्ट्रेलिया को अपने बाकी दो मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे और उम्मीद करनी होगी कि जिम्बाब्वे या श्रीलंका को हार का सामना करना पड़े। ग्रुप की बाकी दो टीमें, आयरलैंड और ओमान, अभी भी अपनी पहली जीत की तलाश में हैं, जिससे ग्रुप बी के मुकाबले और रोमांचक बने हुए हैं।

आईपीओ से पहले स्काईवेज एयर पर 480 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

आईपीओ लाने की तैयारी कर रही दिल्ली स्थित एयर फ्रेट और लाजिस्टिक्स कंपनी स्काईवेज एयर सर्विसेज लिमिटेड के खिलाफ 480 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है। यह शिकायत यूके की पीजी पेपर कंपनी लिमिटेड द्वारा दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में कराई गई है।

यूके की पीजी पेपर कंपनी ने अपराध शाखा में दर्ज कराई एफआईआर

एफआईआर में स्काईवेज सहित कुल नौ कंपनियों और व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है। शिकायत के अनुसार, स्काईवेज समूह की सहायक कंपनियों, विशेष रूप से आरोपी संख्या 2 और 3 (ब्रेस पोर्ट लाजिस्टिक्स लिमिटेड और स्काईवेज एयरवेज लिमिटेड), ने अपने-अपने निदेशकों के माध्यम से कार्य किया और वर्तमान धोखाधड़ी और कदाचार के प्राथमिक लाभार्थी के रूप में केंद्रीय भूमिका निभाई। पीजी पेपर कंपनी लिमिटेड कागज और पैकेजिंग उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वितरण में शामिल है, और क्रास-ट्रेड शिपमेंट के माध्यम से काम करती है। कंपनी ने बैक-आफिस सपोर्ट और रियल-टाइम लाजिस्टिक्स समन्वय के लिए नई दिल्ली स्थित आरपीके कंसल्टेंट्स को नियुक्त किया था। एफआईआर में कहा गया है, सभी आरोपी कंपनियों और उनके निदेशकों का परिचय शिकायतकर्ता कंपनी से आरोपी नंबर 1, लोकेश चोपड़ा द्वारा कराया गया था, जो उस समय आरपीके कंसल्टेंट्स के माध्यम से पीजी पेपर के ग्लोबल फ्रेट प्रोक्योरमेंट मैनेजर के रूप में कार्यरत थे। उनकी सिफारिश पर उक्त कंपनियों को माल अग्रेषण विक्रेता के रूप में शामिल किया गया था। एफआईआर में जिक्र किया गया, विश्वासपात्र पद पर आसीन और प्रतिस्पर्धी माल ढुलाई दरें सुनिश्चित करने के लिए बाध्य चोपड़ा ने अपने कर्तव्य का उल्लंघन किया और आरोपी कंपनियों और उनके निदेशकों के साथ सक्रिय मिलीभगत करके शिकायतकर्ता के खिलाफ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की, जिससे लगभग 4,80,00,00,000 रुपए (लगभग चार सौ अस्सी करोड़ रुपये) का भारी व्यापारिक नुकसान हुआ। स्काईवेज एयर सर्विसेज लिमिटेड, जिसने आईपीओ के माध्यम से धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है, ने आईएएनएस को दिए एक बयान में कहा, डीआरएचपी दाखिल करने की तारीख तक यह एफआईआर अस्तित्व में नहीं थी।

न्यूज़ ब्रीफ

हीरो मोटोकार्प का स्कूटर, प्रीमियम बाइक और ईवी पर फोकस

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प अब उन क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर ध्यान दे रही है, जहां इसकी हिस्सेदारी अभी कम है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि स्कूटर,

प्रीमियम मोटरसाइकिल और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में विस्तार की बड़ी संभावना है। उनका कहना था कि तेजी से बढ़ते इन सेगमेंट में अवसरों का पूरा फायदा उठाना कंपनी की प्राथमिकता है। हीरो मोटोकार्प अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपने कदम मजबूत करने का इरादा रखती है। इसके अलावा, कलपुर्ज़ और एक्सेसरीज (स्पेयर पार्ट्स और सहायक उपकरण) के कारोबार में विस्तार कर कंपनी अपने राजस्व के नए स्रोत खोज रही है। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 12,487 करोड़ रुपये का राजस्व और 1,275 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 16.97 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे गए, जो पिछले साल इसी अवधि की 14.64 लाख इकाई की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। अधिकारी ने बताया कि कंपनी अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत और लचीला बनाए रखने पर फोकस कर रही है। उन्होंने कहा कि कलपुर्ज़ की कमी और भू-राजनीतिक चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं, लेकिन कंपनी इन परिस्थितियों से अच्छी तरह निपट रही है। हीरो मोटोकार्प प्रीमियम स्कूटर, ईवी पोर्टफोलियो और हीरो 2.0 व प्रीमिया के माध्यम से ग्राहक सेवा में सुधार और निवेश जारी रखेगी। कंपनी की रणनीति स्पष्ट है: सिर्फ बिक्री बढ़ाना ही नहीं, बल्कि उच्च-मूल्य वाले सेगमेंट और वैश्विक विस्तार में भी अपनी पकड़ मजबूत करना।

लेनोवो इंडिया का राजस्व बढ़ा, डिजिटल और एआई खंड में मजबूती, तीसरी तिमाही में 8,145 करोड़ रुपये का राजस्व मिला

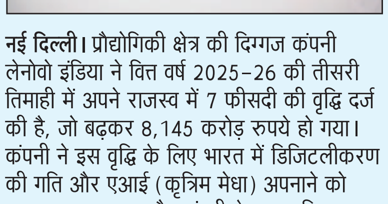

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लेनोवो इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में अपने राजस्व में 7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़कर 8,145 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने इस वृद्धि के लिए भारत में डिजिटलीकरण की गति और एआई (कृत्रिम मेधा) अपनाने को मुख्य कारण बताया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह प्रदर्शन केवल एक बार का उछाल नहीं है, बल्कि निरंतर बनी रहने वाली मांग को दर्शाता है। मोबाइल, कंप्यूटर/लैपटाप, टैबलेट और अवसंरचना खंडों में लेनोवो के विस्तृत पोर्टफोलियो ने इस वृद्धि को बल दिया। आईडीसी के आंकड़ों के अनुसार मोटोरोला ने इस तिमाही में भारत में 8.3 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल की। इसके अलावा लेनोवो के कंप्यूटर/लैपटाप व्यवसाय और सर्वर एवं अवसंरचना खंड ने भी सालाना दहाई अंकों में वृद्धि दर्ज की। अधिकारी ने बताया कि भारत की वैश्विक राजस्व में हिस्सेदारी लगभग 4 फीसदी, जबकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में यह 24 फीसदी है। भारत केवल राजस्व केंद्र नहीं, बल्कि विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास और एआई प्रतिभा विकास का भी मुख्य केंद्र बन रहा है। सरकार की पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना जैसी पहलें इस तंत्र को और मजबूत कर रही हैं। कंपनी का मानना है कि डिजिटलीकरण और एआई अपनाने की गति आने वाले वर्षों में व्यवसायिक विकास को और तेज करेगी।

यूनिलीवर का भारत में कारोबार मजबूत, होम केयर खंड में बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली । ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता सामान कंपनी यूनिलीवर ने कहा है कि अमेरिका के बाद उसका दूसरा सबसे बड़ा बाजार भारत में कारोबार की बुनियादी स्थिति में सुधार हो रहा है। कंपनी के चौथी तिमाही के नतीजों में यह बात सामने आई। यूनिलीवर ने बताया कि होम केयर खंड में 4.7 प्रतिशत की अंतर्निहित बिक्री वृद्धि और 4 प्रतिशत की बिक्री मात्रा में वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी के अनुसार, यह वृद्धि भारत में उत्पादों की लगातार मजबूत खपत के कारण संभव हुई। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि होम केयर खंड में फैब्रिक वाश और घरेलू देखभाल उत्पादों के अच्छे प्रदर्शन के दम पर भारत में बिक्री की मात्रा मध्यम एकल अंक में बढ़ी। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी ने अब तक की सबसे बड़ी बाजार हिस्सेदारी हासिल की। फर्नांडीस ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका और भारत यूनिलीवर के लिए स्पष्ट रूप से एंकर मार्केट (मुख्य आधार बाजार) हैं। यूनिलीवर के लिए भारत न केवल बिक्री में वृद्धि का स्रोत बन रहा है, बल्कि कंपनी की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में भी मदद कर रहा है।

संसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का मार्केट कैप तीन लाख करोड़ से अधिक घटा

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत बढ़ गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 90,198.92 करोड़ रुपये घटकर 9,74,043.43 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 70,780.23 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,55,287.72 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 54,627.71 करोड़ रुपये घटकर 13,93,621.92 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 41,883 करोड़ रुपये घटकर 19,21,475.79 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 23,971.74 करोड़ रुपये घटकर 5,46,226.80 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 19,244.61 करोड़ रुपये घटकर 11,43,044.03 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के विपरीत एसबीआई का मूल्यांकन 1,22,213.38 करोड़ रुपये बढ़कर 11,06,566.44 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 26,414.44 करोड़ रुपये बढ़कर 6,37,244.64 करोड़ रुपये हो गई। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 14,483.9 करोड़ रुपये बढ़कर 5,74,028.93 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 5,719.95 करोड़ रुपये बढ़कर 10,11,978.77 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमश: एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस और एलआईसी का स्थान रहा।

आईटी सेक्टर निफ्टी 50 में 26 साल के निचले स्तर पर, आयल और बीएफसी आगे

नई दिल्ली। देश के सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र के लिए मौजूदा वित्त वर्ष निराशाजनक रहा है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक जैसी बड़ी आईटी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट का असर निफ्टी 50 इंडेक्स में भी दिखाई दे रहा है। निफ्टी 50 में आईटी सेक्टर का वेटेज घटकर 8.8 फीसदी रह गया है, जो मार्च 1999 के बाद सबसे कम स्तर है। मार्च 2025 में यह 11.7 फीसदी था, जबकि महामारी के दौरान मार्च 2021 में 16.2 फीसदी तक पहुंचा था। फिलहाल निफ्टी 50 में पांच आईटी कंपनियां हैं, जिनमें सबसे अधिक वेटेज इन्फोसिस (3.97 फीसदी) और टीसीएस (2.27 फीसदी) का है। आईटी सेक्टर अब निफ्टी 50 में तीसरे स्थान पर खिसक गया है। आयल और गैस सेक्टर, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल है, ने इसे पीछे छोड़ दिया है। इस सेक्टर की हिस्सेदारी वर्तमान में 9.2 फीसदी है। वहीं बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर का दबदबा बढ़कर 36.5 फीसदी हो गया है। यह पिछले साल 35.6 फीसदी था। वित्त वर्ष 2025-26 में आईटी शेयरों का प्रदर्शन व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स, जो देश की 10 प्रमुख आईटी कंपनियों के फ्री फ्लोट मार्केट कैप को ट्रैक करता है, पिछले साल मार्च से अब तक 11.4 फीसदी गिर चुका है। इसके विपरीत निफ्टी 50 इसी अवधि में 8.3 फीसदी बढ़ा है। दिसंबर 2024 में निफ्टी आईटी का सर्वकालिक उच्च स्तर 43,338 फीसदी था, अब यह उस स्तर से लगभग 26 फीसदी नीचे है। शुक्रवार को निफ्टी आईटी 32,681 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 25,478.9 पर बंद हुआ।

सुप्रीम कोर्ट की रेरा पर सख्ती, रियल एस्टेट सेक्टर में बढ़ेगी जवाबदेही

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (रेरा) के कामकाज पर गंभीर टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि कई राज्यों में प्राधिकरण डिफाल्टर बिल्डर्स को राहत देते दिख रहे हैं, जबकि उनका मुख्य उद्देश्य खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि यदि प्राधिकरण प्रभावी ढंग से कार्य नहीं करते, तो रेरा के अस्तित्व पर पुनर्विचार आवश्यक हो सकता है।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि अब केवल कानून का होना पर्याप्त नहीं है; उसका ईमानदार और कड़ा प्रवर्तन जरूरी है। राज्यों के रेरा प्राधिकरणों को परियोजनाओं की

निवेशक और खरीदार जिम्मेदार और संगठित कंपनियों की ओर आकर्षित होंगे

समयसीमा की निगरानी, एस्क्रो खातों का पारदर्शी उपयोग और लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना होगा। इससे खरीदारों का भरोसा बढ़ेगा और बाजार में पारदर्शिता आएगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद रेरा प्राधिकरणों पर दबाव बढ़ेगा कि शिकायतों का निपटारा तेजी और पारदर्शिता के साथ करें। इससे घर खरीदारों के अधिकार सुरक्षित होंगे और उनकी उम्मीदों पर खरी उतरी जाएगी। विश्लेषकों के अनुसार, सख्त प्रवर्तन छोटे या कमजोर डेवलपर्स के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है। वहीं, मजबूत वित्तीय स्थिति और बेहतर कार्पोरेट गवर्नेंस वाले बड़े डेवलपर्स को फायदा होगा। निवेशक और खरीदार जिम्मेदार और संगठित कंपनियों की ओर आकर्षित होंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाक का...

तिलक पारी के दौरान संघर्ष करते हुए दिखे और 24 गेंद पर 25 रन बनाकर आउट हुए। तिलक के आउट होने के अगली ही गेंद पर भारत को चौथा झटका हार्दिक के रूप में लगा। हार्दिक पंड्या बिना खाता खोले आउट हुए। सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे ने पांचवें विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी की। सूर्यकुमार यादव पांचवें विकेट के रूप में 29 गेंद पर 32 रन बनाकर आउट हुए।शिवम दुबे ने 17 गेंद पर 27 और रिंकू सिंह ने 4 गेंद पर 11 रन बनाकर भारतीय पारी को 7 विकेट के नुकसान पर 175 तक पहुंचाया। भारतीय टीम ने जिस तरह की शुरुआत की थी और शुरुआत में ईशान किशन जिस तरह बल्लेबाजी कर रहे थे, स्कोर 200 के करीब जाता लग रहा था, लेकिन ईशान के आउट होने के बाद रन गति में गिरावट आई और टीम कम से कम 20 से 25 रन पीछे रह गई। पाकिस्तान ने पारी के दौरान छह स्पिन गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। सईम अयूब ने 3, और सलमान आगा, उस्मान तारिक और शाहीन अफरीदी ने 1-1 विकेट लिए।176 रनों के विशाल स्कोर का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। उसे पहले ही ओवर में हार्दिक पंड्या ने शाहिबजादा फरहान के रूप में पहला झटका दिया। यह ओवर मेडन रहा। इसके बाद तो मतू चल, मैं आयाफ की तर्ज पर पाकिस्तानी बल्लेबाज पवेलियन लौटते रहे। जसप्रीत बुमराह ने दूसरी ओवर में ही सैम अयूब (6) और कप्तान सलमान अली आगा (4) को आउट करते हुए भारत का पलड़ा पूरी तरह से भारी कर दिया।उस्मान खान की 44 रन की पारी को छोड़ दिया जाए तो पूरी पाकिस्तान टीम भारतीय गेंदबाजों को झेल नहीं सकी। उनके अलावा शादाब खान (14), फहीम अशरफ (10) और शाहीन अफरीदी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। बाबर आजम (5), मोहम्मद नवाज (4) अबरार अहमद (0) आसानी से विकेट गंवाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट झटके।

सूर्या ने एक बार फिर पाकिस्तानियों से हाथ नहीं मिलाया

कोलंबो, 15 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले से पहले टॉस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने आपस में हाथ नहीं मिलाया। भारतीय टीम की ओर से कप्तान सूर्या ने यह रुख बरकरार रखा।

बताया जाता है कि भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले वर्ष एशिया कप के दौरान भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। यह निर्णय पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध स्वरूप लिया गया था।

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले हमेशा उच्च भावनात्मक माहौल में खेले जाते हैं। ऐसे में खिलाड़ियों के इस व्यवहार को सुरक्षा और राष्ट्रीय संवेदनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है।

कांग्रेस और...

रिपोर्टों के अनुसार, वरिष्ठ मंत्री पार्षदों के साथ पार्टी अनुशासन सुनिश्चित करने और करीमनगर नगर निगम में आगामी मेयर चुनाव के लिए रणनीति समन्वय पर चर्चा कर रहे हैं। पार्षदों के लिए रिसॉर्ट में एक पूर्ण कैंप स्थापित किया गया है, जहाँ निर्वाचित प्रतिनिधियों के ठहरने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने व्यवस्था की है कि नगर निगम के प्रमुख पदों के लिए महत्वपूर्ण मतदान होने तक सभी पार्षद एक साथ रहेंगे।

भाजपा की जवाबी घेराबंदी और तेलंगाना में कैंप राजनीति का इतिहास

तेलंगाना की राजनीति में कैंप पॉलिटिक्स एक विशेषता रही है, विशेष रूप से नागरिक निकायों और विधान परिषद के चुनावों के दौरान, जहाँ क्रॉस-वोटिंग और दलबदल परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं। राजनीतिक दल आमतौर पर अपने प्रतिनिधियों को प्रतिद्वंद्वी दलों के प्रभाव से दूर रखने के लिए रिसॉर्ट या फार्महाउस में ले जाते हैं। खबर है कि भाजपा ने भी अपने विजयी उम्मीदवारों को एक अलग स्थान पर स्थानांतरित कर दिया है, हालांकि उनके कैंप की व्यवस्था के बारे में आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया गया है। दोनों दलों की यह समानांतर रणनीति करीमनगर नगर निगम पर नियंत्रण हासिल करने के उच्च दांव को दर्शाती है, जिसे क्षेत्र में राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।

पदेन सदस्यों ...

एसईसी का यह स्पष्टीकरण विशेष रूप से बीआरएस के लिए एक बड़ा झटका है, जिसने संख्या बल बढ़ाने के लिए अपने एमएलसी और राज्यसभा सांसदों को विभिन्न नगर पालिकाओं में तैनात करने की योजना बनाई थी। राज्य चुनाव आयोग के सचिव लिंग्या नाइक ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति नगर पालिका सीमा में मतदाता नहीं है, तो पदेन सदस्य के रूप में उसका नामांकन या मतदान शून्य और अमान्य माना जाएगा।

यह निर्णय तेलंगाना नगर पालिका अधिनियम, 2019 और संविधान के अनुच्छेद 243- आर के उचित कार्यान्वयन के लिए लिया गया है, जो 2022 के तेलंगाना उच्च न्यायालय के एक फैसले के अनुरूप है। कागजनगर और जनगांव जैसी जगहों पर बीआरएस को इस नियम के कारण अपनी रणनीति बदलनी पड़ रही है। उदाहरण के लिए, एमएलसी दासोजू श्रवण कागजनगर में मतदान नहीं कर पाएंगे क्योंकि वे ग्रेटर हैदराबाद के पंजीकृत मतदाता हैं।

दलबदल का खतरा और व्हिप का सहारा

बदलते परिदृश्यों के बीच, राजनीतिक दलों में दलबदल का डर बना हुआ है। पार्टियाँ अपने निर्वाचित सदस्यों को आधिकारिक उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने के लिए व्हिप जारी करने की तैयारी कर रही हैं। बीआरएस की ताकत विधानसभा में दलबदल के कारण कम हुई है और 2024 के लोकसभा चुनावों में एक भी सीट न जीत पाने के कारण उसके पास सांसदों का समर्थन भी कम है। सूत्रों का कहना है कि यदि बीआरएस ने सत्ता में रहते हुए 2022 के उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी होती, तो आज इस स्थिति से बचा जा सकता था।

भाजपा की स्थिति और करीमनगर का समीकरण

भाजपा भी इसी तरह की दुविधा का सामना कर रही है। पार्टी के एमएलसी अंजी रेड्डी और मल्का कोमरैया, करीमनगर से होने के बावजूद वहां मतदान नहीं कर पाएंगे क्योंकि वे जीएचएमसी सीमा के भीतर मतदाता हैं। हालांकि, केंद्रीय मंत्री और करीमनगर के सांसद बंडी संजय नियमों के तहत पात्र हैं, जिससे भाजपा को कुछ निर्दलयों के समर्थन के साथ करीमनगर नगर निगम में बढ़त मिलने की उम्मीद है। सभी नगर निकायों में कल, 16 फरवरी को जिला कलेक्टरों की देखरेख में मतदान होगा।

टिकाऊ...

जो रोजगार को नई गति देंगे। उन्होंने शासन सुधारों पर जोर देते हुए कहा, इस बजट की एक महत्वपूर्ण विशेषता विश्वास-आधारित शासन पर हमारा निरंतर जोर रहा है। हम कागजी कार्रवाई को बड़े पैमाने पर कम कर रहे हैं और अपराधों को गैर-आपराधिक श्रेणी में डाल रहे हैं।

2047 तक विकसित भारत की मजबूत नींव

प्रधानमंत्री ने लाल किले से दिए अपने आह्वान ङ्गयही समय है, सही समय हैफ को याद करते हुए कहा कि यह अब एक राष्ट्रीय संकल्प बन गया है। उन्होंने बजट को दीर्घकालिक संदर्भ में रखते हुए कहा कि इसे केवल 2026 के बजट के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।उन्होंने अंत में कहा, यह 21वीं सदी की दूसरी तिमाही का पहला बजट है। जिस तरह 1920 के दशक में लिए गए निर्णयों ने 1947 में स्वतंत्रता की नींव रखी थी, उसी तरह आज हमारे द्वारा लिए जा रहे निर्णय 2047 तक मविकसित भारतफ की नींव रख रहे हैं।ङ्गङ्ग यह बजट 2014 के बाद से हासिल किए गए लाभों को मजबूत करता है और अगले पच्चीस वर्षों के लिए गति प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा...

जुलाई 2023 से जुलाई 2025 के बीच, वली, मलेश और छह अन्य लोगों ने मिलकर उसे कुल 1.99 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया।शुरुआत में लक्ष्मी ने ब्याज के रूप में छोटी रकम दी, लेकिन बाद में भुगतान बंद कर दिया। जुलाई 2025 में जब पीड़ितों ने उसके चिंतल बस्ती स्थित आवास पर दबाव बनाया, तो उसने अपने भाई श्रीनिवास और बेटों मोहन और वेंकटेश के साथ मिलकर दो महीने में निपटारे का वादा किया। हालांकि, वली को बाद में पता चला कि लक्ष्मी ने 10 नवंबर, 2025 को गुंटूर जिले के पेडाकाकानी में एक खेत में कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस जांच और कानूनी कार्रवाई

वली ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि पीड़ितों से वसूली गई बड़ी राशि लक्ष्मी के बेटों और सुरेश नामक एक व्यक्ति के बैंक खातों में स्थानांतरित की गई थी। शिकायत के आधार पर, सीसीएस पुलिस ने 10 फरवरी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और 61(2) (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे लेन-देन के सबूतों की जांच कर रहे हैं और प्रारंभिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस की ...

और अन्य के खाते में 11 प्रतिशत वोट गए। कुल मतदान 37,14,797 रहा।केवल नगर पालिकाओं की बात करें तो कांग्रेस को 41 प्रतिशत (11,22,260 वोट), बीआरएस को 32 प्रतिशत (8,64,209 वोट) और भाजपा को 14 प्रतिशत (3,73,773 वोट) प्राप्त हुए। निर्दलीयों ने 8 प्रतिशत और एआईएमआईएम ने 2 प्रतिशत वोट हासिल किए।

निगम और पालिका के बीच वोटों का उतार-चढ़ाव

डेटा का विश्लेषण करने पर एक रोचक तथ्य सामने आया है। नगर पालिकाओं की तुलना में नगर निगमों के आंकड़े जुड़ने पर प्रमुख दलों के वोट शेयर में मामूली गिरावट देखी गई। उदाहरण के लिए, कांग्रेस का वोट शेयर नगर पालिकाओं में 41 प्रतिशत था, जो निगमों के साथ जुड़कर 39 प्रतिशत रह गया। बीआरएस भी 32 प्रतिशत से गिरकर 29 प्रतिशत पर आ गई। इसके विपरीत, भाजपा 14 प्रतिशत से बढ़कर 16 प्रतिशत और एआईएमआईएम 2 प्रतिशत से बढ़कर 3 प्रतिशत पर पहुँच गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भले ही कांग्रेस ने सीटों के मामले में बढ़त बनाई हो, लेकिन वोट शेयर डेटा एक कड़ी प्रतिस्पर्धा की ओर इशारा करता है, न कि किसी एकतरफा जीत की ओर।

कोत्तागुडेम ...

हालांकि, अभी तक दोनों दलों की ओर से इस निर्णय पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मेयर पद के लिए चुनाव 16 फरवरी को निर्धारित है।

त्रिशंकु परिषद के बाद गठबंधन की मजबूरी

गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में पूर्व-चुनावी गठबंधन के बावजूद, कांग्रेस और भाकपा ने निगम चुनाव अलग-अलग लड़ा था। चुनाव परिणामों में दोनों दलों को 22-22 सीटें मिलीं, जिससे परिषद त्रिशंकु हो गई और किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। इस स्थिति में, मेयर चुनाव जीतने के लिए दोनों दलों का हाथ मिलाना अनिवार्य हो गया था। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव (केटीआर) ने भी भाकपा को समर्थन देने की पेशकश की थी, क्योंकि बीआरएस ने आठ डिवीजनों में जीत हासिल की थी, लेकिन भाकपा ने कांग्रेस के साथ जाने को प्राथमिकता दी।

बीआरएस का आरोप और एससीसीएल का मुद्दा

हैदराबाद में मीडिया से बात करते हुए केटीआर ने कहा कि उनकी पार्टी ने सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की रक्षा के लिए भाकपा को समर्थन देने का फैसला किया था, क्योंकि कांग्रेस और भाजपा कंपनी को लूटने के लिए मिलीभगत कर रहे हैं। उन्होंने संदेह जताया कि भाकपा, जिसका संबद्ध ट्रेड यूनियन एटक (एआईटीयूसी) सिंगरेणी का मान्यता प्राप्त यूनियन है, कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने के लिए किसी दबाव में रही होगी। उन्होंने दोहराया कि बीआरएस सिंगरेणी और उसके श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।इस राजनीतिक खींचतान के बीच, कांग्रेस ने नवनिर्वाचित पार्षदों को अपने पाले में लाने की कोशिशें जारी रखीं। रविवार को खम्मम में राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी की उपस्थिति में पांच नवनिर्वाचित स्वतंत्र पार्षद कांग्रेस में शामिल हो गए। इस कदम से कांग्रेस ने सदन में अपनी संख्या बल को और मजबूत कर लिया है, जिससे कल होने वाले चुनावों में उसकी स्थिति काफी प्रभावशाली हो गई है।

मैट्रिमोनियल...

के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।ठगों ने उसे गिरफ्तारी का डर दिखाया और रिहाई के नाम पर पैसों की मांग शुरू कर दी। उन्होंने जीएसटी, आयकर, आईएमएफ प्रमाण पत्र और वीजा नवीनीकरण जैसे विभिन्न शुल्कों के नाम पर पीड़िता से पैसे ऐंठे। पीड़िता को विश्वास दिलाया गया था कि यह सारी राशि बाद में वापस कर दी जाएगी।साइबर क्राइम पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों का रूप धरकर नवंबर से फरवरी के बीच पीड़िता से कई बार संपर्क किया। उन्होंने महिला को इस कदर गुमराह किया कि उसे लगा उसका होने वाला दूल्हा सच में हिरासत में है।धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब कुछ दिन पहले सभी संबंधित फोन नंबर अचानक बंद हो गए और संपर्क के सारे रास्ते खत्म हो गए। तब जाकर पीड़िता को अहसास हुआ कि वह एक सुनियोजित साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो चुकी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू कर दी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 16 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

महाशिवरात्रि की धूम: ओम नम शिवाय के जयकारों से गूंजे शिवालय, उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संपूर्ण तेलंगाना राज्य में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व अत्यधिक धार्मिक उत्साह और पारंपरिक उमंग के साथ मनाया गया। दिन के शुरुआती घंटों से ही श्रद्धालु पवित्र स्नान करने के बाद शिव मंदिरों में उमड़ पड़े और भगवान परमेश्वर की विशेष पूजा, अभिषेक और अर्चना की। इस पावन अवसर पर कई श्रद्धालु हिंदुओं ने दिनभर का उपवास रखा। राज्य भर के प्रमुख शिव मंदिर ओम नमः शिवाय के मंत्रोच्चार से गुंजायमान रहे, जहाँ हजारों भक्तों ने मत्था टेका और प्रार्थना की। वेमुलावाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर और कीसरगुट्टा मंदिर जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगमने राज्य के प्रमुख शिव क्षेत्रों के लिए सैकड़ों विशेष बसें संचालित कीं।

मंदिरों में सुबह से ही लंबी कतारें देखी गईं, जहाँ लोग दूध, शहद और गंगाजल से महादेव का जलाभिषेक करने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। कई स्थानों पर रात्रि जागरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है।

पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कीसरगुट्टा में टेका मत्था, महाशिवरात्रि पर की विशेष पूजा

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रविवार को पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मेडचल मल्कजगिरि जिले के कीसर मंडल स्थित ऐतिहासिक श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया। उन्होंने भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

मंदिर पहुँचने पर मंदिर के पुजारियों और अधिकारियों ने पूर्व राज्यपाल का पारंपरिक स्वागत किया। दत्तात्रेय ने कतारों में खड़े श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया और मंदिर के गर्भगृह में जाकर पवित्र अभिषेक और अर्चना में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर के ऐतिहासिक महत्व और महाशिवरात्रि की महत्ता पर भी चर्चा की।

महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में कीसरगुट्टा पहाड़ी पर भक्तों का जनसैलाब उमड़ा रहा। पूर्व राज्यपाल के दौरे के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दर्शन के बाद मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में उन्होंने सभी नागरिकों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं और भगवान रामलिंगेश्वर स्वामी से सभी के कल्याण की कामना की।

तलसानी ने की केसीआर के जन्मदिन समारोहों की घोषणा

बीआरएस नेता ने मुनिसिपल चुनाव परिणामों का विश्लेषण किया

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और बीआरएस एलपी उपनेता तलसानी श्रीनिवास यादव ने तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पार्टी के भविष्य कार्यक्रमों और राजनीतिक स्थिति पर महत्वपूर्ण बयान दिए।

तलसानी ने घोषणा की कि 17 फरवरी को पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के जन्मदिन के अवसर पर बीआरएस कार्यकर्ता पूरे राज्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इस मौके पर तेलंगाना भवन में केक काटने का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा, केसीआर ने 10 साल तक मुख्यमंत्री के रूप में तेलंगाना का शानदार प्रशासन किया और राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। मुनिसिपल चुनाव परिणामों का विश्लेषण करते हुए तलसानी ने दावा किया कांग्रेस पार्टी को 15 लाख वोट मिले जबकि बीआरएस को 10 लाख वोट मिले। उन्होंने कहा, जब बीआरएस सत्ता में थी, तब कांग्रेस पार्टी स्थानीय निकाय चुनावों में कहीं नहीं थी। इस बार मुनिसिपल चुनावों में हमारे कार्यकर्ताओं ने अपनी लड़ाकू क्षमता का प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर पल्ले रविकुमार, के. किशोर गौड़ और मुत्था जयसिंह भी उपस्थित थे।

कोमपल्ली स्थित प्रदीप अग्रवाल के निवास पर महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रुद्राभिषेक कार्यक्रम सुविधि संपन्न करवाते हुए निलेश महाराज। साथ में भाग लेते हुए प्रकाशवती बाई अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल एवं अन्य।

पिता के संस्कार और माँ का आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी पूँजी : शेष अग्रवाल

50वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर नामपल्ली में विशेष अन्नदान, सेवा के माध्यम से दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुछ रिश्ते समय से परे होते हैं। माता-पिता का स्नेह, उनका त्याग और उनके दिए हुए संस्कार जीवन भर संतान का मार्ग प्रकाशित करते हैं। अपने पूज्य माता-पिता की 50वीं वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर शेष अग्रवाल ने इस भावना को शब्दों में नहीं, बल्कि सेवा में व्यक्त किया। स्वर्गीय पिताजी की पावन स्मृति को नमन करते हुए और माताजी के सजीव आशीर्वाद को हृदय से स्वीकार करते हुए उन्होंने इस स्वर्णिम अवसर को अन्नदान के रूप में समाज को समर्पित कर दिया।नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन नामपल्ली (पिलर नंबर 1265 ए के पास) पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा

संचालित नियमित अन्नदान केंद्र में विशेष अन्नदान का आयोजन किया गया। जरूरतमंदों को श्रद्धा, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया। हर थाली के साथ मानो पिता की स्मृतियाँ और माँ का आशीर्वाद भी परोसा जा रहा था। वातावरण में भावुकता, कृतज्ञता और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला।इस अवसर पर शेष अग्रवाल ने भावुक स्वर में कहा -मेरे स्वर्गीय पिताजी ने जो संस्कार दिए, वही मेरी असली पूँजी हैं। उन्होंने सिखाया कि जीवन का अर्थ केवल स्वयं के लिए जीना नहीं, बल्कि समाज के लिए कुछ करना है। आज वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी हर सीख मेरे निर्णयों में जीवित है। माताजी का आशीर्वाद मेरे जीवन की शक्ति है। उनकी 50वीं वर्षगांठ पर अन्नदान करना मेरे लिए श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता का छोटा-सा प्रयास है।

उन्होंने आगे कहा कि यदि माता-पिता की स्मृति किसी भूखे के चेहरे पर मुस्कान बनकर जीवित रहे, तो वही सच्ची श्रद्धांजलि है।इस सेवा कार्य में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन चंपापेट, संजय गोयल, किरण गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, प्रीतिका अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, आशा गोयल, शेष गोयल, रामा गोयल, जयश्री बंसल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर स्वर्गीय आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा माताजी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।नामपल्ली में आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक पारिवारिक वर्षगांठ का आयोजन नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि जब पिता के संस्कार और माँ का आशीर्वाद साथ हों, तो हर उत्सव समाज के लिए प्रेरणा बन सकता है। सेवा के माध्यम से मनाई गई यह स्वर्णिम वर्षगांठ वास्तव में एक अमर स्मृति बन गई।

जयघोषों के बीच श्री गौतम स्वामीजी व श्री नाकोड़ाजी भैरवनाथ जी की स्थापना

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आज रसूलपुरा, सिकंदराबाद स्थित तातेड निवास में श्री गौतम स्वामी जी एवं श्री नाकोड़ाजी भैरवनाथ जी की पावन मूर्तियों की विधिवत स्थापना की गई। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया और पूरे परिसर में धार्मिक जयघोष गूंजते रहे।

स्थापना से पूर्व रसूलपुरा स्थित श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ जैन मंदिर में पक्षाल पूजा एवं अन्य धार्मिक विधियां सम्पन्न की गईं। मंदिर में विधिविधान के साथ पूजा-अर्चना के पश्चात धार्मिक जयघोष एवं मंगल ध्वनि के साथ मूर्तियों को तातेड निवास तक लाया गया। तातेड निवास पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ समस्त धार्मिक विधियां

सम्पन्न की गईं। पूजन क्रिया के उपरांत घर में विधिवत प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने आरती एवं मंगल पाठ में भाग लिया, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बना रहा।इस धार्मिक अनुष्ठान में तातेड परिवार से श्रीमती पुष्पाबेन रमेश, गुणवंतीबेन पुखराजजी तातेड (सिरोही निवासी), रितेश0पूनम, तपन0रीना, हीया, जिनय, एतांश एवं हरित तातेड उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त पुजारीजी मांगीलालजी, सरिता बेन संघवी, निखिल बागरेचा, शालीन दोषी, कल्पना जीतू दोषी, पूजा धीरज बाफना, ललित बाफना, शिवा एवं पारस भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

धार्मिक उल्लास एवं श्रद्धा के साथ सम्पन्न इस कार्यक्रम ने समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया।

जिनेश्वरधाम में अरबुदगिरी तीर्थ क्षेत्र की भावयात्रा आयोजित

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री दिव्य श्रावक सामायिक मंडल द्वारा आयोजित एवं जिन शासन समर्पण के युवाओं द्वारा प्रस्तुत अरबुदगिरी तीर्थ की भावयात्रा एवं श्रावक सामायिक कार्यक्रम श्री शांतिनाथ जिनेश्वरधाम स्थित आराधना भवन में सम्पन्न हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में श्री दिव्य श्रावक सामायिक मंडल के प्रवीण काराणी एवं हरखचंद सावला ने बताया कि गत एक दशक से भी अधिक समय से श्रावकों के लिए प्रति रविवार सामायिक का आयोजन किया जा रहा है।

रविवार को सामायिक पश्चात अरबुदगिरी तीर्थ की भावयात्रा पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें गुरु चिराग छेडा ने विस्तृत जानकारी प्रदान की।

भक्ति गीतों के साथ संगीतमय भावयात्रा

अरबुदगिरी तीर्थ (आबू तीर्थ) को वंदन करते हुए भक्ति गीतों के साथ संगीतमय रूप में अरबुदगिरी एक यात्रा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। चिराग छेडा ने कहा कि अरबुदगिरी जैन शासन में अत्यंत विशेष और पवित्र स्थान रखता है। यह पर्वतीय क्षेत्र में स्थापित देरासर (जिनालय) इतिहास और संस्कृति का प्रमुख केंद्र है, जहां जैन तीर्थंकरों की प्राचीन मूर्तियाँ स्थापित हैं।

आगामी तीर्थ यात्रा की घोषणा

हरखचंद सावला ने जानकारी दी कि सामायिक में भाग लेने वालों को आगामी मार्च माह में राजस्थान स्थित श्री दंतानी तीर्थ की यात्रा कराई जाएगी। इस यात्रा के लाभार्थी श्रीमती मीनाक्षीबेन मोनिक धरमशी हैं। नवीन मारू ने बताया कि सामायिक में भाग लेने वालों के लिए नवकारशी की व्यवस्था की जाती है। इस रविवार को सामायिक पश्चात नवकारशी का आयोजन मातुश्री पुष्पाबेन केशवलाल धनजी संघवी परिवार द्वारा रखा गया। संघवी परिवार का श्रीसंघ की ओर से बहुमान किया गया।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

नवकारशी की व्यवस्था में सहयोग हेतु श्री दिव्य श्रावक सामायिक मंडल के सभी सदस्यों, महेन्द्र मारू तथा उनकी टीम के सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण काराणी, रतिलाल छेडा, जितेन्द्र गडा तथा नवीन मारू द्वारा किया गया।

अवसर पर श्री अचलगच्छ जैन संघ के ट्रस्टी पोपटलाल छेडा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, पुष्पाबेन केशवलाल संघवी, जयश्री किर्ती संघवी, पूनम प्रदीप संघवी, कविता संघवी, निर्मला अभय संघवी, लीलावंती दिनेश मेहता, सीमा मेहता, कल्पेश मेहता, रिटी जतीन शाह, खुशबू पुनित संघवी, हिरल कुणाल हरिया, ज्योति मोता, ज्योति खुशाल हरिया, प्रतिक पारेख, जीनल धवल वोरा, भूपेश संघवी, नवीन मारू, प्रवीण काराणी, रतिलाल छेडा, हरखचंद सावला, दिलीप मोता, अनीश छेडा, विपुल गाला, वसंत मोता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

श्री सिध्दारुढ स्वामीजी की नगरी में सेवा का संगम

महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क ऑटो सेवा, रेलवे स्टेशन से मठ तक सुविधा

हुब्बल्ली, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए श्री सिध्दारुढा स्वामीजी की तपोभूमि सिध्दारुढ़ मठ तक आने-जाने के लिए विशेष निःशुल्क ऑटो सेवा प्रारंभ की गई है। यह सेवा रेलवे स्टेशन सहित शहर के विभिन्न प्रमुख स्थलों से संचालित की जा रही है, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। महाशिवरात्रि जात्रा में दूर-दराज़ से लाखों श्रद्धालु स्वामीजी के दर्शन हेतु हुब्बल्ली पहुँचते हैं। इस विशाल जनसमूह की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मठ तक सुरक्षित एवं निःशुल्क परिवहन उपलब्ध कराने तथा दर्शन के बाद पुनः रेलवे स्टेशन तक पहुँचाने के लिए 100 से अधिक ऑटो चालकों ने स्वेच्छा से सेवा में भागीदारी की है। यह पहल सेवा भावना, सामाजिक समर्पण और धार्मिक एकता का प्रतीक बनकर उभरी है।इस सेवा के शुभारंभ अवसर पर सिध्दारुढ़ मठ ट्रस्ट कमिटी के पूर्व चेयरमेन एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) सदस्य समाजसेवी महेन्द्र सिंघी, महावीर लिंब सेंटर के चेयरमेन गौतम गो-लेछा, मंजूनाथ बेक्किनकन्नवर, परशुराम गोकाक तथा ऑटो चालक संघ के अध्यक्ष अशोक आणि सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में ऑटो सेवा को रवाना किया गया। इस दौरान समाजसेवी महेन्द्र सिंघी ने कहा कि महाशिवरात्रि जैसे पावन पर्व पर श्रद्धालुओं की सेवा करना ही सच्ची भक्ति है। इस प्रकार की सेवाएँ न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान करती हैं, बल्कि समाज में सहयोग, सद्भाव और सेवा की भावना को भी मजबूत बनाती हैं।

इसके अतिरिक्त ऑटो चालक एवं मालिक संघ द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई है। बड़ी संख्या में यात्री इस व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं और सेवा कार्य की सराहना कर रहे हैं। यह पहल महाशिवरात्रि पर्व को और अधिक सार्थक बनाते हुए सामाजिक सहभागिता और धार्मिक सेवा की उत्कृष्ट मिसाल प्रस्तुत कर रही है। इस अवसर पर संस्कार स्कूल के कोषाध्यक्ष उज्ज्वल सिंघी, मणिकंठा गदगीमठ, श्रीकांत कलाल, अशोक उप्पार, नागराज भोवी, श्रीपति हुंडी, विजयकुमार कडगड तथा श्रीनिवास कोरवर सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

गो सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वारा महाशिवरात्रि पर अभिषेक एवं पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गो सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वारा जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में शिवजी का विधिवत अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की गई।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर विशेष पूजन किया तथा गौसेवा का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान भक्ति गीतों और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, अजय गुप्ता, विनोद राठी, यश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, उमेश गोयल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

महर्षि बोधोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

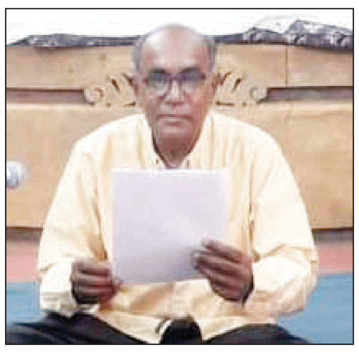

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मूलशंकर (बाद में महर्षि दयानंद सरस्वती) के जीवन से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंग को स्मरण करते हुए महर्षि बोधोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।कहा जाता है कि बालक मूलशंकर ने महाशिवरात्रि के दिन व्रत एवं जागरण करते हुए शिव मंदिर में एक चूहे को शिवलिंग पर चढ़ते देखा, जिससे उनके चक्षु खुल गए। इस घटना ने उन्हें सच्चे, निराकार, सच्चिदानंद स्वरूप, अजन्मा, अनंत एवं सर्वशक्तिमान ईश्वर की खोज के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सत्य की खोज और वेदों की पुनर्स्थापना में समर्पित कर दिया। उन्होंने वेदों का पढ़ना-पढ़ाना, सुनना-सुनाना सभी आर्यों का परम धर्म है का संदेश दिया।आर्य समाज, महर्षि दयानन्द मार्ग, सुल्तान बाजार में महर्षि बोधोत्सव रविवारीय साप्ताहिक यज्ञ के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रताप रूद्र ने की। उन्होंने महर्षि के गुणगान प्रस्तुत किए तथा अरुण कुमार लाठकर को पर्व संदेश देने के लिए मंच पर आमंत्रित किया।स्वतंत्रता सेनानी एडवोकेट दिगंबरराव लाठकर के सुपुत्र एडवोकेट अरुण कुमार लाठकर ने क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी द्वारा रचित ऋषि चरित्र प्रकाश पुस्तिका के बोधोत्सव विषय पर विस्तृत जानकारी श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने महर्षि दयानंद के अन्य उपकारी कार्यों का भी उल्लेख किया, जिसे सभी ने ध्यानपूर्वक श्रवण किया।इस अवसर पर विशेष रूप से रणधीर सिंह, काशीराम, शिवाजी, भक्त राम एवं अन्य कई सदस्य उपस्थित रहे। आर्य समाज द्वारा सभी वैदिक प्रेमी सज्जनों से विनम्र निवेदन किया गया कि वे रविवारीय यज्ञ में सम्मिलित होकर अपनी आहुति प्रदान करें। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हैदराबाद में 23वाँ वसंतोत्सव कवि सम्मेलन एवं निराला सम्मान समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 15 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गीत चाँदनी तथा हिलेस के संयुक्त तत्वावधान में 23वाँ वसंतोत्सव कवि सम्मेलन, महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती व्याख्यान एवं निराला सम्मान समारोह आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स, हैदराबाद में अत्यंत भव्यता और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद ने की।

समारोह में गीत चाँदनी के संरक्षक, ट्रस्टी एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री अमृत कुमार जैन, एनसीपी (महाराष्ट्र) के पार्षद श्री अरुण बार बोले, एनसीपी (महाराष्ट्र) के पार्षद श्री महेश जी बाफना, जनाब सलाहुदीन नय्यर, श्री अनुप कुमार सहित अन्य गणमान्य अतिथि मुख्य, विशेष एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे।

गीत चाँदनी के कार्यदर्शी एवं कवि गोविंद अक्षय ने कुशल संचालन करते हुए सभी अतिथियों एवं श्रोताओं का स्वागत किया तथा संस्था की 44 वर्षों की साहित्यिक यात्रा और सक्रिय गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय दिया।

समारोह में कवि ठाकुर दिनेश सिंह एवं डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने महाकवि निराला के जीवन-दर्शन एवं साहित्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि महाप्राण सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हिंदी साहित्य के छायावादी युग के प्रमुख स्तंभ थे।

विशेष अतिथि एवं उर्दू मासिक पत्रिका ख़ुशबू का सफ़र के संपादक तथा शायर जनाब सलाहुदीन नय्यर ने गीत चाँदनी के संस्थापक कार्यदर्शी एवं वरिष्ठ कवि स्व. नेहपाल सिंह वर्मा के व्यक्तित्व और योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि कवि गोविंद अक्षय उनके सच्चे उत्तराधिकारी के रूप में संस्था की साहित्यिक परंपरा को सशक्त रूप से आगे बढ़ा रहे हैं।निराला सम्मान की विशेषता बताते हुए कार्यदर्शी गोविंद अक्षय ने स्पष्ट किया कि गीत चाँदनी का निराला सम्मान अन्य सम्मानों से भिन्न है। यह किसी पुरस्कार या प्रशंसा का प्रतीक मात्र नहीं, बल्कि उस साधना का सम्मान है, जिसमें कवि ने कविता को अपने जीवन का अभिन्न अंग बना लिया हो। 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके और निरंतर साहित्य-साधना में सक्रिय कवियों को ही यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस वर्ष सर्वश्री0 कवि गोविंद मिश्रा, कवयित्री आशा ठाकुर, कवि ठाकुर दिनेश सिंह,कवि अशोक दोशी और कवि सत्यनारायण काकड़ा को गीत चाँदनी निराला सम्मान से अलंकृत किया गया। मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्मानित कवियों को शॉल, पुष्पमाला एवं सम्मान-पत्र प्रदान किये गये। समारोह के प्रधान संयोजक श्री अमृत कुमार जैन ने वसंत पंचमी के सांस्कृतिक महत्व एवं कवियों की सामाजिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि वे विगत 23 वर्षों से इस आयोजन से जुड़े हैं। उन्होंने संस्था की साहित्य-सेवा की सराहना की।

अध्यक्षीय वक्तव्य में श्री चंपालाल बैद ने कहा कि वसंत पंचमी भारतीय संस्कृति का उल्लासमय पर्व है। निराला जैसे क्रांतिकारी कवि ने अपनी रचनाओं के माध्यम से जीवन-संघर्ष को साहित्य में प्रतिष्ठित किया। उनका व्यक्तित्व आज भी नई पीढ़ी को प्रेरणा देता है।

काव्य-पाठ करने वाले प्रमुख कवियों में0सर्वश्री चंपालाल बैद, गोविंद अक्षय, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, हर्षलता दुधोड़िया, गोविंद मिश्रा, सुनील मिश्रा, अशोक दोशी, ठाकुर दिनेश सिंह, सत्यनारायण काकड़ा, सदानंद लाल गोगीकार, आशा ठाकुर, लतीफ़ुद्दीन लतीफ़, ममता मिश्रा, अनुप कुमार, बासित अली रईस, उमेश चंद्र श्रीवास्तव, अंजनी कुमार गोयल, सलाहुदीन नय्यर, पूनम जोधपुर, तश्क़ील रज़्ज़ाकी, खलिश हैदराबादी, शिवकुमार तिवारी कोहिरी आदि सम्मिलित रहे।नगरद्वय के गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

आसमां – परिवर्तन, जागरूकता की उड़ान महिला संस्था की प्रथम मासिक सभा आयोजित

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आसमां – परिवर्तन, जागरूकता की उड़ान महिला संस्था की प्रथम मासिक सभा का आयोजन हिमायत नगर स्थित होटल ग्लोब हॉल में रंजु अग्रवाल के संयोजन में सम्पन्न हुआ।

संस्था का गठन परिवार एवं समाज में महिलाओं को समय के साथ परिवर्तन और जागरूकता के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से किया गया है। सभा में महिलाओं ने सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हुए संगठन की आगामी गतिविधियों पर भी चर्चा की।इस अवसर पर रंजु अग्रवाल, निशिता, नमिता, रितिका, टीना, नैना एवं अकीतराज कौर ने विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा और सभी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सभा के उपरांत स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था नैना द्वारा की गई। सभी महिला सदस्यों ने आयोजन की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ तथा भविष्य में संस्था द्वारा और भी रचनात्मक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री महादेव हनुमान मंदिर में भव्य रुद्राभिषेक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
महाशिवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य में आज श्री महादेव हनुमान मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ भव्य मरुद्राभिषेकफ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सुबह से ही मंदिर परिसर भगवान शिव के जयकारों से गुंजायमान रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इस विशेष पूजा में भाग लिया।

धार्मिक अनुष्ठान का नेतृत्व पुजारी सागर जोशी ने किया, जिन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का विधि-विधान से अभिषेक संपन्न कराया। इस अवसर पर मंदिर के अध्यक्ष गोपाल राव विशेष रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का मार्गदर्शन किया।

रुद्राभिषेक के इस पावन अनुष्ठान में मंदिर समिति के सदस्यों और स्थानीय भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर सुनील साहू, पवन कुमार, अनिल कुमार और डी. राजेंदर ने पूजा-अर्चना में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमल महाराज, बजरंग गोप, मेट्टू वेंकटेश और अमित कुमार का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पब्लिक गार्डन शिव मंदिर में गूंजे शिव मंत्र, बजरंग सेना अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने किया रुद्राभिषेक

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के जवाहर बाल भवन में स्थित शिव मंदिर ट्रस्ट में विशेष आध्यात्मिक अनुष्ठान किए गए। बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष और शिव मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एन. आर. लक्ष्मण राव ने भगवान शिव का भव्य रुद्राभिषेक संपन्न किया।

यह पवित्र अनुष्ठान अत्यंत भक्ति और श्रद्धा के साथ किया गया, जिसमें समाज में शांति, समृद्धि और सद्भाव के लिए भगवान शिव का आशीर्वाद मांगा गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष उत्तम कुमार सुगंध ने भी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और दिव्य आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर आध्यात्मिक वातावरण के बीच कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम में शिव मंदिर ट्रस्ट के महासचिव और वरिष्ठ अधिवक्ता केवल कुमार, कोषाध्यक्ष गोवर्धनलाल, जित्तू जायसवाल, रामचंद्र रेड्डी कृष्णा और उत्तम मंडल ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सामूहिक प्रार्थना में भाग लिया।

महाशिवरात्रि के इस विशेष आयोजन ने आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया और समाज की भलाई के लिए सामूहिक प्रार्थनाओं को प्रतिबिंबित किया। मंदिर में दिन भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सेवा ही सच्ची शिव भक्ति है : राजकुमार अग्रवाल

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित किरदार पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति भाव से संपन्न किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमार अग्रवाल ने कहा, भगवान शिव केवल मंदिरों में ही नहीं, बल्कि हर उस चेहरे में बसते हैं जहाँ करुणा और आवश्यकता है। सेवा ही सच्ची शिव भक्ति है। जब हम किसी भूखे को भोजन कराते हैं, किसी पीड़ित की सहायता करते हैं, तभी हमारी पूजा सार्थक होती है।उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि हमें त्याग, संयम और मानवता का संदेश देती है। अन्नदान के माध्यम से ग्रुप ने यही प्रयास किया कि अस्पताल में आए मरीजों के परिजनों और जरूरतमंद लोगों को कम से कम भोजन की चिंता न रहे।

इस सेवा कार्य में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

ऋषम सामायिक जोन के अंतर्गत सामायिक आयोजित

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऋषम सामायिक जोन के अंतर्गत बेगमपेट स्थित श्रीमान रमन रेणुजी भूरा के निवास स्थान पर सामायिक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा एवं अनुशासनपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में सहमंत्री मीनाक्षी सुराणा ने बताया कि सामायिक में सर्वप्रथम नमस्कार महामंत्र का जप एवं मंगल भावना का संगान किया गया। इसके पश्चात त्रिपदी वंदना एवं प्रेक्षा गीत का संगान किया गया। साथ ही चौबीसी एवं आचार्य भिक्षु की गीतिका का भी भावपूर्ण संगान हुआ।कार्यक्रम के दौरान पहले दस बोलों का पुनरावर्तन किया गया तथा 11वां बोल कंठस्थ कराया गया। प्रथम बोल की विस्तृत व्याख्या श्रीमती पुष्पा बरड़िया ने करते हुए सामूहिक जप, तप एवं सामायिक के महत्व पर प्रकाश डाला। सामायिक में कायोत्सर्ग एवं समवृति श्वास प्रेक्षा का अभ्यास भी कराया गया। उपस्थित बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

इस सामायिक में लगभग 27 बहनों की उपस्थिति रही और सभी ने अनुशासित भाव से सहभागिता निभाई। कार्यक्रम आध्यात्मिक चेतना के साथ सम्पन्न हुआ।

अमीरपेट शिव मंदिर में उमड़ी श्रद्धा, विधायक तलसानी ने किया जलाभिषेक

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर अमीरपेट स्थित शिव मंदिर में भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। इस पावन पर्व पर सनतनगर के विधायक और पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने मंदिर पहुँचकर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की और प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव के साथ पूर्व पार्षद शेषु कुमारी, उत्तम सिंह राजपुरोहित और अशोक यादव ने भी महादेव का जलाभिषेक किया। मंदिर प्रांगण में पूजा के दौरान शिव कुमार एवं अन्य स्थानीय नेता व श्रद्धालु उपस्थित रहे। विधायक ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं और मंदिर में की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। अमीरपेट के शिव मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। हर-हर महादेव और ओम नमः शिवाय के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को कांग्रेस नेता एवं उत्तर भारतीय नागरिक संघ के चेयरमैन एन.के. सिंह ने अपनी जन्मभूमि बिहार में भगवान शिव की विशेष आराधना की। उन्होंने स्थानीय शिव मंदिर में विधि-विधान के साथ रुद्राभिषेकसंपन्न किया। यह धार्मिक अनुष्ठान पंडित सतीश शर्मा के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आरंभ हुआ। इस शुभ अवसर पर एन.के. सिंह के साथ श्रीमती मालती देवी, मनोहर सिंह और श्याम बिहारी सिंह सहित परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। मंदिर प्रांगण में मौजूद अन्य भक्तों ने भी भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा द्वारा शमशाबाद स्थित सिद्धलगुट्टा शिव मंदिर में श्रद्धालुओं के बीच सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में दर्शन के लिए आए भक्तों को 150 किलोग्राम केले एवं 3600 गिलास शर्बत का वितरण किया गया। भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस सेवा कार्य का लाभ उठाया। मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर व्यवस्था संभाली और श्रद्धालुओं की सेवा की।

राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन द्वारा तंबोला कार्यक्रम 15 मार्च को

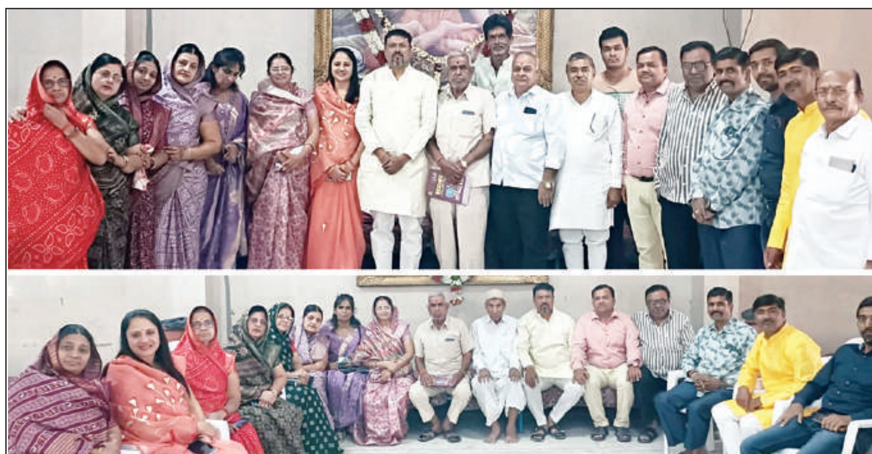

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन द्वारा तंबोला कार्यक्रम रविवार, 15 मार्च 2026 को सायं 4:30 बजे से श्रृंग ऋषि भवन में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम की तैयारियों के संदर्भ में रविवार, 15-02-2026 को दोपहर 3 बजे श्रृंग ऋषि भवन में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ गायत्री वंदन के साथ हुआ।

कार्यक्रम संयोजक संदीप जायलवाल ने आगामी तंबोला कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा सभी उपस्थित सदस्यों के समक्ष रखी। कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने हेतु उपस्थित सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए अगली बैठक में संयोजक मंडल को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

बैठक में रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, संदीप जायलवाल, भगवान कौशिक, नवल किशोर शर्मा, भाखराम कुमावत, दिनेश शर्मा खंडेलवाल, देवकर्ण कुमावत, हरिप्रसाद शर्मा, आशीष वर्मा, कमल उपाध्याय, प्रेमलता व्यास, मीनाक्षी सिखवाल, आराधना ओझा, गायत्री तिवारी, संगीत पांडिया, जमुना उपाध्याय, संतोष व्यास एवं उषा उपाध्याय उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर राम सिंह पुरा गणेश घाट मंदिर में शिवरात्रि का पर्व हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 15 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर राम सिंह पुरा स्थित मूसी नदी के तट के समीप श्री गणेश घाट मंदिर के श्री भोलेनाथ के मंदिर में शिवरात्रि का पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। भगवान शिव के इस प्राचीन मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं अभिषेक का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। मंदिर परिसर में प्रातःकाल से ही भक्तों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही तथा हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण शिवमय हो उठा। मंदिर समिति की ओर से महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर समस्त शिवभक्तों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी गयीं।

इस अवसर पर राम सिंह पुरा निवासी देश के सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कवि-शायर, भारत सरकार रक्षा मंत्रालय के क्लास-वन गजेटेड अधिकारी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा गोलकोण्डा दर्पण पत्रिका के संपादक गोविंद अक्षय (ठाकुर गोविंद सिंह काछी) ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके साथ तेलंगाना काछी संघ के पूर्व अध्यक्ष, काछी संघ राम सिंह पुरा सोसायटी के अध्यक्ष तथा सोसायटी द्वारा संचालित बगीचों की माता मंदिर के अध्यक्ष एवं तेलुगु देशम तेलंगाना स्टेट के संगठन सचिव एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री ए. सुरेंदर सिंह, श्री एम. भानु सिंह, मंदिर के चेयरमैन श्री एम. पुरुषोत्तम सिंह, तेलंगाना काछी संघ के अध्यक्ष श्री एस. बलवीर सिंह सहित अन्य श्रद्धालु भी उपस्थित रहे। मंदिर में रुद्राभिषेक, बिल्वपत्र अर्पण, दुग्धाभिषेक एवं महाआरती का आयोजन भक्ति-भाव के साथ किया गया। भक्तों ने उपवास रखकर रात्रि-जागरण एवं भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान शिव की आराधना की। उल्लेखनीय है कि इस प्राचीन मंदिर का कुछ वर्षों पूर्व श्रद्धालु गणेश भक्तों के सहयोग से जीर्णोद्धार कराया गया था। जीर्णोद्धार के पश्चात मंदिर का स्वरूप अत्यंत आकर्षक एवं भव्य हो गया है। मंदिर की दीवारों पर भगवानों की सुंदर चित्रकारी एवं कलात्मक सज्जा श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित करती है। ऐसा जनश्रुति है कि यहाँ विराजमान प्राचीन श्री गणेश की प्रतिमा अपने भक्तों की मनोकामनाएँ सुनती और पूर्ण करती है, जिससे यह स्थान श्रद्धा और आस्था का केंद्र बना हुआ है।

महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर भक्तों ने विश्व-शांति, समृद्धि एवं समाज के कल्याण की प्रार्थना की तथा भगवान शिव से सुख, स्वास्थ्य और सद्भावना का आशीर्वाद माँगा।

महेश्वरी सेवा संघ की होली मिलन सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महेश्वरी सेवा संघ द्वारा आयोजित होने वाले होली मिलन सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में आज श्रीकुमार मोदानी जी के निवास स्थान पर एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर वेणुगोपाल जखोटिया, लड्डू बंग, आदित्य लोया, प्रवीण तोषनीवाल, विष्णुकांत बजाज, नरेश बाहेती, उमेश चौकड़ा, पूजा लोया, बबीता बंग, कीर्ति तोषनीवाल, स्वाति बजाज, पूजा बाहेती, शीतल मोदानी एवं ऋतु मोदानी उपस्थित रहे।

बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई तथा सभी सदस्यों ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

CHANGE OF NAME
I, SONAL GURAN SHAH W/o Gaurang Nemji Shah, R/o:6-3-1186/6, Durgalaxmi Labh Apts, B.S Maqtha, Greenlands, Begumpet, Hyderabad, TG-16. Has Changed my name as SONAL GAURANG SHAH

'नेने राजू–नेने मंत्री' पर रेवंत की सफाई

आदिवासी बस्तियों (तांडा) के लिए बड़ी घोषणाएं

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि उनकी नेने राजू, नेने मंत्री (मैं ही राजा हूँ, मैं ही मंत्री हूँ) वाली टिप्पणी की गलत व्याख्या की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आशय केवल यह था कि मुख्यमंत्री और नगर प्रशासन मंत्री होने के नाते, वह नगर निगम चुनावों के परिणामों के लिए जिम्मेदार हैं।

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी शुक्रवार को नई दिल्ली में मीडिया के साथ बातचीत के दौरान की थी। उस समय उन्होंने कहा था कि राज्य की राजनीति में या कांग्रेस के भीतर मुख्यमंत्री पद के लिए कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। रविवार को हैदराबाद के बंजारा भवन में संत सेवालाल जयंती समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ किया कि उनकी बात नगर निकाय चुनावों के संदर्भ में थी।

सेवा और विकास का संकल्प, अहंकार को नकारा

रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह खुद को एक शासक के रूप में नहीं देखते हैं, बल्कि उनका उद्देश्य जनता की सेवा करना है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ लोग सोचते हैं कि वे शासन करने के लिए ही पैदा हुए हैं।उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि कांग्रेस पार्टी ने नगर निकाय चुनावों में 85 से 90 प्रतिशत परिणाम हासिल किए हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि वह जीत में अहंकार करने वाले या हार में दिल छोटा करने वाले व्यक्ति नहीं हैं और वह गरीबों के लिए काम करना जारी रखेंगे।

संत सेवालाल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह देश के 15 करोड़ लम्बाडा समुदाय के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में खड़े रहे। उन्होंने घोषणा की कि वह राज्य के सभी तांडा (आदिवासी बस्तियों) के लिए डामर (बिटुमेन) सड़कें बनाने के आदेश जारी कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने हर तांडा में एक सरकारी स्कूल और ग्राम पंचायत भवन बनाने का आह्वान किया। सरकार सौर ऊर्जा संयंत्रों के माध्यम से आदिवासी बस्तियों को बिजली प्रदान करने की भी योजना बना रही है।

सामाजिक न्याय और सत्ता में भागीदारी

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने आदिवासियों को आरक्षण दिया और जमीनें आवंटित कीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार आदिवासी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए तैयार है। रेड्डी ने दावा किया कि वह समाज के पिछड़े वर्गों के लोगों को शासन में भागीदार बनाना चाहते हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि अनुसूचित जाति की जनसंख्या 15 प्रतिशत होने के बावजूद, सरकार ने उन्हें 30 प्रतिशत पद दिए हैं, जिनमें चार मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष का पद शामिल है।

कैलिफोर्निया में लापता भारतीय छात्र की मौत, भारतीय दूतावास ने की पुष्टि

नई दिल्ली, 15 फरवरी (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया में छह दिनों से लापता 22 वर्षीय भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया का शव बरामद हुआ है। कर्नाटक के मूल निवासी साकेत, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले से केमिकल और बायोमोलेक्यूलर इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री कर रहे थे।

साकेत को आखिरी बार 9 फरवरी को परिसर से लगभग एक किलोमीटर दूर देखा गया था, जिसके बाद लेक अंजा और बर्कले हिल्स क्षेत्रों में उनकी तलाश के लिए शहरव्यापी अभियान चलाया गया था। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की है कि स्थानीय अधिकारियों ने उनका शव बरामद कर लिया है। दूतावास ने आश्वासन दिया है कि उनके पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत भेजने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

दूतावास ने व्यक्त की संवेदना और सहायता का भरोसा

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, वाणिज्य दूतावास को गहरे दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि स्थानीय पुलिस ने लापता भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया का शव बरामद होने की पुष्टि की है। हम इस अत्यंत कठिन समय में उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।ङ्ग दूतावास के अधिकारी परिवार के सीधे संपर्क में हैं और सभी आवश्यक औपचारिकताओं में मदद कर रहे हैं।

तलाश के दौरान मिला था पासपोर्ट और लैपटॉप

तलाशी अभियान के दौरान, विश्वविद्यालय परिसर से कुछ ही दूर टिल्डेन रीजनल पार्क के पास एक आवास के समीप साकेत का बैकपैक मिला था, जिसमें उनका पासपोर्ट और लैपटॉप मौजूद था। उन्हें खोजने के लिए समुदाय के सदस्यों ने ऑनलाइन माध्यमों और रेडिट जैसे प्लेटफॉर्म पर भी अभियान चलाया था।

साकेत आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र थे और उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा बेंगलुरु के श्री वाणी एजुकेशन सेंटर से पूरी की थी। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, वह हाइपरलूप के लिए माइक्रोचैनल कूलिंग सिस्टम के पेटेंट धारक छह आविष्कारकों में से एक थे। उनके मित्रों और सहकर्मियों ने उन्हें एक अत्यंत बुद्धिमान, विनम्र और वफादार व्यक्ति के रूप में याद किया है। साकेत की मृत्यु से शैक्षणिक जगत और उनके परिचितों में शोक की लहर है।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा शिक्षा प्रोत्साहन हेतु वॉकथन आयोजित

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) हैदराबाद द्वारा शिक्षा के महत्व को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संजीवैया पार्क में वॉकथन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में टीपीएफ सदस्यों एवं साधर्मिक बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकथन के माध्यम से शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर टीपीएफ अध्यक्ष विरेंद्र घोषल, मंत्री अणुव्रत सुराणा, उपाध्यक्ष निखिल कोटेचा, कोषाध्यक्ष अर्हम बेंगानी, नेशनल टीम सदस्य नरेश जी कठोतिया, मोहित जी बैद, ऋषभ जी दूगड़, दीपक जी संचेती, नवीन जी सुराना, रक्षिता जी बोहरा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संयोजन पियूष भूतोरिया, यश बागरेचा एवं प्रेरणा सुराणा द्वारा किया गया। सभी उपस्थितजनों ने शिक्षा को जीवन का आधार बताते हुए इसे बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

वॉकथन उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ और प्रतिभागियों ने समाज में शिक्षा के महत्व को प्रसारित करने का संदेश दिया।

चिंतला चेरूवु बना मौत का कुआँ..

स्थानीय लोगों की सौंदर्यीकरण कार्य शुरू करने की मांग!

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेरूवु (तालाब) केवल जल संसाधन ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक संपदा हैं। ऐसे में इन्हें बचाने वाले शासक और अधिकारी उदासीन रहने से, जो कभी चेंगिचरला के लिए कल्पतरू (इच्छा पूरक वृक्ष) की तरह था, चिंतला चेरूवु आज अपना अस्तित्व खो रहा है। बोडुप्पल सर्किल–10 की सीमा में लगभग 34 एकड़ में फैला चिंतला चेरूवु मलबे से भरकर लोगों के लिए मृत्यु कुएं में तब्दील हो गया है।

तेजी से विकसित हो रहे बोडुप्पल क्षेत्र में स्थित चिंतला चेरूवु कभी स्वच्छ हुआ करता था। लेकिन, वर्तमान में यह लोगों के स्वास्थ्य और जीवन गुणवत्ता के लिए गंभीर खतरा बन गया है। ऊपरी इलाके में स्थित लगभग 60 कालोनियों का गंदा पानी सीधे तालाब में जाने से धीरे–धीरे चेरूवु अपना अस्तित्व खो रहा है। तालाब के ऊपरी हिस्से में हरी घास, घोड़े की घास, काला पानी और दुर्गंध फैलने से आसपास के कालनी निवासी रोजाना नरक जैसा अनुभव कर रहे हैं। चारों तरफ रियल एस्टेट वेंचरों ने घेर लिया है, जिससे चेरूवु का दायरा घट रहा है।

स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग

चिंतला चेरूवु के संरक्षण में शासक और अधिकारियों की उदासीनता के कारण प्रदूषण बढ़ गया है। परिणामस्वरूप लोग बीमारियों की चपेट में आकर अस्पतालों के चक्कर काट रहे हैं। कालोनी निवासियों ने कई बार शिकायत की, फिर भी अधिकारियों ने ड्रेनेज वाटर के लिए आउटलेट व्यवस्था करके बाहर नहीं निकाला, इस पर स्थानीय नेता गुस्सा व्यक्त कर रहे हैं।

चिंतला चेरूवु के स्थायी समाधान की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हो रही। कम से कम कचरा हटाना, गंदे पानी के प्रवाह को मोड़ने के उपाय नहीं करने पर अधिकारियों के प्रति स्थानीय लोगों में तीव्र असंतोष व्याप्त है। तत्काल चिंतला चेरूवु पर संरक्षण कार्य शुरू किए जाने चाहिए,बोडुप्पल के पूर्व सरपंच और बीआरएस नेता कोठा रवि गौड़ ने यह मांग की।

चिंतला चेरूवु को तुरंत साफ कर लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा की जानी चाहिए। सुंदरीकरण कार्य शुरू कर तालाब के चारों ओर वॉकिंग ट्रैक बनाया जाना चाहिए। रवि गौड ने आगे कहा कि ड्रेनेज वाटर तालाब में न जाए, इसके लिए आउटलेट व्यवस्था के लिए अधिकारी तुरंत कार्रवाई करें। आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लगभग 10 कालोनी निवासियों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के मद्देनजर उचित कार्ययोजना बनाकर जल्द ही राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद कर शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन कर सरकार को अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

शिव–पार्वती की भव्य पालकी निकाली गई

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोढ़ा सनतनगर क्षेत्र में शिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान शिव एवं माता पार्वती की भव्य पालकी निकाली गई। पालकी यात्रा में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे मार्ग में भक्ति गीतों व जयघोषों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। पालकी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने फूल वर्षा कर भगवान शिव–पार्वती का स्वागत किया। आयोजन शांतिपूर्ण एवं श्रद्धा के वातावरण में सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर भाजपा नेता सपना गुप्ता, अंजू, सुनीता, श्रीधर, वेणुगोपाल, सुमा, लक्ष्मी, प्रसन्ना एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डीजीपी ने भूमिगत माओवादियों से मुख्यधारा में शामिल होने का आह्वान किया

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने रविवार को भूमिगत सीपीआई (माओवादी) नेताओं और कार्यकर्ताओं से समाज की मुख्यधारा में लौटकर अपने परिवारों के साथ शांतिपूर्ण, सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन जीने की अपील की।

डीजीपी ने बताया कि पिछले दो वर्षों में तेलंगाना पुलिस के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप विभिन्न स्तरों के 588 माओवादी नेता और कार्यकर्ता सामान्य जीवन में लौट चुके हैं।

उन्होंने कहा, इन सभी ने तेलंगाना सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाया है। आज वे अपने पैतृक गांवों में परिवार के साथ सुरक्षित और सुखी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इस नीति के सकारात्मक परिणामों ने अन्य राज्यों के भूमिगत माओवादियों को भी तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर समाज में पुनः एकीकृत होने के लिए प्रेरित किया है। यह राज्य सरकार द्वारा लागू पुनर्वास पहलों की विश्वसनीयता, करुणा और प्रभावशीलता को दर्शाता है।डीजीपी ने तेलंगाना राज्य के शेष 15 कार्यकर्ताओं सहित सभी शीर्ष भूमिगत माअ–ेवादी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से आगे आकर अपने परिवारों से पुनर्मिलन करने, शांतिपूर्ण भविष्य अपनाने तथा राज्य के विकास और प्रगति में सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया।

दो निर्दलीय उम्मीदवार एआईएमआईएम में शामिल

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नालगोंडा और करीमनगर नगर निगमों में वार्ड सदस्य के रूप में चुनाव जीतने वाले दो निर्दलीय उम्मीदवार रविवार, 15 फरवरी को ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) में शामिल हो गए।

नालगोंडा नगर निगम के वार्ड नंबर 24 (रहमान बाग) से निर्वाचित मोइनुद्दीन तथा करीमनगर नगर निगम के डिवीजन नंबर 59 (मुकरामपुरा) से निर्वाचित माजिद हुसैन ने पार्टी अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।हाल ही में हुए तेलंगाना नगर निगम चुनावों में एआईएमआईएम ने नगर पालिकाओं में 47 वार्ड तथा नगर निगमों में 22 वार्ड पर जीत दर्ज की ।

पार्टी ने भैंसा और बोधन नगरपालिकाओं में सर्वाधिक 12–12 सीटें जीतकर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं नगर निगमों में निजामाबाद नगर निगम में 14 वार्ड जीतकर पार्टी ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

नवनिर्वाचित पार्षद 16 फरवरी को शपथ लेंगे। उसी दिन नगर पालिका अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों तथा नगर निगमों के महापौर और उपमहापौर का चुनाव भी संपन्न होगा।

राजनीतिक हलकों में इन दोनों निर्दलीय पार्षदों के एआईएमआईएम में शामिल होने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.